"बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गजट/38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001."



पंजीयन क्रमांक
"छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2010-2012."

छत्तीसगढ़ राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 30] रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 27 जुलाई 2012—श्रावण 5, शक 1934

विषय—सूची

भाग १

राज्य शासन के आदेश

सामान्य प्रशासन विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 21 जून 2012

क्रमांक एफ 9-3/2012/1-8.—राज्य शासन, द्वारा श्री उमेश द्विवेदी, सेवानिवृत्त अतिरिक्त संचालक (जनसंपर्क), को सामान्य प्रशासन विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 12-03-2012 द्वारा संयुक्त सचिव, के रिक्त पद के विरुद्ध वेतनबैंड रुपये 37400-67000 में वेतन 49110+ग्रेड वेतन 8700/- पर कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से संविदा नियुक्ति प्रदान की गई है. श्री द्विवेदी की सेवा शर्तें सामान्य प्रशासन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 9-1/04/1-3 दिनांक 28-07-2004 छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (संविदा नियुक्ति नियम, 2004) में उल्लेखित प्रावधानों तथा निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी :—

संविदा नियुक्ति की शर्तें :—

1. संविदा नियुक्ति वर्तमान पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से शुरु होकर 01 वर्ष के लिए होगी.

संचालक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, छत्तीसगढ़ द्वारा शासकीय क्षेत्रीय मुद्रणालय, राजनांदगांव से मुद्रित तथा प्रकाशित—2012.

2. अपनी सेवा की अवधि के दौरान संविदा पर नियुक्त शासकीय सेवक नियोजक से निम्नानुसार वेतन एवं भत्ते प्राप्त करेंगे—

(1) संविदा सेवा में सिर्फ मासिक एक मुश्त राशि देय होगा. इसके अतिरिक्त कोई विशेष वेतन, महंगाई भत्ता, इत्यादि नहीं दिया जायेगा तथा संविदा नियुक्ति के अधीन वार्षिक वेतन वृद्धि की पात्रता नहीं होगी.

(2) सामान्य प्रशासन विभाग की अधिसूचना दिनांक 08-05-2008 में संविदा नियुक्ति नियम-2004 के नियम 10 के खण्ड (दो) के उपखण्ड (ख) के अनुसार मासिक एक मुश्त राशि वेतन का निर्धारण निम्नानुसार किया जायेगा :—

सेवानिवृत्त शासकीय सेवक को सेवानिवृत्ति (29-02-2012) के समय देय मूल वेतन (रुपये 49110/- प्रतिमाह) एवं महंगाई भत्ता, संविदा पदस्थापना के स्थान पर देय मकान किराया भत्ता (यदि शासकीय आवास गृह धारित नहीं है तो), पदस्थापना स्थान का देय नगर क्षतिपूर्ति भत्ता का योग मानते हुए इस राशि में से श्री द्विवेदी को प्राप्त पेंशन (सारांशिकरण के पूर्व का) एवं पेंशन पर राहत की राशि घटाने से जो राशि होगी वह राशि श्री द्विवेदी को मासिक एक मुश्त वेतन के रूप में देय होगा. पेंशन एवं पेंशन पर राहत राशि की पात्रता अलग से होगी.

(3) संविदा नियुक्ति सामान्यतः एक वर्ष के लिए होगी. विभाग आवश्यकता के आधार पर एवं संविदा पर नियुक्त व्यक्ति की उपयुक्तता का आंकलन कर आगे बढ़ाने का निर्णय ले सकेगा. संविदा नियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर संविदा नियुक्ति स्वयंमेव समाप्त मानी जावेगी.

(4) सेवानिवृत्त व्यक्ति से संविदा नियुक्ति की स्थिति में संविदा पर नियुक्त व्यक्ति को अस्थाई शासकीय सेवक के समान अवकाश की पात्रता होगी.

(5) सेवानिवृत्त व्यक्ति से संविदा नियुक्ति की स्थिति में यात्रा भत्ते की पात्रता उसी प्रकार होगी जैसा कि सेवानिवृत्ति के तत्काल पूर्व थी.

अन्य शर्तें

(6) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 से शासित होंगे.

(7) नियुक्ति के दौरान दोनों पक्षों में से किसी एक पक्ष द्वारा एक माह की पूर्व सूचना या इसके एवज में एक माह का वेतन देकर नियुक्ति समाप्त की जा सकेगी.

(8) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति को सेवा समाप्ति पश्चात् संविदा नियुक्ति शासकीय सेवक के रूप में जितनी अवधि तक से गई उस अवधि के लिये किसी भी प्रकार के पेंशन, उपादान या मृत्यु लाभ आदि की पात्रता नहीं होगी.

(9) संविदा नियुक्ति अधिकारी का गोपनीय प्रतिवेदन लिखा जाएगा ताकि यदि आगामी समय हेतु पुनः संविदा नियुक्ति दी जानी हो तो इसके आधार पर कार्य का मूल्यांकन हो सके.

(10) संविदा पर नियुक्त सेवानिवृत्त व्यक्ति सेवानिवृत्ति के समय यदि शासकीय आवास में रह रहा हो तो उसे शासकीय आ की पात्रता बनी रहेगी तथा उससे छत्तीसगढ़ मूलभूत नियम के नियम 45-क के अनुसार लाइसेंस शुल्क की वसूली जावेगी. उसे शासकीय सेवकों के समान चिकित्सा प्रतिपूर्ति की भी पात्रता होगी.

3. इनकी संविदा नियुक्ति के लिये वित्त विभाग के जावक क्र. 470/सी.एन. 00004175/बजट-5/वित्त/चार/2012 दिनांक 02-06-2012 द्वारा सहमति प्रदान की गई है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
मुकुन्द गजभिये, अवर सचिव.

वन विभाग

मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 30 जून 2012

क्रमांक एफ 5-20/2007/10-2.—राज्य शासन एतद्द्वारा वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के तहत व्यपवर्तन प्रस्तावों में आवेदित स्थल हेतु जियोरिफेरेन्स डिजिटल डाटा एवं नक्शा प्रस्तुत करने हेतु वन मंडलाधिकारी, वन प्रबंधन सूचना प्रणाली वनमंडल, रायपुर को प्राधिकृत किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
एम. टी. नंदी, विशेष सचिव.

रायपुर, दिनांक 30 जून 2012

क्रमांक एफ 5-20/2007/10-2.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में वन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 5-20/2007/10-2, दिनांक 30-06-2012 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
एम. टी. नंदी, विशेष सचिव.

Raipur, the 30th June 2012

No. F 5-20/2007/10-2.— The State Government hereby authorizes Divisional Forest Officer-Forest Management and Information System (FMIS) Division, Raipur to provide Georeferenced Digital Data and Maps for applications of forest land diversion cases being processed under the Forest Conservation Act, 1980.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
M. T. NANDI, Special Secretary.

उच्च शिक्षा विभाग

मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 22 जून 2012

क्रमांक 2368 एफ 3-4/2012/38-2.—आई.टी.एम. यूनिवर्सिटी, ग्राम-उपरवारा, तहसील-अभनपुर, जिला-रायपुर, के प्रथम अध्यादेश क्रमांक 01 से 56 का छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम 2005 की धारा 26 (5) एवं धारा 28 (4) के तहत् छ.ग. निजी विनियामक आयोग द्वारा अनुमोदन किया गया है. जिसकी एतद्द्वारा अधिसूचना दिनांक 22-06-2012 को जारी की जा रही है.

2. उपरोक्त अध्यादेश राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावशील होंगे.

No. 2368 F 3-4/2012/38-2.—The First Ordinances No. 01 to 56 of the ITM University, Village-Uparwara, Tahsil-Abhanpur, Distt. Raipur, the under section 26 (5) and Section 28 (4) of Chhattisgarh Private Universities (Establishment & Operations) Act, 2005 by the Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission, Raipur is being hereby notified on 22-06-2012.

2. The above Ordinances shall come into force from the date of its publication in the official Gazette.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
एस. के. चौधरी, उप-सचिव.

ORDINANCE 1

Admission of Students to the University and their Enrollment

Admission and Enrollment of students in the ITM University shall be regulated in the manner hereinafter provided.

Definitions

(a) "Qualifying examination" means an examination the passing of which makes students eligible for admission to a particular course of study leading to a Bachelors, Masters, M. Phil, Doctorate or Diplomas or Certificate conferrable by the University.

(b) "Compartment" mean; a result in which a student has been declared 'failed' in ONE subject by the concerned examining body i.e. a recognized Board of Secondary Education e.g. CBSE, ISC, State Board of Secondary Education etc. Such a student may be declared Pass if he/ she secures required percentage of marks in the examination held subsequently by the same examining body and declared pass.

(c) "Equivalent examination" means an equivalent examination conducted by

(i) Any recognized Board of Secondary Education or

(ii) Any Indian or Foreign University or organization recognized by the concerned statutory authority.

(iii) Any Indian University incorporated by any law in force for the time being and recognized by the University as equivalent to its corresponding examination.

(d) "Gap period" means the period between the last dates attended at an educational institution (excluding coaching Institutes) as a regular student and the date of taking admission in the University.

1. Eligibility for Admission

1.1 Unless otherwise provided, no person shall be eligible for admission to the under-graduate Courses in the University unless he/she has passed the Senior School Certificate Examination of an Indian University or Board or an Examination recognized and considered equivalent to either of these Examinations by the Academic Council of the University, from time to time.

1.2 There is no age restriction for admission to any of the courses of the University, provided that the candidate has valid qualifications for entry into the particular course.

1.3 No person shall be admitted to any post-graduate course, unless he/she has passed a UG degree examination of a recognized University or an examination recognized as equivalent to a degree by the Academic Council from time to time and possesses such further qualifications as may be prescribed by the Ordinances.

1.4 Provided that no person shall be eligible for admission to any post-graduate Course of the University unless he/she has passed a three-year degree course after Senior School Certificate (10+2) Course.

1.5 The candidates seeking admission to a course of study in the ITM University must fulfill the conditions prescribed for it by the Academic Council and published in the prospectus from time to time.

1.6 The maximum number of Seats in each course shall be determined by the Academic Council from time to time abiding by the availability of adequate physical facilities and approval from the various statutory bodies viz. AICTE, NCTE, BCI, MCI etc., wherever necessary.

1.7 The Qualifying Examination for Admission to any course means Examination passed from any recognized University or any Central / State Examination Board or equivalent body recognized by the statutory bodies of the government.

2. Provision for Admission

2.1 No candidate shall be entitled to claim admission as a matter of right.

2.2 The procedure of admission shall be approved by the Academic Council from time to time and shall be published in the prospectus.

2.3 Save otherwise provided all the admissions to under-graduate and post-graduate courses shall be made on the basis of merit and/or, entrance test by an Admission Committee constituted for the said purpose in each category prescribed by the Academic Council from time to time or by the government bodies for admission to some particular courses viz. BE, B. Ed. etc.

2.4 Admission shall be offered at the beginning of each semester or as prescribed by the Academic Council from time to time.

2.5 The application for admission shall among others be accompanied by (i) the school or College Leaving Certificate signed by the Head of the Institution last attended by the student as a regular student. (ii) Duly attested photocopies of

the statement of marks accompanied by the original copies which shall be returned after the verification, showing that the applicant has passed the qualifying examination and in case of a student who passed the examination as a private candidate, a certificate signed by two responsible persons certifying to the good character of the applicant. If the applicant for admission, as aforesaid, has passed the qualifying examination from Board other than the Chhattisgarh Board of Secondary Education, or a University other than this University, then he/she shall submit in addition to the school or college Leaving certificate an eligibility or a Migration Certificate from the Secretary or Registrar of such board or University, as the case may be, together with migration fee of Rs. 500/- or as decided by the University from time to time. If any of these are found to be forged, tampered or false, the student's admission will automatically stand canceled and necessary legal action may be initiated.

2.6 The mode of sending application for admission of students can be direct/through counseling/through Guidance center/through post/through University Website. Any student from India or abroad seeking admission in the University can interact online with the University.

2.7 The Admission Committee will process the applications and selected candidates shall be awarded provisional admission.

2.8 A student with 'compartment' result may be granted 'provisional' admission to any course if the courses of study to which he / she would have otherwise normally been admitted if he/she shall have secured clear pass grades. Confirmation of such admission shall subject to passing of that qualifying Examination before the first Examination that the student requires to take, conducted by ITM University.

2.9 At the time of admission, every student and his/her parent or legal guardian shall be required to sign a declaration to the effect that the student submits himself/herself to the disciplinary & pecuniary jurisdiction of the Vice- Chancellor and other authorities of the University.

2.10 A student who has passed a part of any degree or diploma from another recognized University/recognized awarding body shall be admitted to subsequent higher class for such examination after its equivalence has been determined by the Academic Council.

2.11 The admission of the students shall be completed within a month of commencement of each semester every year or the date decided by the Academic Council.

2.12 Provided that where the dates specified or the dates decided by the Academic Council as the last date of admission happens to be a holiday, the next working day shall be the last day of admission.

2.13 Provided further that the Vice-Chancellor shall have the powers to grant admission in case of genuine hardship beyond the last date of admission as given above on the clear understanding that the attendance of all such students shall be counted from the date of commencement of the course.

2.14 Validity of the Registration will be for the following period

(i)	Certificate/ One year diploma / P. G. Diploma Programs	- 3 Years
(ii)	Three Years' Bachelor Program	- 7 Years
(iii)	Master's Degree and two years programs	- 5 Years
(iv)	4 Years' Bachelors' Program	- 8 Years
(v)	1 & ½ Years' M. Phil & other courses	- 3 Years

2.15 Admission of a student to any course shall subject to the availability of vacant seat in that particular course in which admission is sought.

3. Restrictions for Admission on Certain Grounds

3.1 No student shall be admitted in two regular courses simultaneously.

3.2 Unless otherwise provided, a student may join part-time or distance education course provided he/she fulfills the eligibility requirements as per procedure laid down for the purpose.

3.3 No student shall be admitted to a professional course after passing the same professional course of the University. However he/she may be admitted to a higher course of the same faculty or for an additional diploma/degree in a different field at the same level provided he/she fulfills the eligibility requirements.

3.4 The list of professional courses is provided in the Ordinance No.2 Provided that any addition or deletion in the list of Professional Courses shall be decided by the Academic Council from time to time.

3.5 Anyone who has been suspended, rusticated, debarred, expelled etc. by a competent authority of the ITM University shall be prohibited from claiming admission in any course whatsoever.

3.6 Admission to any course of the ITM University can be cancelled at any time, if any information furnished by the candidate is found to be false/ incorrect.

3.7 A candidate who has taken incorrect admission to any course as a full time regular student will forfeit his/her right as an ex-student in the University and will not be allowed to appear at any Examination of the ITM University as an ex-student.

3.8 A person who is under sentence of rustication or has been disqualified from appearing in an examination by any other University / Institution shall not be admitted to any course of study in this University during the period of rustication or disqualification.

3.9 No Student enrolled in the University shall be admitted to any Subsequent higher class in any institution unless he / she has passed the examination qualifying him/ her to appear for the examination for which he / she will be preparing.

3.10 No student migrating from any other university shall be admitted to any class in an institution unless he / she has passed the examination which has been declared by the university as equivalent to the qualifying examination for a Student Of the university.

3.11 Without prejudice to the provision contained in the sub clause 2.5 above, no student migrating from any other university shall be admitted to any class in an institution without the prior permission of the Registrar wherever by any general or special direction such as permission is necessary.

3.12 An application for admission to a course leading to a Bachelor's Degree / Honors course shall not be so accepted unless the applicant is prepared to appear in all the subjects prescribed for the particular Degree Examination.

3.13 No student who has passed a part of a Degree or Post Graduate Examination from any other University shall be admitted to subsequent higher class for such an Examination in any institution without the approval of the Vice Chancellor or competent authority.

3.14 Candidates coming on transfer from other Universities because of the transfer of their parents / guardians or any other genuine hardship will be given admission beyond the last date of admission.

3.15 A student seeking admission to an institution after the commencement of the session shall be required to pay tuition and other fees for full session commencing from July / January of the year.

3.16 A student shall not be admitted as a regular student to the same class or semester in which he/she has been declared fail earlier either by ITM or any other university.

4. Enrollment of Students

4.1 Head of Center / Faculty / Department / Institute shall submit the details of admitted students in a prescribed form- within 45 days from the last date of admission, along with all the relevant original documents and enrollment fee as specified by the Academic Council from time to time to the Registrar.

4.2 The Transfer and Migration Certificates submitted by students at the time of admission become the property of the ITM University.

4.3 Enrolled students will be issued new Transfer Certificate and Migration Certificate under the seal of ITM University at the time of leaving the university.

4.4 No person shall be admitted to any Examination of the ITM University unless he/she has been duly enrolled as a student of the University.

4.5 If a student takes a Migration Certificate to join another University, his/her enrollment to the University shall lapse until such time as he/she may subsequently return with a Migration Certificate from that University to take some other Examination of ITM University. Fresh Enrollment and Enrollment Fee in such cases shall be necessary.

4.6 The Registrar shall maintain a Register of all enrolled students studying in the various Faculties or Institutions or carrying out research work in the ITM University.

4.7 In the said register in 4.6 above the Registrar shall be required to incorporate all the material detail regarding the student including the date of birth, date of admission and leaving the institution and details about various examinations of degree/ diploma/ certificate awarded to him/her.

4.8 The student shall be informed on enrollment, the enrolled number under which his/her name has been entered in the Enrollment Register of Registrar and that number be quoted by the student in all communications with the University and in subsequent applications for admission to an examination of the ITM University.

4.9 All applications for admissions to the University Examinations shall be scrutinized with reference to the Enrollment Register. The Controller of Examinations may refuse the application of a candidate about whom complete particulars have not been furnished and require him/her to submit a complete statement of the particulars and documents together within the prescribed time limit.

4.10 Any enrolled student may obtain a certified copy of the entries relating to him/her in the Enrollment Register on payment of the prescribed fee.

4.11 A student shall be enrolled as a member of an institution as soon as he / she is admitted by the Admission Committee / Head of the Institution and has paid the prescribed fees.

5. Change of Name

5.1 A student applying for the change of his/her name in the Register of enrollment department shall submit his/her application to the Registrar through the Head of the Institute of the Faculty concerned or the Head of the center, accompanied by

(i) The prescribed fee;

(ii) An Affidavit relating to his/her present and proposed name, duly sworn in the presence of a Magistrate by his/her parent or guardian, in case he/she is minor, or by himself/herself, in case he/she is major;

(iii) A publication from a newspaper in which the proposed change of name has been advertised. However the provision relating to publication shall not be applicable in case where a woman candidate wants to change her name following her marriage.

The Registrar on considering such applications and taking decisions thereon shall report to the Academic Council.

6. Change of Subject(s)

6.1 A student shall not ordinarily be allowed to change the optional/subsidiary/ specialization subject(s) of a course, unless the same is applied for and permitted within four weeks from the date of admission. Such applications should he submitted to the Head of the Institute of the Faculty with the consent of the Head(s) of the Department(s) concerned.

7. Consideration for admissions to students belonging to schedule cast, schedule tribes, handicapped and girl categories.

7.1 A Student belonging to schedule cast / schedule tribes / handicapped / girls category shall be admitted every year on the terms, conditions and provisions prescribed by the state government from time to time.

Note: In case of any ambiguity regarding revisions relating to admission in various courses, the decision taken by the Vice-Chancellor shall be final.

8. Admission Committee

8.1 There shall be an Admission Committee headed by the Director General for M. Phil., Post graduate, Graduate, Diploma and Certificate Courses in each Faculty/Institution for regulating the admissions in the ITM University

8.2. The Committee shall:

(i) Scrutinize the Application Forms for admission of the candidate; in accordance with the conditions of admission prescribed by the Academic Council from time to time:

(ii) Conduct the Admission Test(s) and/or Interview; or as otherwise provided.

(iii) After the evaluation of the Admission test(s); call from each category candidates three times the number of seats available for admission to the course concerned: provided that only those candidates shall be called for Interview, who have obtained at least 30% marks in the admission Test(s);

(iv) Prepare the merit list based on the marks obtained by the candidates in the Admission Test and/or Interview;

(vi) Prepare a list of the candidates, selected for provisional admission by the Chairperson of the Committee or the Head of the Institute of the Faculty concerned:

(vii) Be duty bound to regulate admissions as in accordance with the principles-laid down for the said purpose by the Academic Council from time to time.

(viii) Suggest methods to improve reliability and standard of the admission/entrance test(s).

8.3 The members of the Committee other than ex - officio members shall hold the office for the term of one academic year

8.4 The Admissions Committee shall be appointed by the Vice- Chancellor according to the requirement from time to time.

8.5 The Admission Coordinator may co-opt not more than three members of the Department/Center/Institute representing different areas of specialization under intimation to the Vice-Chancellor.

8.6 Not less than three-fourth of total number of members of the Committee shall form the quorum.

9. Admission of International Students

9.1 **Introduction:** These rules are framed to formulate the procedure to be followed for the Eligibility and admission of International students to various courses of ITM University.

9. 2 **Office**: There will be an International Students' Cell set up to deal with admission and guidance of international students. This cell will not only control the admission of the students but will also provide necessary guidance and counseling for securing admission.
All letters regarding the international students should be addressed to the International Students' Adviser of the Institution.

9.3. **International Students**: Under these Guidelines, 'International Students' will include the following:

i. Foreign students: Students holding passports issued by foreign countries including people of Indian origin who have acquired the nationality of foreign countries shall be included as foreign students.

ii. Non Resident Indians (NRI): Only those Non Resident Indian students who have studied and passed the qualifying examinations from schools or colleges in foreign countries will be included as international students. This will include the Students studying in the schools or colleges situated in foreign countries even if affiliated to the Boards of Secondary Education or Universities located in India,

but will not include students stuaying in these schools or colleges (situated in India) and affiliated to the Boards of Secondary Education or Universities of the foreign countries. Student passing the qualifying examinations from boards or universities located in foreign countries as external students and dependents of NRI studying in India will not he included as international students.

Entry level status of International students on entry to the country will be maintained.

9.4. **Documents required for admission of International Students:**

i. **Visa:** All the international students will require a student visa endorsed to this Institution for joining full time courses. No other endorsement is acceptable. Students wishing to join a research program will require a research visa endorsed to this Institution. The visa should be valid for the prescribed duration of the course. A visa is not required for NRI students. Students who are doing full time courses, in some other institutions, do not require a separate visa for joining part time courses provided that their current visa is valid for the entire duration of the course.

ii. **No Objection Certificate:** All international students wishing to undertake any research work or join a PhD. or M. Phil. Programs will have to obtain prior Security clearance from the Ministry of Home or External Affairs and the approval of Department of Secondary & Higher Education, Ministry of Human Resource Development Government of India and this must be on the research visa endorsed to this Institution.

9.5 **Eligibility Qualifications:** The qualifications required for eligibility for admission to different courses can be checked in detail from the prospectus. Only those students who have qualified from foreign Universities or Boards of Higher Education recognized as equivalent by the Association of Indian Universities (AIU) are eligible, for admission. When required a reference will be made to AIU to check the equivalence.

9.6. **Admission of International Students:** Admission of the international students will be done through the international students' cell of the University. The students will generally be admitted in the beginning of the course. However students can also be admitted as transfer cases in the middle of the course from other institutes if the candidate is eligible.

The admission of international students is done in two stages. First a student to join the institute gets the application form and the information on the eligibility requirements, courses available and admission procedure from the prospectus or the website of the Institution. The application for provisional admission is then submitted to the International Student's Cell along with the prescribed fees. The Cell will then check the eligibility and issue the provisional admission letter. This is required to get the visa and to complete other formalities.

After getting provisional admission, the student should get student visa and complete all other formalities. The student should then report for final admission in the institute where he/she wants to join the course. The next step is to fill up the admission form from the concerned institute and pay the required fees. After this, the student should undergo the medical examination. The students may have to appear for the English proficiency test conducted by the ITM University or some other agency authorized/recognized by the University. Once this is done, the final admission is given.

The international students will have to pay the fees in US dollars. In special cases, permission will be given for payment of fees in the equivalent Indian Rupees. Following fees are normally payable to secure provisional admission. Form Fees (included in the cost of bulletin, if purchased); Eligibility Fee and Administrative Fee (could be different for direct admissions and for transfer cases).

9.7. **Remedial Course in English:** In addition, the students will have to pay the tuition and other fees as prescribed by the institutions. Students who are required to take the proficiency test in English or undergo the foundation course will have to pay the prescribed fees as applicable. This will have to be paid when the students are finally admitted. The fee differs from Course to course from time to time.

In case, the student does not get/ take the admission to the course after obtaining Provisional admission then the administrative fees will be refunded deducting the bank Commission and postage as applicable.

An international student who has been granted admission to any of the courses after passing the qualifying examination from a statutory Board or University outside India may have to appear at the Proficiency Test in English conducted by the Institution or any other organization. International student who have passed the qualifying examination in the English medium are exempted from this test.

An international student, who either fails in the Proficiency Test in English or fails to appear at this test, shall be required to join the Remedial English Course for International Students (RECIS) or the foundation course conducted by the institute.

The students will continue the course and they will have to successfully complete the RECIS or foundation course, at the earliest.

ELTIS has especially been designed an English Language Course to cater to the needs of students who want to improve their proficiency in the English language. This course can be done simultaneously with the other regular courses or independently.

9.8. **Transfers & Change of Course:** An international student who has been granted admission to a particular course shall not be allowed to change the course. Transfer from one institution in India to another is also not allowed, ordinarily. In exceptional cases, the International Students' Cell may permit this - based on the availability of the course, eligibility rules and permission of the Competent Authority of the Institution.

9.9. **Government of India Scholars:** International students who are awarded scholarships by the ICCR New Delhi shall be given preferential treatment while granting admission and for hostel accommodation. Sponsored candidates from different foreign governments for training, studies and research are also given preference for the same.

9.10 **Discipline:** The international students will abide by the rules of Institution and the code of conduct as applicable to Indian students doing same courses.

9.11. **Examination and Award of Degree, Diplomas & Certificates:** The procedure of examination, payment of examination fees, issue of mark list, issue of passing certificate and award of degree will be same as for the Indian Students doing the same courses. For completing the graduation a candidate is required to pass the paper of Environmental Studies once in the duration of degree course. The marks of Environmental Studies will not affect the division in any case.

9.12. **Conclusion:** The above rules will be applicable for admissions done after the issue of these rules. In Case, there are any differences on the interpretation of rules then the opinion of the International Students' Cell will be final. The fees are liable to revision and students will have to pay the revised fees when applicable. On the points not specifically covered, the decision of the institution authorities will be final. For any kind of dispute, the matter will be settled only in the Court of Law of Raipur (C.G.).

10. **Medium of Instruction:** The medium of Instruction in ITM University shall be English, except for the subjects related to the specific languages.

ORDINANCE 02

Details of Courses of Studies

ITM University will offer the following courses of studies for the different Degrees. Diplomas and Certificates under various faculties

2.1. **Faculty of Science** : Ph.D., M.Phil, M.Sc., B.Sc., and B.Sc, (Hons) B.Lib, M.Lib.I Sc. (as applied) Physics, Chemistry, Mathematics, Geology, Statistics (For PG) Criminology, Forensic .Science Electronics and Library Science Computer Science Fashion Design and Technology **and all related disciplines of science.**

2.2. **Faculty of Life Science** : Ph.D., M.Phil., M.Sc., B.Sc. B.Sc (Hons) Botany, Zoology, Biotechnology, Bioscience, Microbiology, Bioinformatics, Biochemistry, Anthropology, Food Science and Technology, Genetic Engineering, E. Science, Medical Biotechnology **and all related disciplines of life science.**

2.3. **Faculty of Engineering** : Ph.D., ME/M.Tech, BE/ B.Tech : Computer Science, Electronic and Telecommunication, Information Technology Mechanical Engineering, Chemical Engg., Electrical and electronic engg., Electrical Engg., Applied – Geolgy, Physics, Chemistry, and Mathematics, Civil Engg., Mining engg., Biotechnology, Biomedical engg., Aeronautical Engg., Aerospace engg. Petroleum engg., Mechantronics **and all other disciplines of engg.**

Diploma in Engg. CSE, E&Tc, IT, ME.CE, EEE.

2.4. **Faculty of Information Technology** : Ph.D., M.Phil, (CS, IT) MCA, M..Sc. (IT) B.Sc. (CS. IT), PGDCA, PGDCM : Computer application, Soft ware Engg. Computer science, Information Technology, Hardware & Networking, Internet and Mobile Technology.

2.5. **Faculty of Management** : Ph.D, MBA. BBA, MBA (5 Yr integrated) PGDRM, PGDBM, Advanced PGDBM, BBM & DBA **in various disciplines of management**.

2.6. **Faculty of Law** : LLM, LLB (3yrs) LLB 5 Yrs integrated with multiple disciplines Viz- BBA, B,Com, BA, Bsc. Etc) PGDIPR, PGD with **various branches of Law**.

2.7. **Faculty of Education** : Ph.D., MA (Education M.Ed., .M.P.Ed., B.Ed., M.P.Ed., D.P.Ed., in the disciplines of education and Physical Education.

2.8. **Faculty of Arts and Humanities** : Ph.D., M.Phil, M.A. B.A. B.A. (hons), and Diploma in various languages. : Political Science, Public Administration, Defense studies, Hindi, English Sanskrit Philosophy, Psychology, Linguistic, History, Economics, Sociology, Social work, Geography, Home science, Anthropology **and other disciplines of Arts, Humanities and Social Sciences.**

2.9. **Faculty of Commerce** : Ph.D., M.Phil. M.Com., B.Com., B.Com (CS). **in various branches related to commerce.**

2.10. **Faculty of Pharmacy** : Ph.D., M.Phil. M.Pharma, B.Pharma **in all disciplines of Pharmaceutical science.**

2.11 **Faculty of Dual Studies**: B.Tech, M.Tech, BBA (Dual), MBA(Dual) etc

Additional Courses can be added in the above faculties as per decision of the Board of studies and Academic council as per UGC norms.

ORDINANCE 3

Bachelor of Science (B. Sc.)

3.1 Introduction:

India has emerged as a source of intellectuals in the field of Biotechnology and it has already proved its potential in information Technology. While taking steps towards the 21st Century economy i.e. Knowledge Economy, its essential to take measures for enriching our knowledge tank continuously and systematically.

Science is to serve the society and technology enables it to take steps forward. In the present context, Biological Sciences has proved itself as a potent entity to present solutions to the problems arising in the Human society round the globe. From fighting with hunger to anti-bio warfare strategies, space biology, disease resistance and Bioelectronics, Studying Biotechnology has become not only relevant but promising also.

The curriculum, exposure to the latest tools and techniques and a strong industry interface provide the students an opportunity to attain greater levels of expertise in the field of Biotechnology and other branches of Science.

3.2 Title: Bachelor of Science in various Fields

3.3 Faculty: Faculty of Science

3.4 Duration: Three years (or six semesters)

3.5 Eligibility: 10+2 in any discipline with relevant subject as one of the core subjects in class XII with minimum 45 % Marks. In case the seats remain vacant then the Minimum required percentage may be lowered by 5% with permission from the Vice Chancellor.

3.6 Seats: The basic unit will be of 60 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.

3.7 Admission Procedure: As specified in Ordinance No. 1

3.8 Academic Year: There will be two academic cycles one from July to June and second from January to December.

3.9 **Selection Procedure**: The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V. and Radio before the start of every academic cycle.

The list of candidates selected will be displayed on the Website, on the notice board and the students will be informed directly about their admission.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/Degree Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:

1. The fee is not paid by the due date.
2. The application form is not signed by the candidate and his/her parents/ guardians.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the university after verification & submission of all the necessary documents and fees.

3.10 **Fees**: The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

3.11 **Course Structure and Examination Scheme**: There shall be two groups viz:

(1) Mathematics group with Chemistry, Physics, Mathematics, Computer Science, Information Technology Detail Course Structure and other related disciplines of science.

(2) Biology group with Chemistry, Botany, Zoology, Geology, Defense Study, Microbiology, Biotechnology and other related disciplines of Life Sciences. The candidate has to opt for one group with a combination of three core subjects along with two languages i.e. Hindi & English.

Detailed Curse Structure and Examination scheme of various specializations shall be produced at the time

of commencement of a course after approval from the Board of Studies/Academic Council/Governing Body.

3.12 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 40% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 45% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

3.13 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

3.14 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

3.15 **General**: In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice Chancellor of the University shall be final. However, on the recommendation of the Academic Council, The Vice Chancellor will be competent to change the system/pattern of Examination.

In case of any dispute, the matter shall be decided under the jurisdiction of the District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 4

Bachelor in Business Administration (BBA)

4.1	**Introduction:**	Business, Trade and Industry are the fields that are relevant even in this info-tech age. With the advent of emerging technologies in information, communication and entertainment, business as such has assumed new proportions and dimensions. In this age, the speed and accuracy of the information and decision-making with a flexible and people oriented approach will determine the successful and unsuccessful organizations. The three-year undergraduate program covers a spectrum of subjects and equips the students with the necessary and contemporary knowledge and skills. The program goes beyond the realms of commerce, trade and industry and includes computer applications in business. The program aims at equipping the students to face the current age and emerging scenario in business through innovative teaching pedagogy and modern teaching aids.
4.2	**Title:**	Bachelor in Business Administration (BBA)
4.3	**Faculty:**	Faculty of Management
4.4	**Duration:**	Three years (or six semesters)
4.5	**Eligibility:**	10+2 in any discipline with minimum 45% marks In case the seats remain vacant then the Minimum required percentage may be lowered by 5% with permission from the Vice Chancellor
4.6	**Seats:**	The basic unit will be that of 60 seats. Multiple of this unit can also be set up.
4.7	**Admission Procedure:**	As Specified in the Ordinance No. 1
4.8	**Academic Year:**	There would be academic cycle one from July to June and second from January to December.
4.9	**Selection Procedure:**	The University will issue admission notification in newspapers, on the notice board of the university and in other publicity media like TV and Radio before the start of every cycle. The list of candidates selected for admission will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The center will also display the university's selected list. The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheets or Degree certificates, as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date

failing which the provisional admission granted will be canceled.

The admission May be rejected due to following reason:

1. The fees are not enclosed.
2. The application form is not signed by candidate and his or her parent guardian, wherever required.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents or fees.

4.10 **Fees**: The Course fees shall be as decided by the Board of Management from time to time.

4.11 **Course Structure and Examination Scheme**: Detail Course Structure and Examination scheme of various specializations shall shall be produced at the time of commence ment of a course after approval from the Board of Studies/ Academic Council/Governing Body.

4.12 **Eligibility to Pass:** A student requires to obtain 40% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 45% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

4.13 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

4.14 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

4.15 **General :** In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final, However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 5
Bachelor of Science
Fashion Design and Technology (B. Sc. FDT)

5.1 **Introduction:** Indian Fashion Industry has been exposed to the world's finest design expertise, technologies with the liberalization of economy. The course is formulated to train students to excel in the core garment manufacturing technology. The program imparts training in areas of design, management, technology, apparel manufacturing. The applications of computers in the field are also made-aware of to the students. The students are exposed to many practical areas where today India is playing a dominating role in fashion industry.

They are not only given a technical guidance about the fashion industry and the concepts of fashion technology but also are given opportunity to excel in related areas like export management and merchandising which makes students competitive in this changing environment and given them an opportunity to re-skill themselves in the future.

5.2 **Title:** Bachelor of Science - Fashion Design and Technology (B. Sc. FDT)

5.3 **Faculty:** Faculty of Science

5.4 **Duration:** Three Years (or six semesters)

5.5 **Eligibility:** 10+2 in any discipline

5.6 **Seats:** The basic unit will be of 60 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.

5.7 **Admission Procedure:** As specified in Ordinance 1.

5.8 **Academic year:** There will be two academic cycles one from July to June and second from January to December.

5.9 **Selection Procedure:** The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V. and Radio before the start of every academic cycle.

The list of candidates selected will be displayed on the Website, on the notice board and the students will be informed directly about their admission.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/Degree

Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be canceled.

The Fee is not paid by the due date

The application form is not signed by the candidate and his/her parents/guardians.

The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the university after verification & submission of all the necessary documents and fees.

5.10 **Fees:** The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

5.11 **Course Structure and Examination Scheme:** Detail Course Structure and Examination scheme of various specializations shall be produced at the time of commencement of a course after approval from the Board of Studies/Academic Council/Governing Body.

5.12 **Eligibility to Pass:** A student requires to obtain 40% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 45% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

5.13 **Evaluation and Examination:** Refer to Ordinance 51(8)

5.14 **Eligibility Criteria for ATKT:** Refer to Ordinance 51(10)

5.15 **General:** In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice Chancellor of the University shall be final. However, on the recommendation of the Academic Council the Vice Chancellor will be competent to change the system/pattern of Examination.

In case of any dispute, the matter shall be decided under the jurisdiction of District Court, Raipur.

ORDINANCE 6
BACHELOR OF COMPUTER APPLICATION (BCA)

6.1 Introduction : Information Technology today is recognized as a frontier area of knowledge and also a critical enabling tool for assimilating, processing and productivizing all other spheres of knowledge. It is also recognized the world over that information technology is going to change every facet of human existence and will usher in knowledge based society. It is estimated that in India in the current plan period there will be demand of over 45 lakh computer professionals and with the availability of present educational facilities, the short fall can be in the range of over 25 lakhs. Therefore there is a need to take up IT education programs in a big way.

There are three basis skill levels for an IT professional. The first level is that of an operator, the second is of a programming assistant or a programmer and the third is of a system analyst or a manager. There are new skills required in the changing IT scenario in the world which include web designing, handling of internet based information and programming for the networked environment. The additional skills also include hardware maintenance, networking and marketing.

This course will provide basis and in depth knowledge to the students desirous of taking computer as their profession. Such students are in good demand in the field, both in the organized and unorganized sector, industry and educational institutions.

6.2 Title : Bachelor of Computer Application (BCA)

6.3 Faculty : Faculty of Information Technology

6.4 Duration : Three Years (or six semesters)

6.5 Eligibility : 10+2 in any discipline with Mathematics as one of the core subjects in class XII. A Candidate not having Mathematics as Core Subject in Class XII will have to pass a special Paper of Mathematics in the course of six Semesters in three attempts, failing which the candidate will not be eligible to get the Degree of BCA.

6.6 Lateral Entry : Lateral entry to BCA II year or third semester shall be given to the students having qualification DCA (after 10+2) or DOEACC "O" level examination or any other examination considered equivalent by the university.

6.7 **Seats** : The basic unit will be of 60 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.

6.8 **Admission Procedure**: As Specified in the Ordinance no. 1.

6.9 **Academic Year** : There will be two academic cycle one from July to June and second from January to December.

6.10 **Selection Procedure**: The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V. and Radio before the start of every academic cycle.

The list of candidates selected will be displayed on the Website, on the notice board and the students will be informed directly about their admission.

The candidates selected will be displayed on the Website, on notice board and the students will be informed directly about their admission.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must the Mark sheet/Degree Certificate as pa proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:

i. The Fee is not paid by the due date.
ii. The application form is not signed by the candidate and his/her parents/guardians.
iii. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the university after verification and submission of all the necessary document and fees.

6.11 **Fees** : The Course fees shall be as decided by the Board of Management from time to time.

6.12 **Course Structure and Examination Scheme**: Detail Course Structure and Examination scheme of various specializations shall be produced at the time of commencement of a course after approval from the Board of Studies/Academic Council/Governing Body.

6.13 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 40% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 45% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

6.14 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

6.15 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

6.16 **General** : In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice Chancellor of the University shall be final. However, on the recommendation of the Academic Council the Vice Chancellor will be competent to change the system/pattern of Examination.

In case of any dispute, the matter shall be decided under the jurisdiction of the District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 7

BACHELOR OF COMMERCE WITH COMPUTER APPLICATION (B. COM CA)

7.1 **Introduction** : Under this course regular subject will be offered to the students at under graduate level in commerce stream. B. Com degree is a very popular course among the students, wanting to go Business or Industries and as such course would provide necessary foundation. The students will also be provided the basic knowledge of computer which is ought to be known to a Commerce graduate to further his opportunities in his career.

7.2 **Title** : Bachelor of Commerce with Computer Application (B.Com CA)

7.3 **Faculty** : Faculty of Commerce

7.4 **Duration** : Three years (or Six Semesters)

7.5 **Eligibility** : 10+2 in any discipline

7.6 **Seats** : The basic unit will be that of 60 seats. Multiple of this unit can also be set up.

7.7 **Admission Procedure**: As Specified in the Ordinance no. 1.

7.8 **Academic year** : There would be two academic cycle one from July to June and second from January to December.

7.9. **Selection Procedure**: The University will issue admission notification in newspapers, on the notice board of the university and in other publicity media before the start of every cycle.

The list of candidates selected for admission will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The center will also display the university's selected list.

The candidates whose results are awaited can also apply such candidates however must produce the Mark sheets or Degree certificates, as a proof of required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be canceled.

The admission May he rejected due to following reasons:

1. The fees are not enclosed.
2. The application form is not signed by candidate and his or her parent guardian, wherever required.

3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents or fees.

7.10. **Fees:** The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

7.11. **Course structure and Examination Scheme**: Detail Course Structure and Examination scheme of various specializations shall be produced at the time of commencement of a course after approval from the Board of Studies/Academic Council/Governing Body.

7.12 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 40% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 45% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

7.13 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

7.14 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

7.15: **General:** In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice- Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The courses content is subject to change from time to time. In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur.

ORDINANCE 8

Bachelor of Engineering (B.E.)

8.1 **Introduction:** The First degree in Engineering of four-year (eight semester) course, hereinafter called, 4-YDC, shall be designated as BACHELOR OF ENGINEERING, in respective Branch.

8.2 **Title:** Bachelor of Engineering (B.E.)

8.3 **Faculty:** Faculty of Engineering and Technology

8.4 **Duration:** Four Years (or eight semesters)

8.5 **Eligibility:**

8.5.1 The minimum qualification for admission to the first year of B.E. shall be the passing of Higher Secondary School Certificate Examination (10+2) scheme with Physics, Chemistry and Mathematics conducted by C.G. Board of Secondary Education or any equivalent examination from a recognized Board or university.

8.5.2 Candidates who have passed the Diploma courses in related branch of Engineering from C.G. Board of Technical Education or equivalent shall also be eligible for admission to third semester of B.E. Courses.

8.5.3 Candidates who have passed Diploma Examination in the first division from M.P. Board of Technical Education in appropriate branch of Engineering shall be eligible for admission to the third Semester/second year of the course.

8.5.4 Non Resident Indian candidates shall also be eligible for admission to B.E. as according to the directives of the government provided they satisfy with the criteria of clause of 5.1 above.

8.6 **Seats:** The basic unit will be of 60 seats in each specialization. Multiple of this unit can also be set up as per the approval by the statutory body.

8.7 **Admission Procedure:** The eligible candidates as specified in clause 19. 5.1 above should secure a place in the merit list prepared by V.P.P. Mandal, Raipur or any other

National/other state bodies recognized for conducting entrance test or the entrance test conducted by the University for Admission to 1st Year of B.E. courses.

8.8 The Course fees shall be as decided by the Board of Management from time to time.

8.9 **Course Structure**: Detail Course Structure and Examination scheme of various specializations shall be produced at the time of commencement of a course after approval from the Board of Studies/Academic Council/ Governing Body.

8.10 The syllabus and curriculum of other courses will be as per the AICTE model/norms and will be followed and provided to the students at the time of admission after getting the same approved by the Board of Studies/Academic Council and Board of Management of the University. Details of the Course structure and Examination Scheme of other branches will be produced at the time of the commencement of the course, after approval from the Board of Studies/Academic Council/Governing Body.

8.11 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 40% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 45% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

8.12 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

8.13 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

8.14 **General**: In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice - Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The subject papers are subject to change from time to time as per the decision of the Academic Council/Governing Body.

In case of any dispute, the matter shall be decided under the jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 9

Bachelor of Technology (B.Tech.)

9.1 **Introduction**: The First degree in Engineering of four-year (eight semester) course, hereinafter called, 4-YDC, shall be designated as Bachelor Of Technology, in respective Branch.

9.2 **Title**: Bachelor of Technology (B.Tech.)

9.3 **Faculty**: Faculty of Engineering and Technology

9.4 **Duration**: Four Years (or eight semesters)

9.5 **Eligibility**:

9.5.1 The minimum qualification for admission to the first year of B. Tech. shall be the passing of Higher Secondary School Certificate Examination (10+2) scheme with Physics, Chemistry and Mathematics conducted by C.G. Board of Secondary Education or any equivalent examination from a recognized Board or University.

9.5.2 Candidates who have passed the Diploma courses in related branch of Engineering from C.G. Board of Technical Education or equivalent shall also be eligible for admission to third semester of B. Tech. Courses.

9.5.3 Candidates who have passed Diploma Examination in the first division from M.P. Board of Technical Education in appropriate branch of Engineering shall be eligible for admission to the third Semester/second year of the course.

9.5.4 Non Resident Indian candidates shall also be eligible for admission to B. Tech. as according to the directives of the government provided they satisfy with the criteria of clause of 5.1 above.

9.6 **Seats**: The basic unit will be of 60 seats in each specialization. Multiple of this unit can also be set up as per the approval by the statutory body.

9.7 **Admission Procedure:** The eligible candidates as specified in clause 19. 5.1 above should secure a place in the merit list prepared by V.P.P. Mandal, Raipur or any other National/other state bodies recognized for conducting entrance test or the entrance test conducted by the University for Admission to 1st Year of B. Tech. courses.

9.8 The Course fees shall be as decided by the Board of Management from time to time.

9.9 **Course Structure:** Detail Course Structure and Examination scheme of various specializations shall be produced at the time of commencement of a course after approval from the Governing Body/ Academic Council/ Board of Studies.

9.10 **Course:** The syllabus and curriculum of other courses will be as per the International model/norms and will be followed and provided to the students at the time of admission. Details of the Course structure and Examination Scheme of different branches will be produced at the time of commencement of the course, after approval from the Board of Studies/ Academic Council / Governing Body.

9.11 **Eligibility to Pass:** A student requires to obtain 40% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 45% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

9.12 **Evaluation and Examination:** Refer to Ordinance 51(8)

9.13 **Eligibility Criteria for ATKT:** Refer to Ordinance 51(10)

9.14 **General:** In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 10
Bachelor of Arts Honors (B.A. Honors)

10.1 **Introduction**: Today's world is becoming smaller with the advancement of Information Technology and the major role being played in it is by two factors first the English Language and seconds the Media. The demand for expertise in these two faculties is on the rise and will go on increasing. The courses aims at producing new media gems who exercise good command over English language and have better understanding of the local, regional, national and international happenings.

10.2 **Title** : Bachelor of Arts Honors (B.A. Hon)

10.3 **Faculty** : Faculty of Arts & Humanities

10.4 **Duration** : Three years or six semesters

10.5 **Eligibility** : 10+2 in any discipline

10.6 **Seats**: The basic unit will be of 60 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.

10.7 **Admission Procedure** : As specified in Ordinance No. 1

10.8 **Academic Year**: There will be two academic cycles one from July to June and second from January to December.

10.9 **Selection Procedure**: The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V. and Radio before the start of every academic cycle.

The list of candidates selected will be displayed on the Website, on the notice board and the student will be informed directly about their admission.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/Degree Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be canceled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:

1. The Fess is not paid by the due date
2. The application form is not signed by the candidate and his/her parents/guardians.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed Registration number will be assigned to the student by the university after verification & submission of all the necessary documents and fee

10.10 **Fees**: The Course fees shall be as decided by the Board of Management from time to time.

10.11 **Course Structure and Examination Scheme**:

Detail Course Structure and Examination scheme of various specializations shall be produced at the time of commencement of a course after approval from the Board of Studies/Academic Council/ Governing Body.

10.12 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 40% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 45% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

10.13 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

10.14 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

10.15 **General**: In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice Chancellor of the University shall be final; however, on the recommendation of the Academic Council the Vice Chancellor will be competent to change the system/pattern of Examination.

In case of any dispute the decision of the Vice Chancellor shall be final. In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 11

Bachelor of Physical Education (B. P. Ed.)

11.1 Introduction: Bachelor of Physical Education is a Post Graduate Program that intends to impart knowledge about teaching and conducting sporting activities in schools and colleges. Pass outs of this course would be expert in all these desired fields and will surely help to fill the vast gap between demand and supply in this area.

11.2 Title: B. P. Ed.

11.3 Faculty: Faculty of Education

11.4 Duration: One year or two semesters

11.5 Eligibility: Graduate in any discipline and must have represented the school or college or University or District or State in any one of the games or athletics (as included in the interuniversity competitions).

11.6 Seats: The basic unit shall be of 100 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management after the approval of the concerned statutory/regulatory body.

11.7 Admission Procedure: As specified in Ordinance No. 1.

11.8 Selection Procedure: The University shall issue Admission notification in Newspapers, on the Notice Boards of the University and in other publicity media like T.V. and Radio before the start of every Academic cycle.

The list of candidates selected shall be displayed on the. Website, on the Notice Board and the students shall be informed directly about their admission.

The Candidates whose results are awaited can also apply.

Such candidates, however, must produce the Marks Sheet/Degree Certificate as a proof of required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:

1. The Fee is not paid by the due date
2. The application form is not signed by the candidate and his/her parents/guardian, if required.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number shall be assigned to the student by the University after verification & submission of all the necessary documents and fee.

11.9 **Fees:** The course fee shall be as decided by the Board of Management from time to time.

11.10 **Course Structure and Examination Scheme:** Detail course structure shall be presented at the time of commencement of the course after approval from the Board of Studies / Academic Council / Governing Body.

11.11 **Eligibility to Pass:** A student requires to obtain 40% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 45% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

11.12 **Evaluation and Examination:** Refer to Ordinance 51(8)

11.13 **Eligibility Criteria for ATKT:** Refer to Ordinance 51(10)

11.14 **General:** In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 12

Bachelor of Education B. Ed

12.1 **Introduction**: Bachelor of Physical Education is a Post Graduate Program that intends to impart knowledge about teaching and conducting other activities in schools. Pass outs of this course would be expert in these desired fields and will surely help to fill the vast gap between demand and supply in this area.

12.2 **Title**: B. Ed.

12.3 **Faculty**: Faculty of Education

12.4 **Duration**: One year

12.5 **Eligibility**: Graduate in any discipline with minimum 50% marks 12.6

12.6 **Seats**: The basic unit shall be of 100 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management after the approval of the concerned statutory/regulatory body.

12.7 **Admission Procedure**: As specified in Ordinance No. 1.

12.8 **Selection Procedure**: The University shall issue Admission notification in Newspapers, on the Notice Boards of the University and in other publicity media like T.V. and Radio before the start of every Academic cycle.

The list of candidates selected shall be displayed on the. Website, on the Notice Board and the students shall be informed directly about their admission.

The Candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates, however, must produce the Marks Sheet/Degree Certificate as a proof of required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:

1. The Fee is not paid by the due date
2. The application form is not signed by the candidate and his/her parents/guardian, if required.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number shall be assigned to the student by the University after verification & submission of all the necessary documents and fee.

12.9 Fees: The course fee shall be as decided by the Board of Management from time to time.

12.10 Course Structure and Examination Scheme: Detail Course structure and Examination Scheme shall be presented at the time of commencement of the course after approval from the Board of Studies/ Academic Council/ Governing Body

12.11 Eligibility to Pass: A student requires to obtain 40% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 45% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

12.12 Evaluation and Examination: Refer to Ordinance 51(8)

12.13 Eligibility Criteria for ATKT: Refer to Ordinance 51(10)

12.14 General: In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 13

Bachelor of Science Honors (B. Sc. Hon.)

13.1 Introduction:

India has emerged as a source of intellectuals in the field of Biotechnology and it has already proved its potential in information Technology. While taking steps towards the 21st Century economy i.e. Knowledge Economy, its essential to take measures for enriching our knowledge tank continuously and systematically.

Science is to serve the society and technology enables it to take steps forward. In the present context, Biological Sciences has proved itself as a potent entity to present solutions to the problems arising in the Human society round the globe. From fighting with hunger to anti-bio warfare strategies, space biology, disease resistance and Bioelectronics, Studying Biotechnology has become not only relevant but promising also.

With the same mission and vision Department of Sciences at ITM UNIVERSITY feels itself determined to impart Biotechnology Education with the standard, which will enable the students attain greater levels of expertise and excellence in the field of Biotechnology.

This course shall provide students with intensive laboratory-based training in research methods in the Biotechnology. It is particularly aimed at students who wish to pursue a career in the field of life sciences and serve the emerging stream of Biotechnology as Entrepreneurs or as skilled technocrats. This course can also act as a strong foundation for pursuing a research career in Biotechnology by providing a strong base of technical know-how and sound theoretical background.

The curriculum, exposure to the latest tools and techniques and a strong industry interface provide

the students an opportunity to attain greater levels of expertise in the field of Biotechnology.

13.2 **Title:** Bachelor of Science (Honors) in various disciplines

13.3 **Faculty:** Faculty of Sciences

13.4 **Duration:** Three years (or six semesters)

13.5 **Eligibility:** 10+2 in any discipline with Science as one of the core subjects in class XII + 50% Marks in core subjects

13.6 **Seats:** The basic unit will be of 60 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.

13.7 **Admission Procedure:** As specified in Ordinance No. 1

13.8 **Academic Year:** There will be two academic cycles one from July to June and second from January to December.

13.9 **Selection Procedure:** The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V. and Radio before the start of every academic cycle.

The list of candidates selected will be displayed on the Website, on the notice board and the students will be informed directly about their admission.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/Degree Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:

1. The fee is not paid by the due date.
2. The application form is not signed by the candidate and his/her parents/ guardians.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the university after verification & submission of all the necessary documents and fees.

13.10 **Fees:** The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

13.11 **Course Structure and Examination Scheme**: Detailed Course Structure and examination scheme of various specializations shall be presented at the time of commencement of the course after approval from the Board of Studies / Academic Council / Governing Body.

13.12 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 40% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 45% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

13.13 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

13.14 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

13.15 **General**: In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 14
Bachelor of Pharmacology (B. Pharm.)

14.1 Introduction:

Pharmacology is Science that deals with drugs or medicines. Oswald Schmiedberg (1838-1921) is known as Father of Modern Pharmacology and Samuel Dale, 1693 wrote the first book of Pharmacology. Drugs are chemical substances used or intended to be used to modify or explore the physiological condition or pathological state for the benefit of the recipient. Drugs may be used for prevention, diagnosis and treatment.

We with the mission and vision Department of Life Sciences at ITM UNIVERSITY feels itself determined to impart Pharmacology Education with the standard, which will enable the students attain greater levels of expertise and excellence in the field of Pharmacology.

This courses i.e. B. Pharmacy provides students with intensive laboratory-based training in research methods in the Pharmacology. It is particularly aimed at students who wish to pursue a career in the field of life sciences and serve the emerging stream of Pharmacology as Entrepreneurs. This course can also act as a strong foundation for pursuing a research career in Pharmacology by providing a strong base of technical know-how and sound theoretical background.

The curriculum, exposure to the latest tools and techniques and a strong industry interface shall provide the students an opportunity to attain greater levels of expertise in the field of Pharmacology.

14.2 Title: Bachelor Pharmacology (B. Pharma.)

14.3 Faculty: Faculty of Life Sciences

14.4 Duration: Three years (or six semesters)

14.5 Eligibility: 10+2 in any discipline with Science as one of the core subjects in class XII + 50% Marks in core subjects

14.6 Seats: The basic unit will be of 60 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.

14.7 Admission Procedure: As specified in Ordinance No. 1

14.8 Academic Year: There will be two academic cycles one from July to June and second from January to December.

14.9 Selection Procedure: The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V. and Radio before the start of every academic cycle.

The list of candidates selected will be displayed on the Website, on the notice board and the students will be informed directly about their admission.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/Degree Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:

1. The fee is not paid by the due date.
2. The application form is not signed by the candidate and his/her parents/ guardians.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the university after verification & submission of all the necessary documents and fees.

14.10 Fees: The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

14.11. Course Structure and Examination Scheme: Detailed Course Structure and examination scheme of various specializations shall be presented at the time of commencement of the course after approval from the Board of Studies/ Academic Council / Governing Body.

14.12 **Eligibility to Pass:** A student requires to obtain 40% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 45% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

14.13 **Evaluation and Examination:** Refer to Ordinance 51(8)

14.14 **Eligibility Criteria for ATKT:** Refer to Ordinance 51(10)

14.15 **General:** In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 15

LLB-Integrated

15.1 **Introduction:** The main aim of this integrated program shall be to produce Law Graduates, the requirement of which is falling short every year considering the demand of this industry. A degree in law provides plenty of career opportunities to a lawyer. In this field of law, social and financial crises amid the public are always marked. A degree of law provides weapons to fight against all types of social inequalities and crimes. Under the imposed rules by law, the society is governed. Law is one of the vital and most basic communal institutions. There are always crises and injustice in the society if the people did just as they wished. No society could ever exist until its members distinguish that they have certain obligations towards one another. The law sets up the systems that describe human rights and obligations. The law punishes the people who break these rules. Law in various crimes and cases advises government. Mostly different government departments and police agencies see that laws are regulated amongst the people. The courts of that region help to these agencies to carry on the laws. The lawful process does not merely engage lawyers dramatically in the courtroom. Lawyers present their cases before the honorable judges with great efforts. Law is the base of the society and it is a vital weapon to bring some positive changes amongst the people. A lawyer must acquire outstanding communication and staging skills. A lawyer cross-examines the observer to bring out reality before the court. Case analysis skills are the most important skills to become a successful lawyer. A high-level honesty goes along way making one a reputed lawyer.

15.2 **Title:** Integrated LLB

15.3 **Faculty:** Faculty of Law

15.4 **Duration:** Five years or Ten Semesters

15.5 **Eligibility:** 10+2 in any Discipline

15.6 **Seats:** The basic unit shall be of 100 seats. Multiple of this unit can also be set by the Board of Management after the approval from BCI.

15.7 **Admission Procedure:** As specified in the Ordinance No. 1.

15.8 **Academic Year:** There shall be one academic cycle from July to June

15.9 **Selection Procedure:** The eligible candidates as specified in clause 36.5 above should secure a place in the merit list of the Entrance Examination conducted by the recognized statutory body or the University.

15.10 **Course Fee:** The course fee shall be as decided by the Board of Management from time to time.

15.11 **Course Structure:** Detailed Course Structure of various specializations shall be produced at the time of commencement of the course after approval from the Board of Studies / /Academic Council/ Governing Body.

15.12 **Eligibility to Pass:** A student requires to obtain 40% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 45% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

15.13 **Evaluation and Examination:** Refer to Ordinance 51(8)

15.14 **Eligibility Criteria for ATKT:** Refer to Ordinance 51(10)

15.15 **General:** In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 16
MASTER OF SCIENCE (M. Sc.)

16.1 **Introduction** : Under these courses the specializations will be offered in selected science subjects at Post-graduation level and advance knowledge will be imparted in the chosen subject which will lead to teaching, research and/or industrial profession. In addition to conventional subjects like Physics, Chemistry, Mathematics, Botany, Zoology and some newer subjects such as Nano science and Technology, Information Technology, Software Engineering, Biotechnology, Microbiology Bio-informatics, Computer Sciences and other Science subjects will be undertaken at M. Sc. level.

16.2 **Title** : Master of Science (M. Sc.)

16.3 **Faculty** : Faculty of Life Sciences/Science

16.4 **Duration** : Two Years (or four semesters)

16.5 **Eligibility** : Graduation in relevant subject with minimum 45% Marks. In case the seats remain vacant then the Minimum required percentage may be lowered by 5% with permission from the Vice Chancellor.

16.6 **Seats** : The basic unit will be of 40 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management/Academic Council from time to time.

16.7 **Admission Procedure:** As Specified in the Ordinance no. 1.

16.8 **Academic Year** : There will be two academic cycle one from July to June and second from January to December.

16.9 **Selection Procedure:** The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V. and AIR before the start of every academic cycle.

The list of candidates selected will be displayed on the Website on the notice board and the student will be informed directly about their admission.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/Degree Certificate as a proof for required eligibility

criteria before the cutoff date failing which the provisional admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:—

The Fee is not paid by the due date.

ii. The application form is not signed by the candidate and his/her parents/guardians.

iii. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the university after verification and submission of all the necessary document and fees.

16.10 **Course Fee** : The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

16.11 **Course Structure and Examination Scheme**: Detail Course Structure and Examination scheme of various specializations shall be produced at the time of commencement of a course after approval from the Board of Studies/Academic Council/Governing Body.

16.12 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 45% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 50% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

16.13 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

16.14 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

16.15 **General**: In all matters, pertaining to the course, the decision of the University shall be final. However on the recommendation of the Academic Council the Vice Chancellor will be competent to change the system/pattern of Examination. Detail syllabus and examination scheme of other specializations shall be presented at the time of commencement of those specializations after approval from the governing body and academic council.

In case of any dispute, the matter shall be decided under the jurisdiction of the District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 17

Master of Computer Applications (MCA)

17.1. Introduction: Information Technology today is recognized as a frontier area of knowledge and also a critical enabling tool for assimilating, processing and productivizing all other spheres of knowledge. It is also recognized the world over that information technology is going to change every facet of human existence and will usher in knowledge based society. It is estimated that in India in The current plan period there will be demand of over 45 lakh computer professionals and with the availability of present educational facilities. The shortfall can be in the range of over 35 lakh. Therefore there is a need to take up IT education programs in a big way.

There are three basic skill levels for an IT professional. The first level is that of an operator. The second is of a programming assistant or a programmer and the third is of a system analyst or a manager. There are new skills required in the changing IT scenario in the world which include web designing, handling of internet based information and programming for the networked environment. The additional skills also include hardware maintenance, networking and marketing.

This course will equip the students with advanced knowledge in computer field. Such students with specialized knowledge are in good demand and unorganized sector industry and educational institutions.

17.2. Title: Master of Computer Application (MCA)

17.3. Faculty: Faculty of Information Technology

17.4. Duration: Three years (or six semesters).

17.5. Eligibility:

i. Graduation in Computer Application/B. Sc. Computer Science/B. Sc. Mathematics with minimum 45% Marks. In case the seats remain vacant then the Minimum required percentage may be lowered by 5% with permission from the Vice Chancellor.

Or

Mathematics as a core subject in Class XII Examination.

ii. Lateral entry to MCA II year or third semester will be given to the students having qualification PGDCA (after graduation) or DOEACC "A" level examination or any other examination considered equivalent by the University.

iii. In case the seats are not filled then the minimum required percentage may be lowered by 5% for candidates from both the categories.

17.6. **Seats:** The basic unit will be of 60 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.

17. 7. **Admission Procedure:** As specified in the Ordinance No. 1

17.8. **Academic Year:** There shall be two academic cycles, one from July to June and second from January to December.

17.9 **Selection Procedure:** The University will issue admission notification in the newspaper, on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V. and Radio before the start of every academic cycle.

The list of candidates selected will be displayed on the Website on the notice board and the Students will be informed directly about then admission.

The candidates whose results are awaited can also such candidates, however must produce the Mark sheet/ Degree Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled

The admission may be rejected due to any of the following

1. The Fee is not paid by the due date
2. The application form is not signed by the candidate and his/her parents/guardians.

3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the University after verification & submission of all the necessary documents and fees.

17. 10. **Fees**: The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

17.11. **Course Structure and Examination Scheme:** Detail Course Structure and Examination scheme of various specializations shall be produced at the time of commencement of a course after approval from the Board of Studies/Academic Council/Governing Body

17.12 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 45% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 50% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

17.13 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

17.14 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

17.15. **General:** In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice Chancellor of the University shall be final. However, on the recommendation of the Academic Council the Vice Chancellor will be competent to change the system/pattern of Examination. The Course mentioned above is subjected to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE-18
Master of Business-Administration (MBA)

18.1. Introduction: Modern Management Techniques form an important input to the present day world. Almost each sphere of work is affected by management of resources, time and manpower. While the specific inputs to one area like Marketing, Sales, Business Administration can be given through one year Diploma Programs, full time business managers require the much larger understanding, including that of mathematical techniques and therefore they need to be given a three year Degree and if required, a two year specialization to equip themselves for modern day business environment. There is a great demand of knowledgeable business managers in all fields of work.

18.2 Title: Master of Business Administration (MBA)

18.3 Faculty: Faculty of Management

18.4 Duration: Two years (or four semesters)

18.5 Eligibility:
(i) Graduate in any/relevant discipline with minimum 50% marks
(ii)Minimum 50% Score in MBA Entrance Examination

18.6 Seats: The basic unit wills be that of 60 seats. Multiple of this unit can also be set up.

18.7 Admission Procedure: As Specified in the Ordinance no. 1

18.8 Lateral Entry: Under this course credits earned by the students through a post graduate diploma in management from the university or any other institution recognized by AIU shall be considered equivalent against the MBA curriculum and the students will not have to earn them again.

18.9 Academic year: There would be two academic cycles one from July to June and second from January to December.

18.10 Selection Procedure: The University will issue admission notification in newspapers, on the notice board of the university and in other publicity media before the start of every cycle. The list of candidates selected for admission will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The center will also display the

university's selected list. The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheets or Degree certificates, as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be canceled. The admission May be rejected due to following reasons:

1. The fees are not enclosed.
2. The application form is not signed by candidate and his or her parent guardian, wherever required.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed. Registration number will be assigned to the Student by the University after verification and submission of all the necessary documents or fee.

18.11 **Fees:** The Course fees shall be as decided by the Board of Management from time to time.

18.12 **Course structure:** Detail Course Structure and Examination scheme of various specializations shall be produced at the time of commencement of a course after approval from the Board of Studies/Academic Council/Governing Body.

18.13 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 45% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 50% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

18.14 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

18.15 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

18.16 **General:** In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE-19

Master of Technology (M. Tech.)

19.1. **Introduction:**	Information Technology and Computer science form the core of modern engineering and technology and two of the most sought after courses by the students. The two year M. Tech. Program in these streams will offer an opportunity to exiting engineers to upgrade their knowledge and improve their understanding with a view to better their career opportunities. It would also be offered in part time mode to practicing engineers.
19.2 **Title:**	Master of Technology (M. Tech.)
19.3. **Faculty:**	Faculty of Engineering and Technology
19.4. **Duration:**	Two years (or four semesters)
19.5. **Eligibility:**	B.E. or M. Sc. in relevant subject with minimum 55% marks. In case the seats remain vacant then the Minimum required percentage may be lowered by 5% with permission from the Vice Chancellor.
19.6. **Seats:**	The basic unit will be that of 60 seats. Multiple of this unit can also be set up.
19.7. **Admission:**	Procedure: As Specified in the Ordinance no. 1
19.8 **Academic year:**	There would be academic cycle one from July to June and second from January to December.
19.9. **Selection Procedure:**	The University will issue admission notification in newspapers, on the notice board of the university and in other publicity media before the start of every cycle. The list of candidates selected for admission will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The center will also display the university's selected list. The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheets or Degree certificates, as a proof for required eligibility. Criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be canceled. The

admission may be rejected due to following reasons:

1. The fees are not enclosed.
2. The application form is not signed by candidate and his or her parent/guardian, if/wherever required.
3. The supporting documents required for admission, are not enclosed Registration number will be assigned to the student by the University After verification and submission of all the necessary documents of fees.

19.10 **Course Fees:** The Course fee shall be as decided by the Board of Management from time to time.

19.11 **Course structure**: Detail Course Structure and Examination Scheme will be produced at the time of commencement of the course, after approval from the Board of Studies/Academic Council/Governing Body.

19.12 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 45% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 50% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

19.13 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

19.14 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

19.15. **General:** In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice- Chancellor of the University shall be final. However on the recommendation of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time. Detail course structure of other specializations shall be presented at the time of commencement of the course after the approval by the governing body and approval of the structure by the Academic Council.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE - 20
MASTER OF COMMERCE (M.COM)

20.1 **Introduction**: Under the course specialization will be offered in selected commerce subjects. The course would prepare the students to take up specialized jobs in Business, Commerce and Banking. Areas like financial management, auditing and taxation will also be covered.

20.2 **Title**: Master of Commerce in Finance (M. Com)

20.3 **Faculty**: Faculty of Commerce

20.4 **Duration**: Two year (or four Semesters)

20.5 **Eligibility**: Graduation with Commerce

20.6 **Seats**: The basic unit will be that of 60 seats. Multiple of this unit can also be set up.

20.7 **Admission Procedure**: As specified in the Ordinance no. 1

20.9 **Academic Year**: There would be academic cycle one from July to June and second from January to December.

20.10 **Selection Procedure**: The University will issue admission notification in newspapers, on the notice board of the University and in other publicity media before the start of every cycle.

The list of candidates selected for admission will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The center will also display the university's selected list. The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheets or Degree certificates, as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

The admission May be rejected due to following reasons:

1. The fees are not enclosed.
2. The application form is not signed by candidate and his or her parent guardian, wherever required.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents or fees.

20.11 **Fees:** The course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

20.12 **Course structure and Examination Scheme**: Detail Course Structure and Examination Scheme will be produced at the time of commencement of the course, after approval from the Board of Studies/Academic Council/Governing Body.

20.13 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 45% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 50% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

20.14 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

20.15 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

20.16 **General**: In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE- 21

Master of Arts in Education (M.A. Education)

21.1. **Objectives:**

1. To develop among teachers a clear understanding of the psychology of their students
2. To enable them to understand the process of socialization
3. To develop in them the skills for guidance and counseling
4. To enable them to foster creative thinking among pupils for the reconstruction of knowledge
5. To acquaint them with the factors and forces (within the school and outside) affecting educational system and classroom situations.
6. To acquaint them with educational needs of special groups of pupils.
7. To enable them to utilize community resources as educational inputs.
8. To develop communication skills and to use the modern information technology
9. To enable them to undertake Action Research and use innovative practices, and
10. To foster in them a desire for lifelong learning

21.2. **Title:** Master of Arts in Education (M.A. Education)

21.3. **Faculty:** Faculty of Education

21.4. **Duration:** Two Years (or Four Semesters)

21.5. **Eligibility:** A person who has obtained a B. Ed. or Graduate Degree from a University or a Degree recognized recognized as equivalent thereto shall be eligible for admission to M. A. Education Course. Provided further that the number of candidates to be admitted shall be 60 or as fixed by the University Academic Council from time to time provided further that employed teachers of schools sponsored by the government for undergoing M.A Education Course shall be over and above the number specified by the University.

21.6. Seats: The basis unit will be of 60 seats. Multiples of this unit can also he set by the Board of Management.

21.7. Admission Procedure: As specified in Ordinance no. 1

21.8. Academic Year: There will be two academic cycles one from July to June and second from January to December.

21.9 Selection: The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like TV and Radio before the start of every academic cycle. The list of candidates selected will be displayed on the notice board and the students will be informed directly about their admission. The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/ Degree Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:

1. The Fee is not paid by the due date
2. The application form is not signed by the candidate and his / her parents / guardians.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number wills he assigned to the student the university after verification & submission of all the necessary documents and fees.

21.10. Fees: The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

21.11 Course Structure and Examination Scheme: Detail Course structure and Examination Scheme will be produced at the time of the commencement of the course after approval from the Board of Studies/Academic Council/Governing Body.

21.12 Eligibility to Pass: A student requires to obtain 45% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 50% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

21.13 Evaluation and Examination: Refer to Ordinance 51(8)

21.14 Eligibility Criteria for ATKT: Refer to Ordinance 51(10)

21.15 General: In all matters, pertaining to the course the decision of the Vice Chancellor of the University shall be final. However on the recommendation of the Academic Council the Vice Chancellor will be competent to change the system/pattern of Examination.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE-22

Master of Library & Information Science (M. Lib. I Sc.)

22.1 **Introduction:**	The world of books is always fascinating for all. This course dealing with the Post Graduate course in Library Sciences opens avenues of employment opportunities for those who are seeking jobs in Schools, colleges, universities, corporate houses and other organizations that make it a point to maintain a good library with best possible management of books.
22.2. **Title:**	Master of Library & Information Science (M. Lib. I Sc.)
22.3 **Faculty**:	Faculty of Science
22.4. **Duration:**	Two years (or four semesters)
22.5. **Eligibility:**	Bachelor in Library Science
22.6. **Seats:**	The basic unit will be of 60 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.
22.7 **Admission Procedure**:	As specified in Ordinance No. 1
22.8. **Academic Year:**	There will be two academic cycles one from July to June and second from January to December.
22.9 **Selection Procedure**:	The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V. and / or Radio before the start of every academic cycle. The list of candidates selected will be displayed on the Website, on the notice board and the students will be informed directly about their admission. The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/ Degree Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which the provisional admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:

1. The Fee is not paid by the due date
2. The application form is not signed by the candidate and his/her parent; /guardians, if required.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the university after verification & submission of all the necessary documents and fees.

22.10. **Fees**: The Course fees shall be as decided by the Board of Management from time to time.

22.11. **Course Structure and Examination Scheme:** Detail Course structure and Examination Scheme will be produced at the time of the commencement of the course after approval from the Board of Studies/Academic Council/Governing Body.

22.12 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 45% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 50% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

22.13 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

22.14 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

22.15 **General:** In all matters, pertaining to the course the decision of the Vice Chancellor of the University shall be final. However on the recommendation of the Academic Council the Vice Chancellor will be competent to change the system/pattern of Examination.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 23

MBA - HEALTHCARE MANAGEMENT

23.1 Introduction : Health Management is among the top ten millennium professions according to a recent survey in USA As health care management is becoming increasingly privatized there is a greater need for not only doctors but also efficient hospital and health care managers.

If Health Care Services and working in hospitals have always fascinated you rather than scaring you: off, you have a flair for job in Health Care Organizations and an eye for detail then you can consider a career in Health Care and Hospital Management. A large number of private hospitals and clinics have come up all over the country. With increasing emphasis on quality of health care and patient satisfaction there is a tremendous need for persons with a professional qualification in Health Care and Hospital Management.

ITM now offers this course, recognizing the growth prospects of health care industry. The curriculum concentrates on general management, aimed specifically to corporates or entrepreneurial hospital management, with a strong practical and interdisciplinary focus.

23.2 Objectives:

1. To provide management education to the medical, Allied health and other personnel working in the field of health service industry.
2. To equip executives concerned with health administration to update their knowledge about management.
3. To develop relevant skills and attitudes in the day to day running of the hospital.
4. To prepare them to apply different modern management techniques in managing health care services in the country.

23.3 Career: The young managers with Masters in management degree can find rewarding careers in Hospital industry in areas of Administration, marketing, IT, Human resource development, operation management, health insurance sector, etc.

23.4 **Faculty:** Faculty of Management

23.5 **Duration:** 2 years / 4 Semesters

23.6 **Eligibility & Selection:** Graduates of any discipline are eligible to apply. Selection is based on the work experience in hospitals pharmaceutical companies Health Care Industry and Community Health Care Services, etc. Minimum work experience of two years in health care industry is essential.

23.7 **Teaching Methodology:** The course is very intensive and made so with a purpose. The course is delivered over 4 terms in 16 months. The program will be conducted on weekends (Saturday & Sunday). Experts from Hospital and Health Care Industry, leading academic Institutions and Business Houses would teach the Hospital Management related subjects. Methodology includes lectures, case study group discussions, seminar presentations, assignments, projects and other innovative techniques.

23.8 **Course of Study:** The course work shall be completed through seminars, lectures, presentations at the Institute and Practical/Field work shall be conducted with the association of Hospitals of Repute.

23.9 **Admission Procedure:** As per the ordinance 1.

23.10 **Academic Year:** There shall be two academic cycles one from July to June second from January to December.

23.11 **Detailed Course Curriculum:** Detail Course Structure and Examination Scheme shall be presented at the time of commencement of the course after approval from the Board of Studies /Academic Council/ Governing Body.

23.12 **Eligibility to Pass:** A student requires to obtain 45% Marks in each paper, in theory and practical Examination/ Assignments separately and 50% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

23.13 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

23.14 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

23.15 **General:**

In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 24

Master of Arts (M.A.)

24.1 **Introduction**: M. A. in Political Science, Public Administration, Economics and Human Rights shall aim to cater to the needs of those aspirant students who are aiming to join Government Administrative Services or Lecturer ship in colleges and universities. Semester pattern of examination shall help the students to attain better proficiency in the subject opted by the student.

24.2 **Title**: Master of Arts Honors in Various Specializations

24.3 **Faculty**: Faculty of Arts & Humanities

24.4 **Duration**: Two years (or four semesters)

24.5 **Eligibility**: Graduate in any discipline

24.6 **Seats**: The basic unit will be of 60 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.

24.7 **Admission Procedure**: As specified in Ordinance No. 1

24.8 **Academic Year**: There will be two academic cycles one from July to June and second from January to December.

24.9 **Selection Procedure**: The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V. and Radio before the start of every academic cycle.

The list of candidates selected will be displayed on the Website, on the notice board and the students will be informed directly about their admission.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/Degree Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:

1. The fee is not paid by the due date.
2. The application form is not signed by the candidate and his/her parents/ guardians.

3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the university after verification & submission of all the neçessary documents and fees.

24.10 **Fees**: The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

24.11 **Course Structure & Examination Scheme**: Detailed Course Structure and Examination Scheme of different specializations shall be presented at the time of commencement of the course after approval from the Board of Studies/Academic Council/ Governing Body.

24.12 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 45% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 50% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

24.13 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

24.14 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

24.15 **General**: In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 25

Master of Science in Applied Chemistry (Pharmaceutical)

M. Sc. App. Chem. (Pharma.)

25.1 **Introduction:** This course aims to teach the fundamental concepts concepts of Chemistry and their applications. The syllabus contents are duly arranged unit wise and contents are included in such a manner so that due importance is given to requisite intellectual and laboratory skills.

25.2 **Title:** M.Sc. App. Chem. (Pharm.)

25.3 **Faculty:** Faculty of Life Sciences

25.4 **Duration:** Three years

25.5 **Eligibility:** Graduate in Life Science/Biology/Chemistry with minimum 50% Marks. In case the seats are vacant then the minimum required percentage for admission may be lowered with permission from the Vice Chancellor.

25.6 **Seats:** The basic unit will be of 60 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.

25.7 **Admission Procedure:** As specified in Ordinance No. 1

25.8 **Academic Year:** There will be two academic cycles one from July to June and second from January to December.

25.9 **Selection Procedure:** The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V. and Radio before the start of every academic cycle.

The list of candidates selected will be displayed on the Website, on the notice board and the students will be informed directly about their admission.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/Degree Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:

1. The fee is not paid by the due date.

2. The application form is not signed by the candidate and his/her parents/ guardians.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the university after verification & submission of all the necessary documents and fees.

25.10 **Fees**: The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

25.11 **Course Structure & Examination Scheme**: Detailed Course Structure and Examination Scheme shall be presented at the time of commencement of the course after approval from the Board of Studies/Academic Council/Governing Body.

25.12 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 45% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately separately and 50% in aggregate to pass the Semester End/Year End Examination.

25.13 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

25.14 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

25.15 **General**: In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 26

Master of Laws LLM

26.1 Introduction: This course aims to teach the highest level of Law to the students aiming towards attaining specialization in Laws. This course is specially designed for the students who will appear in the competitive examinations conducted for the post of Civil Judges.

26.2 Title: Master of Laws LLM

26.3 Faculty: Faculty of Law

26.4 Duration: Two years or four semesters

26.5 Eligibility: Graduate in Law with minimum 50% Marks. In case the seats remain vacant then the minimum required percentage for admission may be lowered by 5% only with permission from the Vice Chancellor.

26.6 Seats: The basic unit will be of 60 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.

26.7 Admission Procedure: As specified in Ordinance No. 1

26.8 Academic Year: There will be two academic cycles one from July to June and second from January to December.

45.9 Selection Procedure: The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V. and Radio before the start of every academic cycle.

The list of candidates selected will be displayed on the Website, on the notice board and the students will be informed directly about their admission.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/Degree Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:

1. The fee is not paid by the due date.
2. The application form is not signed by the candidate and his/her parents/ guardians.

3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the university after verification & submission of all the necessary documents and fees.

26.10 **Fees**: The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

26.11 **Course Structure & Examination Scheme**: Detailed Course Structure and Examination Scheme shall be presented at the time of commencement of the course after approval from the Board of Studies/Academic Council/ Governing Body.

26.12 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 45% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 50% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

26.13 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

26.14 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

26.15 **General**: In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 27

Master of Education - M. Ed.

27.1 **Introduction:** Master of Education aims to provide the Master's Degree in the field of Education to those candidates who aspire to hold the post of Principal in any School, wish to join any education college as a faculty or Principal after going through the further studies in this field viz. PhD or appearing in the Qualifying examinations like NET & SET etc.

27.2 **Title:** Master of Education M. Ed.

27.3 **Faculty:** Faculty of Education

27.4 **Duration:** One year or two semesters

27.5 **Eligibility:** Graduate in Education with minimum 50% marks

27.6 **Seats:** The basic unit will be of 60 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.

27.7 **Admission Procedure:** As specified in Ordinance No. 1

27.8 **Academic Year:** There will be two academic cycles one from July to June and second from January to December.

27.9 **Selection Procedure:** The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V. and Radio before the start of every academic cycle.

The list of candidates selected will be displayed on the Website, on the notice board and the students will be informed directly about their admission.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/Degree Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:

1. The fee is not paid by the due date.
2. The application form is not signed by the candidate and his/her parents/ guardians.

3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the university after verification & submission of all the necessary documents and fees.

27.10 **Fees**: The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

27.11 **Course Structure & Examination Scheme**: Detailed Course Structure and Examination shall be presented at the time of commencement of the course after approval from the Board of Studies/Academic Council/ Governing Body.

27.12 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 45% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 50% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

27.13 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

27.14 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

27.15 **General**: In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 28

Master of Arts in Defense Studies - M. A. Defense Studied

28.1 Introduction: Master of Arts in Defense studies aims to provide the Master's Degree in the field of Defense to those candidates who aspire to go in the field of National Defense or wish to work as a Defense Specialist either in a Government agency or as a freelancer.

28.2 Title: Master of Arts in Defense Studies, MA Def. Std.

28.3 Faculty: Faculty of Arts & Humanities

28.4 Duration: Two years or four semesters

28.5 Eligibility: Graduate in any Discipline with NCC

28.6 Seats: The basic unit will be of 100 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.

28.7 Admission Procedure: As specified in Ordinance No. 1

28.8 Academic Year: There will be two academic cycles one from July to June and second from January to December.

28.9 Selection Procedure: The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V. and Radio before the start of every academic cycle.

The list of candidates selected will be displayed on the Website, on the notice board and the students will be informed directly about their admission.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/Degree Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:

1. The fee is not paid by the due date.
2. The application form is not signed by the candidate and his/her parents/ guardians.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the university after verification & submission of all the necessary documents and fees.

28.10 **Fees:** The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

28.11 **Course Structure & Examination Scheme:** Detailed Course Structure and Examination Scheme shall be presented at the time of commencement of the course after approval from the Board of Studies/Academic Council/ Governing Body.

28.12 **Eligibility to Pass:** A student requires to obtain 45% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 50% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

28.13 **Evaluation and Examination:** Refer to Ordinance 51(8)

28.14 **Eligibility Criteria for ATKT:** Refer to Ordinance 51(10)

28.15 **General:** In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 29

Master of Arts in Journalism & Mass Communication – M. A. Journ. Mass Com.

29.1 Introduction: Master of Arts in Journalism & Mass Communication aims to provide the Master's Degree in the aforesaid field to those candidates who aspire to go in the field of Fourth Column of Indian Democracy either as an Editor or Reporter associated with any News Paper or as a freelancer.

29.2 Title: Master of Arts in Journ. & Mass Comm.

29.3 Faculty: Faculty of Arts & Humanities

29.4 Duration: Two years or four semesters

29.5 Eligibility: Graduate in Journalism &/Mass Communication

29.6 Seats: The basic unit will be of 100 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.

29.7 Admission Procedure: As specified in Ordinance No. 1

29.8 Academic Year: There will be two academic cycles one from July to June and second from January to December.

29.9 Selection Procedure: The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V. and Radio before the start of every academic cycle.

The list of candidates selected will be displayed on the Website, on the notice board and the students will be informed directly about their admission.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/Degree Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:

1. The fee is not paid by the due date.
2. The application form is not signed by the candidate and his/her parents/ guardians.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the university after verification & submission of all the necessary documents and fees.

29.10 **Fees**: The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

29.11 **Course Structure & Examination Scheme**: Detailed Course Structure and Examination Scheme of different specializations shall be presented at the time of commencement of the course after approval from the Board of Studies/Academic Council/ Governing Body.

29.12 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 45% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 50% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

29.13 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

29.14 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

29.15 **General**: In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 30

Master of Science in Stem Cells and Tissue Engineering – M. Sc.

30.1 **Introduction**:	Stem Cells are defined as undifferentiated cells that have the capacity to self-renew and to differentiate into various nature cells at a single cell level. Stem cell support normal embryogenesis and post natal life. Stem Cells serve to renew tissues throughout an individual's postnatal life by replacing the cells that are lost owing to everyday wear and tear in our bodies. Tissue Engineering is a term closely associated with applications that repair or replace portions of or whole tissue. Often the tissues involved require certain mechanical and structural properties for proper functioning. The term Tissue Engineering has also been applied to perform specific biomedical functions using cells within an artificially created support system.
30.2 **Title**:	M. Sc. In Stem Cells and Tissue Engineering
30.3 **Faculty**:	Faculty of Life Science
30.4 **Duration**:	Two years or four semesters
30.5 **Eligibility**:	Graduate in Science with Biology/Biotechnology/ Zoology/Microbiology as Core Subject with minimum 50% marks. In case the seats remain vacant then the minimum percentage required for admission may be lowered by 5% only with permission from the Vice Chancellor.
30.6 **Seats**:	The basic unit will be of 40 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.
30.7 **Admission Procedure**:	As specified in Ordinance No. 1
30.8 **Academic Year**:	There will be two academic cycles one from July to June and second from January to December.
30.9 **Selection Procedure**:	The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V. and Radio before the start of every academic cycle. The list of candidates selected will be displayed on the Website, on the notice board and the students will be informed directly about their admission. The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/Degree Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:

1. The fee is not paid by the due date.
2. The application form is not signed by the candidate and his/her parents/ guardians.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the university after verification & submission of all the necessary documents and fees.

30.10 **Fees**: The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

30.11 **Course Structure & Examination Scheme**: Detailed Course Structure and Examination Scheme of shall be presented at the time of commencement of the course after approval from the Board of Studies/Academic Council/ Governing Body.

30.12 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 45% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 50% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

30.13 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

30.14 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

30.15 **General**: In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to changethe system for pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 31

Master of Business Administration (Executive) M.B.A.-Executive

31.1 **Introduction**:	MBA Executive is a course that is specifically designed for those working professionals who aspire to go for higher studies for the sake of promotion in their own company or to seek a better Managerial Job opportunity elsewhere
31.2 **Title**:	MBA (Executive)
31.3 **Faculty**:	Faculty of Management
31.4 **Duration**:	Three years or Six semesters
31.5 **Eligibility**:	Graduate in any stream with minimum 50% marks and work experience certificate of minimum two years
31.6 **Seats**:	The basic unit will be of 100 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.
31.7 **Admission Procedure**:	As specified in Ordinance No. 1
31.8 **Academic Year**:	There will be two academic cycles one from July to June and second from January to December.
31.9 **Selection Procedure**:	The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V and Radio before the start of every academic cycle.

The list of candidates selected will be displayed on the Website, on the notice board and the students will be informed directly about their admission.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/Degree Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:

1. The fee is not paid by the due date.
2. The application form is not signed by the candidate and his/her parents/ guardians.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the university after verification & submission of all the necessary documents and fees.

31.10 **Fees**: The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

31.11 **Course Structure & Examination Scheme**: Detailed Course Structure and Examination Scheme of different specializations shall be presented at the time of commencement of the course after approval from the Board of Studies/ Academic Council/Governing Body.

31.12 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 45% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 50% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

31.13 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

31.14 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

31.15 **General**: In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE-32

Master of Business Administration in International Business (MBA-IB)

32.1. Introduction: Modern Management Techniques form an important input to the present day world. Almost each sphere of work is affected by management of resources, time and manpower. While the specific inputs to one area like Marketing, Sales, Business Administration can be given through one year Diploma Programs, full time business managers require the much larger understanding, including that of mathematical techniques and therefore they need to be given a three year Degree and if required, a two year specialization to equip themselves for modern day business environment. There is a great demand of knowledgeable business managers in all fields of work.

32.2 Title: Master of Business Administration in International Business (MBA-IB)

32.3 Faculty: Faculty of Management

32.4 Duration: Two years (or four semesters)

32.5 Eligibility:
(i) Graduate in any/relevant discipline with minimum 50% marks
(ii)Minimum 50% Score in MBA Entrance Examination

32.6 Seats: The basic unit wills be that of 60 seats. Multiple of this unit can also be set up.

32.7 Admission Procedure: As Specified in the Ordinance no. 1

32.8 Lateral Entry: Under this course credits earned by the students through a post graduate diploma in International Business management from the university or any other institution recognized by AIU shall be considered equivalent against the MBA curriculum and the students will not have to earn them again.

52.9 Academic year: There would be two academic cycles one from July to June and second from January to December.

32.10 Selection Procedure: The University will issue admission notification in newspapers, on the notice board of the university and in other publicity media before the start of every cycle. The list of candidates selected for admission

will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The center will also display the university's selected list. The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheets or Degree certificates, as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be canceled. The admission May be rejected due to following reasons:

1. The fees are not enclosed.
2. The application form is not signed by candidate and his or her parent guardian, wherever required.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed. Registration number will be assigned to the Student by the University after verification and submission of all the necessary documents or fee.

32.11 **Fees:** The Course fees shall be as decided by the Board of Management from time to time.

32.12 **Course Structure & Examination Scheme:** Detailed Course Structure and Examination Scheme shall be presented at the time of commencement of the course after approval from the Board of Studies/Academic Council/Governing Body.

32.12 **Eligibility to Pass:** A student requires to obtain 45% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 50% in aggregate to pass the separately End/ Year End Examination.

32.13 **Evaluation and Examination:** Refer to Ordinance 51(8)

32.14 **Eligibility Criteria for ATKT:** Refer to Ordinance 51(10)

32.15 **General:** In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE-33

Master of Entrepreneurship & Family Business - MEFB

33.1. **Introduction:** Modern Management Techniques form an important input to the present day world. Almost each sphere of work is affected by management of resources, time and manpower. While the specific inputs to one area like Marketing, Sales, Business Administration can be given through one year Diploma Programs, full time business managers require the much larger understanding, including that of mathematical techniques and therefore they need to be given a three year Degree and if required, a two year specialization to equip themselves for modern day business environment. There is a great demand of knowledgeable business managers in all fields of work.

33.2 **Title**: Master of Entrepreneurship & Family Business MEFB

33.3 **Faculty:** Faculty of Management

33.4 **Duration:** Two years (or four semesters)

33.5 **Eligibility:**
(i) Graduate in any/relevant discipline with minimum 50% marks
(ii)Minimum 50% Score in MBA Entrance Examination

33.6 **Seats:** The basic unit wills be that of 60 seats. Multiple of this unit can also be set up.

33.7 **Admission Procedure:** As Specified in the Ordinance no. 1

33.8 **Lateral Entry:** Under this course credits earned by the students through a post graduate diploma in Entrepreneurship & Family Business management from the university or any other institution recognized by AIU shall be considered equivalent against the MBA curriculum and the students will not have to earn them again.

33.9 **Academic year:** There would be two academic cycles one from July to June and second from January to December.

33.10 **Selection Procedure:** The University will issue admission notification in newspapers, on the notice board of the university and in other publicity media before the start of every cycle. The list of candidates selected for admission will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The center will also display the university's selected list. The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the

Mark sheets or Degree certificates, as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be canceled. The admission May be rejected due to following reasons:

1. The fees are not enclosed.
2. The application form is not signed by candidate and his or her parent guardian, wherever required.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed. Registration number will be assigned to the Student by the University after verification and submission of all the necessary documents or fee.

33.11 **Fees:** The Course fees shall be as decided by the Board of Management from time to time.

33.12 **Course Structure & Examination Scheme:** Detailed Course Structure and Examination Scheme shall be presented at the time of commencement of the course after approval from the Board of Studies/Academic Council/ Governing Body.

33.12 **Eligibility to Pass:** A student requires to obtain 45% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 50% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

33.13 **Evaluation and Examination:** Refer to Ordinance 51(8)

33.14 **Eligibility Criteria for ATKT:** Refer to Ordinance 51(10)

33.15 **General:** In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE-34

Master of Business-Administration in Hospitality-Hotel & Tourism Management (MBA)

34.1. Introduction: Modern Management Techniques form an important input to the present day world. Almost each sphereof work is affected by management of resources, time and manpower. While the specific inputs to one area like Marketing, Sales, Business Administration can be given through one year Diploma Programs, full time business managers managers require the much larger understanding, including that of mathematical techniques and therefore they need to be given a three year Degree and if required, a two year specialization to equip themselves for modern day business environment. There is a great demand of knowledgeable business managers in all fields of work.

34.2 Title: Master of Business Administration (MBA)

34.3 Faculty: Faculty of Management

34.4 Duration: Two years (or four semesters)

34.5 Eligibility:
(i) Graduate in any/relevant discipline with minimum 50% marks
(ii)Minimum 50% Score in MBA Entrance Examination

34.6 Seats: The basic unit wills be that of 60 seats. Multiple of this unit can also be set up.

34.7 Admission Procedure: As Specified in the Ordinance no. 1

34.8 Lateral Entry: Under this course credits earned by the students through a post graduate diploma in management from the university or any other institution recognized by AIU shall be considered equivalent against the MBA curriculum and the students will not have to earn them again.

34.9 Academic year: There would be two academic cycles one from July to June and second from January to December.

34.10 Selection Procedure: The University will issue admission notification in newspapers, on the notice board of the university and in other publicity media before the start of every cycle. The list of candidates selected for sdmission will be displayed on the website or the students will

be informed directly about their admission. The center will also display the university's selected list. The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheets or Degree certificates, as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be canceled. The admission May be rejected due to following reasons:

1. The fees are not enclosed.
2. The application form is not signed by candidate and his or her parent guardian, wherever required.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed. Registration number will be assigned to the Student by the University after verification and submission of all the necessary documents or fee.

34.11 **Fees:** The Course fees shall be as decided by the Board of Management from time to time.

34.12 **Course Structure & Examination Scheme**: Detailed Course Structure and Examination Scheme shall be presented at the time of commencement of the course after approval from the Board of Studies/Academic Council/ Governing Body.

34.13 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 45% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 50% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

34.14 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

34.15 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

34.16 **General:** In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE-35

Master of Business-Administration-Online Executive MBA

35.1. Introduction: Modern Management Techniques form an important input to the present day world. Almost each sphere of work is affected by management of resources, time and manpower. While the specific inputs to one area like Marketing, Sales, Business Administration can be given through one year Diploma Programs, full time business managers require the much larger understanding, including that of mathematical techniques and therefore they need to be given a three year Degree and if required, a two year specialization to equip themselves for modern day business environment. There is a great demand of knowledgeable business managers in all fields of work. Technology has paved way for new ways of learning and E-learning is one of the most modern and effective way of doing MBA for the working executives who aspire to hold a higher position in their respective companies or look for a better opportunity for better job prospects. This Online Executive MBA aims to cater to the needs of those working professionals who due to the chores of their job are unable to spare enough time for regular classes in regular mode. This program will provide them an opportunity to achieve their desired goal.

35.2 Title: Master of Business Administration (Online Executive-MBA)

35.3 Faculty: Faculty of Management

35.4 Duration: Two years (or four semesters)

35.5 Eligibility:
(i) Graduate in any/relevant discipline with minimum 50% marks
(ii) Minimum 2 years' Working Experience

35.6 Seats: The basic unit wills be that of 60 seats. Multiple of this unit can also be set up.

35.7 Admission Procedure: As Specified in the Ordinance no. 1

35.8 **Lateral Entry:** Under this course credits earned by the students through a post graduate diploma in management from the university or any other institution recognized by AIU shall be considered equivalent against the MBA curriculum and the students will not have to earn them again.

35.9 **Academic year:** There would be two academic cycles one from July to June and second from January to December.

35.10 **Selection Procedure:** The University will issue admission notification in newspapers, on its website, on the notice board of the university and in other publicity media before the start of every cycle. The list of candidates selected for admission will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The center will also display the university's selected list. The admission May be rejected due to following reasons:

1. The fees are not enclosed.
2. The application form is not signed by candidate and his or her parent guardian, wherever required.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed. Registration number will be assigned to the Student by the University after verification and submission of all the necessary documents or fee.

35.11 **Fees:** The Course fees shall be as decided by the Board of Management from time to time.

35.12 **Detail Course Structure & Examination Scheme:**

Teaching shall be imparted to the students on-line, through Internet via official website of ITM University. Online Examinations shall be conducted at the end of each Semester. Detail Course Structure, Examination Scheme and Curriculum Matrix shall be presented at the

time of commencement of the course after approval from the Board of Studies/Academic Council/Governing Body.

35.13 **Eligibility to Pass:** A student requires to obtain 45% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 50% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

35.14 **Evaluation and Examination:** Refer to Ordinance 51(8)

35.15 **Eligibility Criteria for ATKT:** Refer to Ordinance 51(10)

35.16 **General:** In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 36
Diploma in Forensic Science & Criminology – DFSC

36.1 **Introduction**: Diploma in Forensic Science & Criminology shall fulfill the growing need of professionals in this field. It is believed that there is an acute shortage of professional investigators in various investigating agencies. This diploma course will provide an assured place in various such agencies

36.2 **Title**: Diploma in Forensic Science & Criminology

36.3 **Faculty**: Faculty of Science

36.4 **Duration**: One year or two semesters

36.5 **Eligibility**: 10+2

36.6 **Seats**: The basic unit will be of 100 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.

36.7 **Admission Procedure**: As specified in Ordinance No. 1

36.8 **Academic Year**: There will be two academic cycles one from July to June and second from January to December.

36.9 **Selection Procedure**: The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V. and Radio before the start of every academic cycle.

The list of candidates selected will be displayed on the Website, on the notice board and the students will be informed directly about their admission.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/Degree Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:

1. The fee is not paid by the due date.
2. The application form is not signed by the candidate and his/her parents/ guardians.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the university after verification & submission of all the necessary documents and fees.

36.10 **Fees:** The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

36.11 **Course Structure & Examination Scheme:** Detailed Course Structure and Examination shall be presented at the time of commencement of the course after approval from the Board of Studies/Academic Council/ Governing Body.

36.12 **Eligibility to Pass:** A student requires to obtain 35% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 40% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

36.13 **Evaluation and Examination:** Refer to Ordinance 51(8)

36.14 **Eligibility Criteria for ATKT:** Refer to Ordinance 51(10)

36.15 **General:** In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 37

DIPLOMA IN COMPUTER APPLICATION DCA

37.1 **Introduction:** There is a huge demand in the service industry of Computer literate candidates who are capable of using computers with basic as well as advance knowledge. This course aims to fulfill the requirements of such professionals who wish to join the service sector with this basic knowledge.

37.2 **Title** : Diploma in Computer Application (DCA)

37.3 **Faculty** : Faculty in Information Technology

37.4 **Duration** : One Year (or Two semesters)

37.5 **Eligibility** : 10 + 2 in any discipline

37.6 **Seats**: The basic unit will be of 100 seats; Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.

37.7 **Admission Procedure** : As specified in the Ordinance No. 1

37.8 **Academic Year**: There will be two academic cycles one from July to June and second from January to December.

37.9 **Selection Procedure**: The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V. and Radio before the start of every academic cycle.

The list of candidates selected will be displayed on the Website, on the notice board and the students will be informed directly about their admission.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/ Degree Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons :

1. The Fee is not paid by the due date.
2. The application form is not signed by the candidate and his/her parents/Guardians.
3. The supporting Documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the university after verification & submission of all the necessary documents and fees.

37.10 **Fees**: The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

37.11 **Course Structure and Examination Scheme**:

Detail Course structure and Examination Scheme will be the same as BCA 1st Year or as produced at the time of the commencement of the course, after approval from the Board of Studies/Academic Council/Governing Body.

37.12 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 35% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 40% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

37.13 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

37.14 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

37.15 **General**: In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice Chancellor of the University shall be final, However, on the recommendation of the Academic Council the Vice Chancellor will be competent to change the system/pattern of Examination.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 38

Diploma in Entrepreneurship Development (D. Eship.)

38.1 **Introduction:** Entrepreneurship is an essential component of success in today's world students are not only expected to learn their subjects but are also expected to show entrepreneurship for putting up self-employment based unit and for creating job for others. With inputs on business economics, organizational behavior, business management and enterprise development a student can he turned entrepreneur. This course would provide such inputs to the students.

38.2. **Title:** Diploma in Entrepreneurship Development (D. Eship.)

38.3. **Faculty:** Faculty of Management

38.4. **Duration:** One Year (or Two Semesters)

38.5. **Eligibility:** 10+2 in any discipline

38.6. **Seats:** The basic unit will be that of 60 seats. Multiple of this unit can also be set up.

38.7. **Admission Procedure:** As Specified in the Ordinance no. I

38.8 **Academic year:** There would be academic cycle one from July to June and second from January to December.

38.9 **Selection Procedure:** The University will issue admission notification in newspapers, on the notice board of the university and in other publicity media before the start of ever; cycle.

The list of candidates selected for admission will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The center will also display the university's selected list.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheets or Degree certificates, as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

The admission May be rejected due to following reasons:

1. The fees are not enclosed.
2. The application form is not signed by candidate and his or her parent guardian wherever required.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents or fees.

38.10. **Fees:** The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

38.11. **Course structure:** Detail Course structure and Examination Scheme will be produced at the time of the commencement of the course, after approval from the Board of Studies/Academic Council/Governing Body.

38.12 **Eligibility to Pass:** A student requires to obtain 35% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 40% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

38.13 **Evaluation and Examination:** Refer to Ordinance 51(8)

38.14 **Eligibility Criteria for ATKT:** Refer to Ordinance 51(10)

38.15 **General:** In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to-change from time to time In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 39

Diploma in Investments & Portfolio Management (DIPM)

39.1 **Introduction:** India's economy is moving ahead with a strong growth curve and positive economic indicators. There has been a stable 8-9% annual growth, rising foreign exchange reserve over US 1$ 222 billion and J booming capital market crossing the 15000 mark Sensex with rapid inflows of FIIs. However this is one side of the story but the real question which strikes in one's mind is where exactly all these investments are going? Who are making it go there? And who are managing it?

With one year intensive course covering all the areas of Financial Services Industry along with industry orientation there is no doubt that student shall be ready for a vibrant career in the field of financial services.

39.2 **Title:** Diploma in Investments & Portfolio Management, (DIPM)

39.3 **Faculty:** Faculty of Management

39.4 **Duration:** One Year (or Two Semesters)

39.5 **Eligibility:** Graduate in any discipline

39.6 **Seats:** The basic unit will be that of 0 seats. Multiple of this unit can also be set up

39.7 **Admission Procedure:** As specified in the Ordinance no. 1

39.8 **Academic year:** There would be academic cycle of from July to June and second from January to December

39.9 **Selection Procedure:** The University will issue admission notification in newspapers, on the notice board of the university and in other publicity media before the start of every cycle.

The list of candidates selected for admission will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The center will also display the university's selected list.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the

Mark sheets or Degree certificates as a proof for required eligibility criteria before the cutoff dale failing which the provisional admission granted will be cancelled.

The admission May be rejected due to following reasons:

1. The fees are not enclosed.
2. The application form is not signed by candidate and his or her parent. guardian, wherever required.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents or fees.

39.10 **Fees**: The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

39.11 **Course Structure and Examination Scheme**: Detail Course structure and Examination Scheme will be the same as BCA 1st Year or as produced at the time of the commencement of the course, after approval from the Board of Studies/Academic Council/Governing Body.

39.12 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 35% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 40% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

39.13 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

39.14 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

39.15 **General**: In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 40

Advance Diploma in Interior Designing & Decoration as Add-on Course for B.A., B. Sc. & B. Com. Students

40.1 **Introduction**: Advance Diploma in Interior Designing & Decoration is an Add-on Course specially designed for the B.A., B. Com. & B. Sc. students of ITM University. This is an optional ancillary course which the students can opt for to avail a dual specialization along with their regular degree.

40.2 **Title**: Adv. Dip. in Int. Designing & Decoration

43.3 **Faculty**: Faculty of Arts & Humanities

40.4 **Duration**: Three years or six Semesters

40.5 **Eligibility**: Graduate in any discipline or a regular Student of B.A./B.Sc./B.Com in ITM University

40.6 **Seats**: The basic unit will be of 100 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.

43.7 **Admission Procedure**: As specified in Ordinance No. 1

40.8 **Academic Year**: There will be two academic cycles one from July to June and second from January to December. The admission cycle for students shall be in corroboration with the Academic Cycle in which they have taken admission in their Major Degree Course

40.9 **Selection Procedure**: The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V. and Radio before the start of every academic cycle.

The list of candidates selected will be displayed on the Website, on the notice board and the students will be informed directly about their admission.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/Degree Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:

1. The fee is not paid by the due date.

2. The application form is not signed by the candidate and his/her parents/ guardians.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the university after verification & submission of all the necessary documents and fees.

40.10 **Fees**: The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

40.11 **Course Structure & Examination Scheme**: Detailed Course Structure and Examination Scheme of different specializations shall be presented at the time of commencement of the course after approval from the Board of Studies/Academic Council/ Governing Body.

40.12 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 35% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 40% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

40.13 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

40.14 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

40.15 **General**: In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

Ordinance 41

Post Graduate Diploma in Computer Application (PGDCA)

41.1 **Introduction:** Knowledge of Computers is becoming essential to work in almost all fields of services and it is difficult to find trained people in required numbers for the same. This course in particular is designed with an aim to impart essential basic knowledge to the professionals for suitably fulfilling such rising demand of trained computer professionals with basic skills of computers.

41.2 **Title:** Post Graduate Diploma in Computer Application (PGDCA)

41.3. **Faculty:** Faculty of Information Technology

41.4. **Duration:** One Year (or Two Semesters)

41.5. **Eligibility:** Graduation in any discipline

41.6. **Seats:** The basic unit will be of 60 seats. Multiples of this unit can also he set up by the Board of Management.

41.7 **Admission Procedure:** As Specified in the Ordinance no.1

41.8. **Academic Year:** There will be two academic cycles one from July to June and second from January to December.

41.9 **Selection Procedure:** The University will issue admission notification in newspapers, on the notice hoards of the University and in other publicity media like and Radio before the start of every academic cycle.

The list of candidate selected will be displayed cm the Website; on the notice board and the students will be informed directly about their admission.

The candidate, whose results are awaited, can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/ Degree Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which. The provisional admission granted will be cancelled. Their

admission may be rejected due to any of the following reasons:

1. The Fee is not paid by the due date
2. The application form is not signed by the candidate and his/ her parents / guardians if required.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed. Registration number will be assigned to the student by the university after verification & submission of all the necessary documents and Fees.

41.10 **Detail Course Structure and Examination Scheme**: Detail Course structure and Examination Scheme will be produced at the time of the commencement of the course after approval from the Board of Studies/Academic Council/Governing Body.

41.11 **Eligibility to Pass**: A student requires to obtain 35% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 40% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

41.12 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

41.13 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

41.14 **General:** In all matters, pertaining to the course the decision of the Vice Chancellor of the University shall be final. However on the recommendation of the Academic Council the Vice Chancellor will be competent to change the system/pattern of Examination.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 42

Post Graduate Diploma in Fashion Designing and Technology (PGDFDT)

42.1 **Introduction**: With the advent of modernization in clothing and fabrics, fashion designing has become a modern and much sought after subject. It is evergreen because fashion is continuously evolving and changing. This course would prepare the students for designing and marketing fabrics in changing scenario.

This course will prepare the candidates for first level of computer operation which is in large demand in this field, both in the organized and unorganized sector and educational institutions.

42.2 **Title**: Post Graduate Diploma in Fashion Designing & Technology (PGDFDT)

42.3 **Faculty**: Faculty of Science

42.4 **Duration**: One Year (or Two Semesters)

42.5 **Eligibility**: Graduation in any discipline

42.6 **Seats**: The basic unit will be of 60 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.

42.7 **Admission Procedure**: As Specified in the Ordinance no. 1

42.8 **Academic Year**: There will be two academic cycles one from July to June and second from January to December.

42.9 **Selection Procedure**: The University will issue admission notification in newspaper on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V. and Radio before the start of every academic cycle.

The list of candidates selected will be displayed on the Website, on the notice board and the students will be informed directly about their admission.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/ Degree Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which the provisional admission granted shall be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:

1. The Fee is not paid by the due date

2. The application is not signed by the candidate and his / her parent/guardians

3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number shall be assigned to the student by the university After Verification & submission of all the necessary documents and fees.

42.10 **Fees:** The course fees shall be decided the Board of Management from time to time.

42.11 **Course structure and Examination scheme**: Detail Course Structure and Examination scheme of various specializations shall be produced at the time of commencement of a course after approval from the Board of Studies/Academic Council/ Governing Body.

42.12 **Eligibility to Pass:** A student requires to obtain 35% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 40% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

42.13 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

42.14 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

42.15 **General:** In all matters pertaining to the course, the decision of the vice chancellor of the university shall be final. However, on the recommendation of the Academic Council the Vice Chancellor will be competent to change the system/pattern of Examination. In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 43

Post Graduate Diploma in Computer Hardware Maintenance and Electronics (PGDCHME)

43.1 **Introduction**: Information Technology today is recognized as a frontier area of knowledge and also a critical enabling tool for assimilating, processing and productivizing all other spheres of knowledge. It is also recognized the world over that information technology is going to change every facet of human existence and will usher in knowledge based society. It is estimated that in India in the current plan period there will be demand of over 45 lakh computer professionals and with the availability of present educational facilities, the short fall can be in the range of over 25 lakhs. Therefore there is a need to take up IT education programs in a big way. There are three basic skill levels for an IT professional. The first level is that of an operator, the second is of a programming assistant or a programmer and the third is of a system analyst or a manager. There are new skills required in the changing IT scenario in the world which include web designing, handling of internet based information and programming for the networked environment. The additional skills also include hardware maintenance, networking and marketing. This course will provide basic and in depth knowledge to the students desirous of taking computer as their profession. Such students are in good demand in the field, both in the organized and unorganized sector, Industry and educational institutions.

43.2. **Title**: Post Graduate Diploma in Computer Hardware Maintenance and Electronics (PGDCHME)

43.3. **Faculty**: Faculty of Information Technology

43.4. **Duration**: One Year (or Two Semesters)

43.5. **Eligibility**: Graduation in any discipline

43.6. **Seats**: The basic unit will be of 60 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.

43.7. **Admission Procedure**: As Specified in the Ordinance no. 1

43.8. Academic Year: There will be two academic cycle, one from July to June and second from January to December.

43.9. Selection Procedure: The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V. and Radio before the start of every academic cycle. The list of candidates selected will be displayed on the Website, on the notice board and the students will be informed directly about their admission. The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the the Mark sheet/Degree Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled. The admission may be rejected due to any of the following reasons:

1. The Fee is not paid by the due date
2. The application form is not signed by the candidate and his /her parents /guardians.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed. Registration number will be assigned to the student by the University after verification & submission of all the necessary documents and fees.

43.10. Fees: The Course fees shall be as decided by the Board of Management from time to time.

43.11 Course Structure and Examination Scheme: Detail Course structure and Examination Scheme will be produced at the time of the commencement of the course, after approval from the Board of Studies/Academic Council/Governing Body.

43.12 Eligibility to Pass: A student requires to obtain 35% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 40% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

43.13 Evaluation and Examination: Refer to Ordinance 51(8)

43.14 Eligibility Criteria for ATKT: Refer to Ordinance 51(10)

43.15 General: In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice chancellor of the University shall be final. However, on the recommendation of the Academic Council the Vice Chancellor will be competent to change the system / pattern of Examination. In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE NO. 44

Post Graduate Diploma in Retail Management (PGDRM)

44.1 Introduction: Retail is one of the fastest going sectors around the world. It is also thought to be one of the most exciting fields for the management careers as it offers tremendous scope for regular and direct interaction with consumers. The retail sector in India has witnessed a boom in the recent past, opening up several interesting opportunities for careers in different segments and at different levels. The growing demand for consumer products around the world is expected to give a further boost to the growth of the retail sector.

The PG Diploma Program in Retail Management is meant to prepare students or executives to take advantage of the growing opportunities to make successful in retail and related fields.

44.2 Title: Post Graduate Diploma in Retail Management (PGDRM)

44.3 Faculty: Faculty of Management

44.4 Duration: One Year or Two semesters

44.5 Eligibility: Graduation in any discipline

44.6 Seats: The basic unit will be that of 60 seats, Multiple of this unit can also be set up.

44.7 Admission Procedure: As Specified in the Ordinance no. 1

44.8 Academic Year: There would be academic cycle one from July to June and Second from January to December.

44.9 Selection Procedure: The University will issue admission notification in newspapers, on the notice board of the university and in other publicity media before the start of every academic cycle.

The list of candidates selected for admission shall be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The center will also display the University's selected list.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the

Mark sheets or Degree certificates, as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

The admission May be rejected due to following reason:

1. The fees are not enclosed.
2. The application form is not signed by candidate and his or her parent guardian, wherever required.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents or fees.

44.10 **Fees:** The Course fees shall be as decided by the Board of Management from time to time.

44.11 **Course structure:** Detail Course structure and examination Scheme will be produced at the time of the commencement of the course, after approval from the Board of Studies/ Academic Council/Governing Body.

44.12 **Eligibility to Pass:** A student requires to obtain 35% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 40% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

44.13 **Evaluation and Examination:** Refer to Ordinance 51(8)

44.14 **Eligibility Criteria for ATKT:** Refer to Ordinance 51(10)

44.15 **General:** In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system of pattern of examination. The course content is subject is change from time to time. In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 45

Post Graduate Diploma in Computer Graphics & Animation PGDCGA

45.1 **General**:	Post Graduate Diploma in Computer Graphics and Animation is a new field that is attracting professionals in this arena of vast potentiality. This course which is open to all Graduates will provide good Job opportunity in the emerging fields of Computer Graphics and Animation which has become a part of daily dose of electronic media viewing.
45.2 **Title**:	Post Graduate Diploma in Computer Graphics and Animation PGDCGA
45.3 **Faculty**:	Faculty of Information Technology
45.4 **Duration**:	One year (or two semesters)
45.5 **Eligibility**:	Graduate in any discipline
45.6 **Seats**:	The basic unit will be of 60 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.
45.7 **Admission Procedure**:	As specified in Ordinance No. 1
45.8 **Academic Year**:	There will be two academic cycles one from July to June and second from January to December.
45.9 **Selection Procedure**:	The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like T.V. and Radio before the start of every academic cycle.

The list of candidates selected will be displayed on the Website, on the notice board and the students will be informed directly about their admission.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/Degree Certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

The admission may be rejected due to any of the following reasons:

1. The fee is not paid by the due date.
2. The application form is not signed by the candidate and his/her parents/ guardians.

3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the university after verification & submission of all the necessary documents and fees.

45.10 **Fees:** The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

45.11 **Course Structure & Examination Scheme:** Detailed Course Structure and Examination Scheme of different specializations shall be presented at the time of commencement of the course after approval from the Board of Studies/Academic Council/ Governing Body.

45.12 **Eligibility to Pass:** A student requires to obtain 35% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 40% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

45.13 **Evaluation and Examination:** Refer to Ordinance 51(8)

45.14 **Eligibility Criteria for ATKT:** Refer to Ordinance 51(10)

45.15 **General:** In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice-Chancellor of the university shall be final. However on the recommendations of the Academic Council the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination. The course content is subject to change from time to time.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 46

Post Graduate Diploma in Finance & Tax Consultancy (PGDFTC)

46.1 **Introduction:**

The professional Diploma in Finance and Tax Consultancy Program is a career-oriented program. This career - orientation is built into the design and administration of the program. The body of knowledge, curriculum design, education methodology, examination and grading process, all has a thrust on improving the skills for new career opportunities for the students.

Students who have successfully completed their respective Professional Diploma in Finance and Tax Consultancy Program may seek exciting career opportunities in several fields of finance, accounting, taxation and auditing.

Opportunities for Professional Diploma in Finance and Tax Consultancy Program.

- Corporate Accounting
- Internet & Management Auditing
- Tax Consulting
- Finance Consulting
- Investment Consulting
- Management Consulting
- Accounting Research & Education
- Consultancy Services

46.2 **Title :** Post Graduate Diploma in Finance & Tax Consultancy (PGDFTC)

46.3 **Faculty :** Faculty of Commerce

46.4 **Duration** One Year (or Two Semesters)

46.5 **Eligibility :** Bachelor of Commerce or equivalent Subjects

46.6 **Seats:** The basic unit will be of 60 seats. Multiples of this unit can also be set up by the Board of Management.

46.7 **Admission Procedure :** As specified in Ordinance No. 1

46.8 **Academic Year:** There will be two academic cycles one from July to June and second from January to December.

46.9 **Selection Procedure:** The University will issue admission notification in newspapers, on the notice boards of the University and in other publicity media like, T.V. and Radio before the start of every academic cycle.

The list of candidates selected will be displayed on the Website, on the notice board and the students will be informed directly about their admission.

The candidates whose results are awaited can also apply, such candidates, however must produce the Mark sheet/degree certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted will be cancelled.

1. The admission may be rejected due to any of the following reasons.
2. The Fee is not paid by the due date
3. The application form is not signed by the candidate and his/her parents/guardians.
4. The supporting documents for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the university after verification & submission of all the necessary documents and fees.

46.10 **Fees:** The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

46.10 **Course Structure and Examination Scheme**: Detail Course structure and Examination Scheme will be the same as BCA 1st Year or as produced at the time of the commencement of the course, after approval from the Board of Studies/Academic Council/ Governing Body.

46.11 **Eligibility to Pass:** A student requires to obtain 35% Marks in each paper, in theory and practical Examination separately and 40% in aggregate to pass the Semester End/ Year End Examination.

46.12 **Evaluation and Examination**: Refer to Ordinance 51(8)

46.13 **Eligibility Criteria for ATKT**: Refer to Ordinance 51(10)

46.14 **General**: In all matters, pertaining to the Course, the decision of the Vice Chancellor of the University shall be final; however, on the recommendation of the Academic Council the Vice Chancellor will be competent to change the system/pattern of Examination.

In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 47

Master of Philosophy (M. Phil.)

47.1. Introduction: The Master of. Philosophy (M.Phil.) program will provide an opportunity to the students to undertake advanced studies in the subject in which he or she has already acquire post-graduation. This would also act as a pre Ph.D. course leading to the Ph.D. program in the same subject.

47.2. Title: Master of Philosophy (M. Phil.)

47.3. Duration: One Year (or Two Semesters)

47.4. Eligibility: Master Degree in Relevant and/or interdisciplinary Subject with 55% marks and 50% marks in case of SC/ST candidates.

47.5. Seats: The basic unit will be that of 30 seats in each subject. Multiple of this unit can also he set up.

47.6. Admission Procedure: Merit come interview shall be criteria for admission. The marks as obtained at Post graduation from a recognized University or Institution.

47.6. Academic Year: There would be academic cycle one from July to June and the second from January to December

47.7. Selection Procedure: The University will issue admission notification in newspapers, on the notice board of the university and in other publicity media before the start of every cycle.

The list of candidates selected for admission will be displayed on the website or the students will be informed directly about their admission. The center will also display the university's selected list.

The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheets or Degree/certificates as a proof for required eligibility criteria before the cutoff dale failing which the provisional admission granted will be cancelled.

The admission May be rejected due to following reasons:

1. The fees are not deposited in time.

2. The application form is not signed by candidate and his or her parent, guardian, wherever required.
3. The supporting documents required for admission are not enclosed.

Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents or fees.

47.8. **Fees**: The Course fees will be as decided by the Board of Management from time to time.

47.9. **Course structure**:

I. Compulsory papers.
   Paper I
   Paper II

II. Optional paper (any one of the following) :
   Paper III
   Paper IV
   Paper V

III. Dissertation (Mini thesis based on experimental or theoretical or analytical or survey work.

Note: The minimum pass marks shall be 40% in each paper and dissertation, separately and 50% in aggregate. The candidates securing 60% or above marks will be declared as passed with merit.

Paper Code	Papers / Dissertation	Theory	Seminar	Total
	Paper I	80	20	100
	Paper II	80	20	100
	Paper III	80	20	100
	Dissertation	150	50	200
	Total Marks	390	110	500

47.10. **Courses** : Physics, Chemistry, Mathematics, Geology, Statistics, Criminology and Forensic Science. Electronics, Nanoscience and Technology, Nanotechnology, Materials Science, Engineering physics. Non-conventional Energy, Computational Mathematics, Computational Physics, Computational Chemistry, Polymer Chemistry, Industrial Chemistry, Actuarial

Science, Fashion Design & Technology, Biotechnology, Microbiology, Bioinformatics, Botany, Zoology, Bioscience, Biochemistry, Anthropology, Food Science & Technology, Information Technology, Management, Commerce, English, Hindi, Economics, History. Political Science, Geography, Psychology, Sociology, Linguistics (Pali, Prakrit, Sanskrit), Fine Arts, Social Work, Public Administration, Interior Design & Decoration, Foreign Languages (French, German, Chinese, Japanese, Russian), Journalism & Mass Communication, Library & Information Science, Law, Education, Pharmacy, Physical Education and further disciplines.

The syllabus of different courses/papers will be approved by the Academic Council and prepared by the Board of studies of the University from time to time. The evaluation of seminar shall be clone by the internal members of the Department Faculty. For the evaluation of Dissertation and its viva-voce there shall be an external examiner along with the concerned guide/ supervisor as an internal examiner.

47.11 **General:**

In all matters, pertaining to the courses, the decision of the Vice-Chancellor of the University shall be final. However, on the recommendation of the' Academic Council, the Vice-Chancellor shall be competent to change the system or pattern of examination, The papers are subject to change from time to time as specified by the Academic Council / Board of Studies.

In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice Chancellor of the University shall be final, However, on the recommendation of the Academic Council the Vice Chancellor will be competent to change the system/pattern of Examination. In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 48

DOCTOR OF PHILOSOPHY (Ph.D.)

The Degree of Doctor of Philosophy (Ph.D.) may be obtained in any faculty /Subject of the University, subject to general guidance of the Academic Council and general control of the faculty concerned research studies for PhD. shall be organized by the various Research Degree Committees/ Board of Studies.

Eligibility:

1. A candidate for the degree of Doctor of Philosophy must, at the time of application hold Master's degree with at least 55% marks (50% marks for SC/ST candidate and Physically and visually handicapped candidates) or an equivalent grade of M. Phil. degree.

2. Provided that a candidate who has at least 7 years' experience of research or teaching experience of five years teaching with at least 2 papers published in standard research journal, may be permitted to get registered for Ph.D. degree, even if he / she does not possess 50% marks at the Postgraduate degree.

3. Provided that the candidate having at least 50% marks in M. Tech. / M. Sc. (in disciplines other than instrumentation with 2 years' experience of teaching / research in instrumentation) shall be eligible for registration to PhD. in Instrumentation Engineering.

4. The fellow members of the Institute of Chartered Accountants and / or Institute of Cost and Works Accountants and / or having qualification of C.S. shall be held eligible for registration for Ph.D. in the subject inthe concerned Board of Studies in the faculty of Commerce provided that they possess a Bachelor's Degree of any statutory University. Such candidate should have at least 5 years professional experience.

5. It will be the responsibility of the candidate to ensure his / her eligibility and fulfillment of such other conditions as may be prescribed for registration in the rules and regulations of the University. The registration to Ph.D. will be subject to availability of seats and experts for guidance /supervision in the area of research to be chosen by the candidate, before the submission of application form, the candidate is required to ascertain these facts from the concerned Department.

Besides above, an entrance test shall be conducted prior to the registration for Ph.D. Merely qualifying the entrance test will not ipso-facto entitle a candidate to get him / her registered for Ph.D. in the department concerned, if he/she does not fulfill the minimum marks criteria.

Regular College / University teachers, M. Phil. degree holders, NET / SLET qualified candidates will be exempted from the entrance test.

The candidates in employment will have to submit No Objection Certificate (NOC) from their Employer.

A candidate must apply for registration for Ph.D. degree of his / her subject on the prescribed form obtainable on payment of prescribed fee, stating-

(i) His / her qualification and experience;

(ii) Subject in which he / she proposes to work;

(iii) The field or topic of Research work;

(iv) Name of the supervisor (along with the name of Co-supervisors, if any) under whom he / she wishes to work and the place/places at which he / she wishes to carry on investigations together with the consent of the supervisor and Co-supervisors, if any.

The application must also be accompanied by the following fees:

(a) Registration fees

(b) A certificate from the Head of the University Teaching Department of the Principal of the Institute / Center of the University or Head of a Research Institute recognized for the purpose by the University testifying that adequate facilities exist and stating that the Head of the University Teaching Department or the Principal or the Head of the Research. Institute will in case the candidate is permitted, will allow the candidate to work in his / her department of college or institute under the supervision of the person/ persons mentioned in the application.

(c) Attested copies of the mark sheet / grade sheet of Master's degree examination and (M. Phil. degree examination, eligibility and migration certificates whenever necessary should be enclosed with the application. Application for registration may be submitted any time during the academic year.

(d) A certificate from the Finance Officer or the Head of the Institution where he/she wishes to pursue his / her research work, that he/she has paid the following first installment fees, be enclosed.

(i) Tuition fee
(ii) Library fee
(iii) Library caution money as per the provisions of the institution.
(iv) Identity card Fees
(v) Laboratory Fees
(vi) Laboratory caution money
(vii) Development Fees

(e) After payment of fees along with the completed application form the candidate will be provisionally admitted, provided that the application is found in order on being scrutinized by a Head of the Institute of the faculty appointed by the Vice-Chancellor.

(f) After having been admitted, each Ph.D. student shall be required to undertake course work for a minimum period of one semester. The course work shall be treated as pre Ph. D preparation and must include a course on research methodology which may include quantitative methods and Computer Applications. It may also involve reviewing of published research in the relevant field. A candidate shall require obtaining minimum 40% marks in the subsequent examination before he/she proceeds further with the writing of the dissertation. If found necessary, course work may be carried out by doctoral candidates in sister Departments/ Institutes either within or outside the University for which due credit will be given to them.

(g) Upon satisfactory completion of course work and research methodology, which shall form part & parcel of Ph.D. Program, the Ph.D. Scholar shall undertake research work and produce a draft thesis /Synopsis within a reasonable time, as stipulated by the university.

3. After successfully fulfilling the above requirements, the candidate shall be eligible to submit a synopsis of his proposed research work along with the title of thesis (in seven copies) duly forwarded by the supervisor and Head of the Institution

where the candidate is working. He shall be required to make an oral presentation of the proposed work before the Research Degree Committee (RDC) consisting of the following members.

(i) Vice-Chancellor or his nominee.

(ii) Head of the Institute of the concerned faculty.

(iii) Head of University Teaching Department in the subject.

(iv) Chairman, Board of Studies in the Subject.

(v) One external subject expert of the rank of University Professor to be appointed by the Vice-Chancellor ordinarily out of a panel of 5 experts given by the Chairman of the Board of Studies.

The external expert and two other members shall form the quorum.

Note: 1. On the request of the supervisor(s), vice-Chancellor may permit him to be present as an observer during the oral presentation of his candidate in RDC meeting.

2. No. T.A. & D.A. shall be payable to the candidate and the supervisor for attending the Research Degree Committee meeting.

4. The meeting of the Research Degree Committee shall be held in the University Office twice a year preferably in February and October. The committee shall recommend the eligibility of the person for the appointment as Supervisor/Co-supervisor. The committee shall also prepare a list of approved Supervisor/Co-supervisor along with their specializations as per provisions of the candidate for the Ph.D. degree.

On approval by the RDC the candidate, shall be registered and enrolled as a student from the date the Head of the Institute / College / Institution forwarded the application or the date, on which the candidate deposits the registration fee, whichever is later. He / She will also be required to pay regular tuition, library and laboratory fees (six monthly) during the research tenure.

Provided that the RDC does not recommend a candidate for registration to PhD. degree, the caution money deposited by the candidate shall be refunded.

5. A candidate shall ordinarily be permitted to work for Ph.D. degree in the subject in which he/she has obtained his /her master's degree.

Provided that, research work leading to PhD degree may be allowed in allied subjects of interdisciplinary nature of the same faculty or of allied faculties. In such cases the candidate may also be permitted to work under one or two co-supervisors, along with the supervisor.

6. A candidate shall pursue his research at the institution from where his / her application form has been forwarded under section 7(b) of the Ordinance.

Provided that a candidate permitted to work in a research establishment recognized by the University shall be required to take at least one co-supervisor along with the supervisor one of them should be the teacher of the University and the other a Teacher/Scientist/Scholar/Director of Institution where the candidate is actually working.

Provided also a candidate may be permitted to carry out his/her practical work in a Research Institution/Research Lab/Laboratory of a University recognized by the University for the purpose under the supervision of a Scientist /Director/teacher of the Institution who mayor may not be the Co supervisor of the candidate.

7: The person recommended as, Supervisor/Co-supervisor to guide the Research Scholar must be:

(i) A Professor/Reader/Lecturer in a University Teaching Department or an Institution/ associated affiliated to any University possessing a doctorate degree and has published at least 3 research papers in Standard Research Journalism and has at least three years teaching experience after Ph.D.

OR

(ii) A teacher of the University Teaching Department or a college affiliated to any University who has obtained a Doctorate degree in the subject and published at least 3 Research papers, in Standard Research Journals and has at least three years teaching experience after Ph.D.

OR

(iii) (a) A Scientist/ Scholar/ Director/Senior Officer working in a research institute/organization/Industry/Establishment/Laboratory recognized by the University as a research center, who has obtained a doctorate degree and published 3 research papers on concerned subject in standard research journals and has 5 years' post-doctoral research or related work experience.

(b) The person recommended as co-supervisor to guide Research Scholar together with Supervisor must be: A teacher/Scientist/Director/Senior Officer of, any University Research Establishment who has obtained a Doctorate degree, and has published at least 3 research papers in standard Research journals, with 5 year post-doctoral research or related work experience.

(c) A recognized supervisor who fails to publish any research paper over duration of five years shall not be eligible to enroll any new-candidate under his supervision. Provided that the persons who have been recognized as supervisors/Co-supervisor shall be eligible to supervise even after superannuation.

Provided also that, the teacher who has been recognized as Supervisor/Co-supervisor under the repealed ordinance shall continue to be recognized Supervisor/Co-supervisor. Provided further that, a person who is himself registered for Ph.D. degree of any University shall not be eligible to act as Supervisor/ Co-supervisor or member of any committee mentioned in this Ordinance.

8. (a) The candidate shall pursue his research at the approved place of research under the Supervisor / Co-supervisor on the approved subject. The candidate shall be permitted to submit his/her thesis not earlier than 24 months and not later than four calendar years from the date of registration. In case a candidate does not submit his/her thesis within four calendar years from the date of registration and does not apply for extension in time his/her registration shall stand automatically cancelled. Provided that, the period for submission of thesis can be extended by one year by the Vice Chancellor. If he/she applies for extension at least one month before the expiry of the registration period together with a fee of Rs. 1000.00. In case the candidate does not submit his/her thesis within the extended period, his/her registration. shall stand automatically cancelled.

Provided also that Vice-Chancellor may permit a candidate to re-register on the same topic on payment of a re-registration fee of Rs. 5000.00. The minimum period of 24 month and attendance shall not apply to such re-registered candidate.

(a) The candidate possessing M. Phil. degree or a teacher with 5 year teaching experience at the time of registration can submit his/her thesis after 18 months instead of 24 months as provided in section 8 (a) of the Ordinance.

(b) The candidate shall put in at least 150 days' attendance in the institute/department concerned or with the Supervisor/Co-Supervisor.

(c) Prior to submission of the thesis, the student shall make a pre-Ph. D. presentation in the Department that may be open to all faculty members and research students, for getting feedback and comments, which may be suitably incorporated into the draft thesis under the advice of the supervisor.

(d) Ph. D candidates shall publish one research paper in a referred Journal before the submission of the thesis / monograph for adjudication, and produce evidence for the same in the form of acceptance letter or the reprint.

9. The candidate may be allowed to change the Supervisor by the Vice-Chancellor on the recommendation of the committee constituted by the Vice-Chancellor for this purpose under special circumstances. No major change in the topic of research will be permitted due to the change of supervisor.

10. The University shall obtain after every six months, a record of attendance, receipt of fees paid and a progress report of the work of the Research Scholar through his/her supervisor.

The Research Scholar will make annual presentation of the work done by him before the D.R.C. If the work is found, unsatisfactory by the D.R.C. the Research scholar may be allowed to present his work before the D.R.C. within three months' time again. If the progress of work is again found unsatisfactory, the matter will be reported by the Chairman D.R.C. to the Vice-Chancellor for cancellation of registration of the research scholar. If the progress of work is not found satisfactory in two successive reports or no reports are received for a period of One year and the candidate fails to deposit fees. The Vice-Chancellor may order the removal of the name of the Scholar from the list of those registered fur the Ph.D. degree.

11. (a) The candidate shall submit six copies of the summary of the thesis together with a list of research papers published, communicated for publication, if any, through his Supervisor to the Registrar about three months prior to the anticipated date of submission of thesis.

(b) The Supervisors shall submit a panel of at least six names of examiners actively engaged in the concerned area of research not below the rank of Reader or College Professor in a sealed cover to the Registrar Provided that the panel of examiners shall be obtained from the Head. University Teaching Department/ Chairman, Board of Studies of the Subject concerned, in case the candidate is related to the supervisor.

(c) On the receipt of the panel of examiners from the Supervisor and summary from the candidate, the Controller of Examination / Registrar shall call a meeting of Examination Committee of the subject constituted by the Academic Council. The Committee considering the panel submitted by the Supervisor/Head, University Teaching Department, Chairman, Board of studies, will prepare a panel of six names to act as examiners. The Vice Chancellor shall appoint two external examiners out of the panel of six examiners.

THE TERM RELATIONS SHALL INCLUDE: Father, Mother, Wife, husband, Daughter, Son, Grandson, Grand Daughter, Brother, Sister, Nephew, Niece, Grandnephew &Grandniece, Uncle Aunt, Son-in-law, Sister-in-law, Mother-in-law, First-cousin in law etc.

12. The candidate shall supply three types written/photocopies hardbound of his thesis along with the following:-

(a) The candidate shall try as far as possible-to publish/communicate paper (s) for publication in Standard Research Journals and published/ communicated paper (s) shall be appended.

(b) The thesis must be accompanied by 1 declaration from the candidate that the thesis embodies his own work and he/she has worked under the Supervisor/Co-Supervisor at the approved place of work for the required period.

(c) The certificate from the Supervisor together with Co-supervisor, if any, that the thesis fulfills the requirements of the Ordinance relating to the Ph.D. degree of the University,

(d) The candidate shall also remit the examination fee along with the thesis.

13. On receipt of the thesis along with the certificates and fee it shall be sent to the examiners already consented as per Para 11(C) of the Ordinance.

14. The thesis to be accepted for the award of the Ph.D. degree must comply with the following conditions:

(a)]t must be a piece of research work characterized either by the discovery of the facts or by a fresh approach towards the interpretation of facts in

either case it should evince the candidate's capacity for critical examination and sound judgment.

(b) It must be satisfactory in point of language and presentation of the subject matter.

15. The examiners shall categorically recommend in the prescribed proforma prepared by the academic council and approved by the board of management acceptance or revision or rejection of the thesis together with detailed comments on the points spelled out in clause 14 of the Ordinance. The examiner must also give a list of the questions if he so wishes to be asked at the lime of viva-voce examination.

16. (a) The examiners may seek clarification of the subject matter of the thesis from the supervisor. The Provision will be incorporated in the letter to be sent to the examiners while sending the thesis.

(b) The Vice-Chancellor can recall the thesis from an examiner who fails to send the report within three months of the date of dispatch of the thesis and appoint another examiner.

17. (a) In case both the examiners reject the thesis or one of them rejects the thesis and the other recommends a revision, the thesis shall be rejected.

(b) If both the examiners recommend for the revision of the thesis, the candidate shall be called upon to revise the thesis in the light of the observations of examiners.

(c) If one examiner approves the thesis and the other rejects it or recommends for revision the thesis shall be sent to the third examiner drawn from the panel of examiners by the Vice-Chancellor without the reports of earlier examiners, the report of third examiner shall be final.

(d) In case both the original examiners accept the thesis for the award of the Ph.D. degree or in the event of its being referred to the third examiner the third examiner accepts the thesis for the award of the Ph.D. Degree, the candidate shall be called upon to appear at the viva-voce examination before a board of examiners comprising of the Supervisor, Co-supervisor (if any) and one of the two examiners Selected by the Vice-Chancellor.

The Vice-Chancellor shall appoint Head of the Institute or Chairman Board of Studies of the subject concerned to act as viva-voce examiner, in place of the Supervisor in case the candidate is related to the Supervisor.

(e) The Supervisor/Head of the University Teaching Department, Chairman Board of studies or the subject concerned, as the case may be, shall be communicated the name of the external examiner appointed by the Vice-Chancellor to conduct the viva-voce examination. The date fixed for the viva-voce be informed to the candidate and the Registrar.

Provided that in special circumstances the Vice-Chancellor may appoint alternate viva-voce examiners if both the examiners are not in a position to conduct the viva-voce examination.

(f) The viva-voce examination shall be conducted at the University Teaching Department in the subject or at any place fixed by the University for the purpose. The time and place of viva-voce examination shall be notified by the Registrar or the Supervisor on the University Notice Board at least a week or 3 days in advance. At the time at viva-voce examination the board of examiners shall be provided the report of the examiners which shall be returned along with the report of viva- voce examination to the Registrar/Controller of Examination,

(g) The candidate shall present the work embodied in the thesis before the board of examiners, members of faculty research scholars and other interested persons. After the presentation of the research work, the Board shall question together with those questions which have been given along with examiner's reports. Others in the audience can also ask questions and the candidate shall reply only those questions which are permitted by the external examiner.

(h) In case, the recommendation of the viva-voce examiners differ from that of the thesis examiner or there is a difference of opinion between the viva voce examiners the candidate shall reappear at a second viva-voce examination and if he/she fails to satisfy the viva-voce examiners a second time his/her thesis shall be finally rejected. Such candidates would be required to pay an additional fee Rs. 2500.00 for second viva-voce. The external examiner for second viva-voce shall be appointed by the Vice-Chancellor.

18. If the examiners recommend that the candidate be asked to revise/ improve his thesis, the Vice-Chancellor shall permit the candidate to resubmit his thesis not earlier than six months and later than eighteen months, the period being counted from the date of the issue of order to the candidate. The candidate shall be provided examiner(s) reports without disclosing the names of the examiners (I) enable him/her to improve the thesis. One copy of the thesis shall also be returned to the candidate.

In case, the candidate is allowed to resubmit the thesis he/she will have to pay a fee afresh at the time of resubmission, but it shall not be necessary for him to reproduce any certificate of further attendance at the institute at which he/she carried out the work.

The resubmitted three copies of the thesis should clearly mention that it is a revised version.

The thesis shall be got examined as far as possible by the examiners who finally recommended for revision.

In case, both the examiners of revised thesis accept the thesis for the award then the candidate shall be awarded the Ph.D. Degree on successful viva-voce examination as per provisions of the clause 17 of the Ordinance.
In case, a candidate is asked to revise the thesis under clause 17(b) and one of the examiners recommends again for re-revision and the other accepts the thesis for award then the thesis shall be sent to the third examiner. If the third examiner rejects or recommends for revision the thesis shall stand rejected. If, he accepts for the award then the candidate shall be awarded the Ph.D. Degree on successful viva-voce examination as per provision of clause 17 of the Ordinance.

In case, a candidate who has been asked to revise the thesis under clause 17(c) and one of the examiners recommends again for revision and the other accepts the thesis for award then the candidate shall be awarded the Ph.D. Degree on Successful viva-voce examination as per provision of clause 17 of the Ordinance.

If the revised thesis is required to be revised a second time it shall automatically stand rejected.

19. Maximum number of research candidates that can be registered and allowed to pursue research work under a supervisor at any particular time shall be eight for Professor/ Readers and six for Lecturers. The additional two candidates, if they are getting fellowship, may be allowed by the Vice Chancellor

    Provided that the candidates registered with the Co-supervisor shall not be counted for the number of Candidates under a Supervisor.

20. No research scholar shall join any other course of study or appear at any other examination conducted by any University leading to degree (except Certificate/ Diploma Course of Languages Research Methodology, Statistics, Computer Courses).

21. The thesis shall be published only with the permission of the University and such publication shall state on the title page itself that this was a thesis approved for the award of the Ph.D. Degree of the University.

22. After the viva-voce, the recommendation of the examiners shall be reported to the Executive Council for the award of Ph.D. degree to the Candidate. One Copy of the thesis will be kept in the university Library and another copy will be kept in the Departmental Library of the Institution where the research work was carried out; the third will be returned to the Supervisor.

23. After the declaration of the result, the successful candidates may be provided the copies of reports of examiners who recommended for the award of the degree on payment of fee of Rs. 500.00. The report will not disclose the identity of the examiners.

24. The candidates who have already been registered for Ph.D. Degree under the repealed Ordinance will continue to be governed by the provisions of this or repealed Ordinance.

25. The candidates who have applied for registration but have not been registered till this ordinance comes into force shall be governed by the provisions of the Ordinance.

26. On detection of any irregularity, the University shall take suitable steps to withdraw the degree as per provisions of Section 6(12) of the Ordinance.

27. In case of any dispute, the matter shall be decided under jurisdiction of District Court, Raipur and High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE 49

Award of Degrees, Diplomas, Certificates and Other Academic Distinctions

1. The candidate after passing the examination prescribed for a particular certificate, diploma or degree shall become entitle for the award of the said certificate, diploma or degree respectively as the case may be.

2. The Registrar shall place the names of all the successful candidates for the award of certificates, diplomas or degrees before the Academic Council soon after the declaration of the results. On approval by the Academic Council, the Provisional Certificates, Diplomas and Degrees shall be issued to the respective candidates by the Registrar.

3. The Certificates, Diplomas and Degrees shall be signed by the Vice-Chancellor.

4. The approval accorded by the Academic Council for the award of the Certificates, Diplomas Degrees or any other distinctions / awards shall be placed before the Board of Management for its concurrence. On being concurred by the Board of Management, the degrees, diplomas and certificates shall be awarded to the successful candidates at convocation.

5. The nomenclature of the Degree/Diploma/Certificate that would be conferred by the University under different Department/Institute/Center is shown in the Ordinance No. 2.

Ordinance 50

Norms for the Award of Fellowships and Scholarships, Stipends, Medals and Prizes

1. (a) Every year the University shall invite applications through notifications in newspaper for the awards to be made for Fellowships, Scholarships and Students Scholarships.

   (b) All awards of Fellowships, Research Scholarships and other scholarships shall be made on the recommendation of a committee consisting of –

   i. The Chancellor — Chairperson

   ii. The Vice Chancellor — Member

iii. Three Heads of the Institute of Faculties/Departments appointed by the Board of Management/Academic Council Every Year.

iv. The Registrar — Member Secretary

2. Subject to the general conditions applicable to all Research Fellowships and Scholarships as laid down in paragraph 4 below, the value, duration and conditions for the award of All India Fellowships shall be such as are laid down by the University Grants Commission/CSIR/DST/BRNS/Other Regulatory Bodies.

3. The value and duration of Scholarships/Fellowships instituted by the Governing body of the University shall be laid down by the Academic Council and approved by the Board of Management. The Selection of the candidates shall be made in accordance with the regulations laid down by the Board of Management from time to time.

i. The Fellow/Scholar will do whole time Research Work under an approved guide on a subject approved by the ITM University.

ii. The Fellow/Scholar shall not accept or hold any appointment paid or otherwise or receive any emolument, salary, stipend etc. from any other source during the tenure of the award nor shall engage himself/herself in any profession or trade during the period. He may, however undertake teaching assignment of not more than nine hours a week in the institution, where he is working without accepting any remuneration.

iii. The fellow/Scholar shall not join any other course of study or appear in any examination after commencing work under the Fellowship/ Scholarship.

Provided that the Vice-chancellor may on the recommendation of the guide permit the Fellow/Scholar to join a Language/Computer Diploma Course and appear in an examination therefore.

Provided further that exemption could be provided for those also who wish to appear in an examination or a subject relevant to the problems of research without supplicating for a degree.

iv. Unless permitted by the guide to work for a specified period at some other place the Fellow/Scholar shall be required to attend the institution, where he is to work, on all working days.

v. If any information submitted by the Fellow/Scholar in his application is found to be incorrect, incomplete or misleading, the award may be terminated by the Academic Council after giving him opportunity of being heard.

vi. If at any time it should appear to the University that the progress or conduct of the Fellow/Scholar has not been satisfactory, the Fellowship/ Scholarship may be suspended or withdrawn by the Academic Council/ Standing committee.

vii. (A) The leave for a maximum of Thirty Days in a year in addition to general holiday may be taken by a Fellow/Scholar with the approval of the guide and the ITM University. The general holidays, however, do not include the vacation period e.g. summer, Dussera, Deepawali and Christmas vacation. No other leave with Fellow/Scholar shall be admissible.

*Provided that the women awardees would be eligible for Maternity Leave at full rates for a period not exceeding Three Months once during the tenure of the award.

(B) The Fellow/Scholar may, in special case, be allowed by the ITM University leave without Fellowship/Scholarship for a period not exceeding Three Months during the tenure of the award on the recommendation of the guide.

viii. The Fellow/Scholar shall be required to pay the fees prescribed by the institution where he works.

4. Graduate and Postgraduate Scholarships instituted by the University shall ordinarily be tenable for two academic sessions i.e. twelve months in the first year and ten months in the second year on condition that the scholarship holder produces a certificate of efficiency in studies from the Head of the Institute in the subject of study.

5. The scholarship shall be tenable from the 1st of August if the scholarship holder joins the course within one month of the date of the opening of the University/College after the summer vacation and pays the tuition fce from the commencement of the session. In any other case, it shall be tenable from the date on which the candidate joins the course.

6. A Scholarship shall be withdrawn in the subsequent year if the scholarship holder fails to secure at least 60% marks in the Previous Examination of the concerned course.

7. If a scholarship-holder is unable to appear at the previous examination an account of sickness or any other reasonable cause, the scholarship shall be paid only if the Head of the Institution certifies that the scholar diligently studied for

the examination but was unable to take the examination for reasons beyond his/her control. Such a scholar shall not receive scholarship during the next session but shall be entitled to the scholarship for the subsequent year if the scholar passes the previous examination with the requisite standard in the succeeding year in the first attempt.

8. A scholarship-holder shall at all-time exhibit good behavior and observe all rules of discipline.

9.1 A scholarship shall be liable to termination, if –

i. The scholarship-holder discontinues studies during the middle of a session

or

ii. The scholarship-holder after he has been given a reasonable opportunity to explain his conduct is in the opinion of the Academic Council guilty of a breach of Para 8 of this ordinance and if the Academic Council so direct, the scholarship-holder also be liable to refund the amount of scholarship drawn by him/her.

9.2 The order of termination passed by the Academic Council shall be final.

ORDINANCE 51

The University Examinations

CHAPTER-I

DEFINITIONS:

1.1 Academic Program means a program of courses and/or, any other component leading to a Bachelor's degree, Master's degree, Post-graduate and Graduate diplomas, M. Phil, Ph.D. Degrees and certificates.

1.2 An Academic Year is a period of nearly 12 months devoted to the completion of requirements specified in the Scheme of Teaching and the related examinations.

1.3 Semester System - a program wherein each academic year is apportioned into two semesters each of six months.

1.4 Course means a component of the academic program, carrying a distinctive code no. and specific credits/Marks assigned to it.

1.5 External examiner means an examiner who is not in the employment of the University or its institutions/centers/departments/

1.6 Internal Examiner means an examiner who is in the employment of the University or its Institutions/ Centers/departments.

(i) In case of theory paper, an examiner including a paper setter who is a teacher of the University, Departments/Study Center, or Institution identified as Centers of the University for that location.

(ii) In case of practical and viva -voce examination, an examiner who is a teacher in the University, Departments, Study Centers or Institution whose candidates are being examined at that examination center.

1.7 Co-Examiner means a co-examiner in a written paper other than the paper setter.

1.8 Student means a person admitted to the Departments of the University and its associated institutions/centers for any of the academic programs to which this Ordinance is applicable.

1.9 Regular Candidate means a person who has pursued regular course of study in the ITM University Teaching Department or Institutes/centers and seek admission to an examination of the ITM University as such.

1.10 Ex-student means a candidate who was admitted to an examination as a regular candidate and was not declared successful thereat or was not able to appear in the examination though admission card was correctly issued

to him by the ITM University and seeks admission again to the said examination.

1.11 ATKT Candidate means a candidate who failed in not more than 35% of the total number of papers in the Semester Examination where the calculation of 35% shall always be rounded off towards higher side, and is appearing in the Examination of same semester again which is organized with the next Semester Examination.

1.12 Second ATKT Candidate means a candidate who has failed in not more than 35% of the total number of papers in the Semester End Examination and failed again to pass those paper(s) in that Examination organized with the next Semester End Examination, and now is appearing for the second and final time to clear those paper(s) with the regular Semester End Examination of the same semester organized for the students of the next batch i.e. junior batch (batch junior to him / her immediately).

1.13 A regular course of study means a regular course of study in a University Teaching Department, or Institutes/centers in each subject which a candidate intends to offer for an examination.

1.14 The students shall have to fulfill the following requirement of attendance as follows:

(i) In case of faculties other than the faculties of Medicine, Ayurveda and Engineering, attendance at least seventy-five percent of lectures and practical is required, separately.

(ii) In case of the Faculties of Medicine and Ayurveda, attendance at least seventy-five percent of lectures and eighty-five percent of practical and clinical is required, separately.

(iii) In case of the Faculty of Engineering attendance at least eighty-five percent of lectures and practical/ sessional work is required, separately.

1.15 Forwarding Officer' means:

The forwarding officer means the Head of the Institute / Institute / Department / Center where the candidate had pursued a regular course of study as a regular student or was a regular student and wants to appear in an examination as an Ex-Student.

1.16 Attested means attested by the Forwarding Officer.

1.17 University shall mean ITM University.

Chapter – II

2. University Examination

2.1 The University shall hold examinations for all such academic programs as are approved by the Academic Council and as it may notify from time to time for awarding Bachelor's/Master's degrees, Under-graduate/Post-graduate diploma and certificates, as the case may be, as per the prescribed Schemes of Teaching & Examinations and Syllabi as are approved by the Academic Council.

2.2 Examinations of the University shall be open to regular students and Ex-students.

Provided that the Academic Council may allow any other category of candidates to take the University Examination for any specified academic program subject to the fulfillment of such conditions as may be laid down by the Academic Council from time to time.

2.3 No person who has been expelled or rusticated from the University only or has been debarred from appearing at the University Examination shall be admitted to any Examination during the period for which the sentence is in operation.

Provided further that, a student may be debarred from appearing in the semester/Year end examination due to shortage of attendance and other reasons as provided in any other Ordinance of the University.

3. PROGRAMMES CONTENT & DURATION

3.1 A Bachelor's/Master's degree, M. Phil Degree and Under-graduate Post-graduate diploma programs shall comprise of a number of courses and/or, other components as specified in the Scheme of Teaching & Examination and Syllabi of the concerned program, as are approved by the Academic Council. Each course shall be assigned a weight-age in terms of specified Credits/Marks from time to time.

3.2 The minimum period required for completion of a program shall be the program duration as Specified in the Scheme of Teaching & Examination and Syllabi for the concerned program.

3.3 The maximum permissible period for completing a program for which the prescribed program duration is a semesters, shall be (n+4) semesters where "n" is the total number of Semesters. All the program requirements shall have to be completed in (n+4) semesters.

4. SEMESTER

4.1 An academic year shall be apportioned into two semesters. Each of the two semesters shall be of a working duration of about 23 weeks.

The Academic Calendar shall be notified by the University each year, before the start of Academic session,

4.2 The academic break-up of the semesters devoted to instructional work shall be as given below.

a)	Imparting of instructions and/or, laboratory work (Including Class Tests)	-	19	Weeks
b)	Preparation Leave	-	01	Week
c)	Semester end Examination, including Practical/ Laboratory Examination	-	03	Weeks

5. Submission of Internal Marks

The results of assignments, Class tests and attendance shall be submitted to the Controller of Examinations at least ten days before the commencement of Semester End examination. The internal marks should carry prescribed weight-age of Class test, Assignments and Attendance.

6. Admission to the University Examination

6.1 All the students for permission to appear at any of the Examination of the University shall have to fill up the prescribed examination form and forward it to the controller of Examinations through the Head of the Institute of the Faculty/Head of the concerned Institution/Department.

6.2 In forwarding the applications of the Regular Students the Head of the Institute of the Faculty/the Head of the Institution or School concerned shall certify:

(i) That the candidate has satisfied him/her by the production of the Certificate from a competent authority that he/she has passed the Examination, which qualifies him/her for admission to the next Examination.

(ii) That the candidate has studied a regular course of study for the period prescribed and that he/she fulfills attendance requirements.

(iii) That his/her conduct is satisfactory.

(iv) Certificate at Sub-Para 6.2 (ii) above will be provisional and can be withdrawn at a time before the Examination, if the applicant fails to attend to the prerequisite number of lectures, tutorials, practical, N.C.C., parades etc. before the end of his/her University terms.

6.3 An application along with the Receipt for the payment of the prescribed Examination for set in these Ordinances submitted by a Regular Student, Ex-Student, for permission to appear or the Examination shall reach the office of the Controller of Examinations on or before the date announced.

6.4 A candidate may be permitted by the Controller of Examinations/Registrar to submit his/her Application form for semester Examination along with the Examination Fee with the prescribed Late Fee within 7 days of the specified last date.

6.5 Application for ATKT Examinations wherever applicable shall reach the office of the Controller of Examinations/Registrar within 30 days of the announcement of the result through the forwarding officer of the Institute wherein he has pursued a regular course of study.

6.6 Application for appearing in Second ATKT Examination shall reach to the Office of the Controller of the Examination 30 days before the commencement of the regular Semester End Examination through the Head of the Institute of the Faculty/the Head of the Institution or Department concerned in the prescribed form and specify therein :-

(i) The subject or subjects in which he/she desires to present himself/herself for the Examination.

(ii) Submit with the application evidence of having been admitted to the Examination earlier.

(iii) An ex-student shall offer the subjects or optional papers which he/she had previously offered as a regular candidate unless on account of a change in the scheme of Examination the subject/ paper offered by him earlier ceases to be a part of the scheme of

Examination or syllabus for the Examination and he is permitted by the University to offer instead a different subject or paper.

(iv) An Ex-Student will be required to appear in the Examination in accordance with the syllabus specifying the scope of studies in different subjects.

Every ex-student shall appear at the Examination center at which the regular candidates from the Department/institute/center in which he/she had pursued a regular course of study shall be appearing.

Provided that the Controller of Examination may for sufficient reasons, require or allow a candidate to change his/her Examination center.

6.7 No regular candidate shall be admitted to an examination of the University unless he/she:

(i) Has been enrolled as a student in the University Teaching Department/Institute/Center in accordance with the provisions of the Ordinances.

(ii) Possesses the minimum academic qualification for admission to the examination to which he/she seeks admission and has pursued a regular course of study for that examination.

(iii) Satisfies all other provisions, applicable to him/her, of this ordinance and any other ordinances governing admission to the examination to which he/she seeks admission.

6.8 No student of Distance Education course shall be admitted to an Examination of the University unless he/she.

(i) Fulfills the requirement of 75% attendance during contact program.

(ii) Submits the sessional answer scripts within desired time.

(iii) Submits the Dissertation within desired time frame.

(iv) Submits the project report/work within desired duration.

(v) Clears all the dues of annual/semester course.

6.9 Where a candidate offers an additional subject for an examination in accordance with the provisions of the Ordinance relating to the examination, the minimum attendance requirement shall apply equally in case of such additional subject.

6.10 In computing the attendance for fulfillment of the condition regarding persuasions of a regular course of study.

(i) Attendance at lectures delivered and practical/clinical/ sessional, if any, held during the academic session shall be counted.

(ii) Attendance kept by a regular candidate in a higher class shall be counted towards percentage of attendance for the examination of the lower class to which he /she may revert as a result of his/her failure to pass in the second/ATKT examination.

6.11 A candidate shall not be admitted into the Examination Hall unless he/ she produces the Admission Card before the Superintendent of the Examination center or the Invigilator or satisfies such Officers that it shall be produced. A candidate shall produce his Admission Card whenever required by the Superintendent or the Invigilator.

6.12 In the Examination Hall, the candidate shall be under the disciplinary control of the Superintendent of the center and he/she shall obey his/her instructions. In the event of a candidate' disobeying the instructions of the Superintendent or his undisciplined conduct or ignorant behavior towards the Superintendent or any Invigilator, the candidate may be excluded from that day's Examination and if he/she persists in misbehavior he may be excluded from the rest of the Examinations by the Superintendent of the Examination. The Superintendent of the Examination will send a detail account of the action and the reasons leading to such action to the Controller of the Examination/Registrar on the same day.

7. Attendance

7.1 A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the University, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each subject will be at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.

Provided that the Academic Council may, in special circumstances, condone any shortage in such attendance except otherwise provided by the Academic Council.

7.2 A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C./N.S.S. camp and parades. participation as a member of the' University team in any inter or intra University competition, participation on the University functions and the prescribed educational tours / field trips / field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the Teacher-in-charge, is sent to the Head of the Institute concerned within two weeks of the function / activity etc.

7.3 Provided further in case of sickness / medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official doctor of ITM University/Institute/Department/Study center. Such applications must be submitted either during the period of treatment /hospitalization or within two weeks following recovery.

8. EVALUATION & EXAMINATION

8.1 The overall weightage of a course in the Syllabi and Scheme of Teaching & Examination shall be determined in terms of credits/Marks assigned to the course.

8.2 The evaluation of students in a course shall have two components unless specifically stated otherwise in the Scheme of Teaching 8: Examination and Syllabi:

(i) Evaluation through a semester-end examination

(ii) Continuous evaluation by the teacher(s) of the course.

8.3 Continuous Evaluation:

COURSE COMPONENTS	APPORTIONED MARKS Bachelor's degree/ Under Graduate/ diploma	Master's degree/ /Post graduate diploma
(i) Theory Courses: The teacher's continuous evaluation shall be based on the following:		
Three Class Tests*	Mark Assigned: 80% of the Internal	Mark Assigned: 80% of the Internal
Assignment/Group Discussion/Viva	Mark Assigned: 20% of Viva-Voce/Additional Test/Quizzes etc.	Mark Assigned: 20% of the Internal

*The three class tests shall ordinarily be held after 4 weeks, 8 weeks and 12 weeks of teaching in accordance with the University Academic Calendar.

(ii) Practical/Laboratory Courses:

The teachers' continuous evaluation shall be based on performance in the laboratory, regularity, practical exercises/assignments, Total Internal Marks, quizzes, etc. The assessment shall be given at three nearly equi-spaced intervals.

8.4 ASSIGNMENTS

(i) The Issue, submission and evaluation of assignments will be the responsibility of the Heads of the Institute or respective colleges/Departments. He shall maintain complete honesty in preparation and evaluation of the assignments.

(ii) The entire class shall be divided in groups. Each group will be given a separate assignment with minimum commonality.

(iii) A minimum of two assignments per subject per semester will be given to the students.

(iv) Each student will be required to defend his, assignment after submission through a process of presentation / viva-voce.

(v) Assignments will be prepared as per a standard format, approved by the Academic Council from time to time specific to different departments.

(vi) Students will be required to submit the assignments within two weeks from the date of issue.

(vii) Assignments submitted after the due date will not be assessed for more than 50% marks.

8.5 Dissertation/Thesis

For dissertation/thesis for Master's degree programs, wherever specified in the syllabus, the evaluation shall be done and marks awarded by a Committee comprising 'of an internal' examiner, who will ordinarily be the supervisor, and one or more external examiners. The internal examiner shall award marks out of 40%, and the external examiner(s) out of 60%. The examiners shall be appointed by the Vice-Chancellor, out of panel of three or more names suggested as specified in this Ordinance.

The University shall have the right to call for all the records of teacher's continuous evaluation and moderate the teacher's evaluation, if it deems fit in any specific case(s).

8.6 Evaluation through a semester-end examination

		Bachelor's degree/ Under-graduate diploma	Master's degree/ Post-graduate diploma
A.	THEORY COURSES		
	(i) Semester end examination	70%	70%
	(ii) Continuous evaluation by the teachers	30%	30%
B.	PRACTICAL/LABORATORY COURSES		
	(i) Semester end examination	70%	30%
	(ii) Continuous evaluation by the teachers	30%	30%
C.	Dissertation/thesis		
	(i) Assessment by External Examiner	70%	70%
	(ii) Assessment by Internal Examiner	30%	30%

D. For any other component of a program not covered by the above, the weightage shall be prescribed by the Board of Studies ratified by Governing Body.

9. APPOINTMENT OF AMANUENSIS

9.1 An amanuensis shall be allowed in case of:

(i) Blind Candidates; and

(ii) The candidates, who are disabled due to an accident or disease and are unable to write with their own hands.

Candidates under 10.1(b) above shall have to produce a medical certificate from the Medical Officer, ITM University.

9.2 The Controller of Examinations, on receiving an Application from the candidate one week before commencement of Examination, will arrange for the appointment of an amanuensis and shall inform the Superintendent of Examination concerned.

9.3 The amanuensis shall be a person of a lower qualification than the candidate concerned

9.4 The Superintendent of Examination shall arrange for a suitable room for the disabled candidate and appoint a Special Invigilator from the list supplied by the office of the Controller of Examinations.

9.5 One extra hour will be given to the blind candidates for exams of 3 hrs. duration.

9.6 The remuneration to the amanuensis shall be given by the Office of the Controller of Examination at the existing approved rate.

10. Eligibility Criteria for ATKT candidate.

10.1 The following shall be eligible to appear at ATKT examination:

(i) Candidate who has failed at any Semester/Year End Examination in not more than 35% of the total number of papers of that particular semester/year including practical examinations. Fractional numbers in calculation of 35% of total number of papers shall always be rounded off to the higher side for the benefit of the student.

(ii) Candidate for examination those enumerated in (i) above who are declared eligible to appear at an ATKT examination in accordance with the provisions of the respective Examination Ordinance

10.2 In the case of subject ATKT examination in which there is also a practical test a candidate shall be required to appear in the written papers only if he has passed at the main examination in practical and in practical only if he has passed in the written papers. A candidate who has failed both in written paper and practical shall be examined in both the parts of the subject. Failing in practical and theory papers will be taken as failure to pass in two different papers.

10.3 Except when otherwise provided in this Ordinance a candidate who has been declared eligible for ATKT examination may appear as ATKT examination candidate in the next examination immediately following the examination in which he was declared to be so eligible and thereafter he shall be required to appear in all the papers at the next examination.

10.4 A candidate appearing in the ATKT Examination shall be declared to have passed the examination if he/she secured the minimum pass marks in the subject or group as the case may be except when provided otherwise in this examination Ordinance. The marks obtained by the candidate in the ATKT / Semester End Examination shall be taken into account in determining the final division Obtained by the candidate at the examination.

10.5 In case a candidate fails to pass his ATKT examination in first attempt, he/she will be provided one more attempt known as Second ATKT Examination for that particular Candidate, to pass those papers along with the regular Examination of that particular semester, whenever it is conducted by the University.

10.6 If such a candidate fails to pass his papers even in the second attempt known as Second ATKT then he/she shall cease to be a student of the University.

CHAPTER-III

II. Conduct of University Examinations

11.1 All University examinations shall be conducted by the Controller of Examinations under the direct control and supervision of the Registrar.

11.2 The schedule of examination shall be notified by the Controller of Examinations at least 10 days prior to the first day of the commencement of the University examinations.

11.3 For theory as well as practical examinations and dissertation / thesis/ project report / training report all examiners shall be appointed by the Controller of Examinations with the approval of the Vice-Chancellor.

11.4 Provided that the Vice-Chancellor may, at his discretion, delegate his authority for approval of the examiners. The Board of Management shall determine in consultation with the Academic Council the Centers of Examination in accordance with the provisions of the Act and the Controller of Examination shall in consultation with the centers, which have been declared as examination centers, appoint Superintendent and Assistant Superintendents (if any), for each examination center and shall issue instructions for their guidance. Provided that for the purpose of appointment of an Assistant superintendent at a center, the minimum strength of examinees appearing there-from shall be at least 300.

(i) The Superintendent of the Examination at each center shall be personally responsible for the safe custody of question papers and the answer-books sent to him and shall render to the University office a complete account of used unused papers and answer books.

(ii) The Superintendent shall supervise the work of invigilators working under him and shall conduct the examination strictly according to the instructions issued to him by the University.

11.5 The University may change the examination center or the examination time if it deems proper without assigning any reason.

11.6 The University may from time to time appoint Board of Quality Auditors to see that the examinations are conducted strictly in accordance with rules and procedures laid down. In the event of the Quality Inspector pointing out a breach of rules or procedure, the Vice-Chancellor may take such action as may be necessary including postponement or cancellation, wholly or in part of the examination at the center, and if any such action is taken

report of the action taken shall be made to the Board Of Management at its next meeting.

11.7 It shall be the duty/of the center superintendent to ensure that an examinee is the same person who has filled in the form of application for appearing at the examination, by way of checking the photograph pasted on the form.

11.8 The Superintendent of the Examination shall whenever necessary send a confidential report to the Controller of the Examination about the conduct of the Examination, mentioning therein the performance of the invigilators and the general behavior of the examinees. He shall send a daily report on the number of the examinees attending each of the examinations absentees roll numbers and such other information relating to the Examinations being held at the center as may be considered necessary, along with any other matter which he thinks fit to be brought to the notice of the University. He shall also be responsible for the maintenance and submission to the Controller of the examination, of the account of advance money received and expenditure incurred in connection with the conduct of the Examinations.

11.9 The center Superintendent shall have the power to expel an examinee from examinations on subsequent examination days on any of the following grounds:

(i) That the examinee created a nuisance or serious disturbance at the examination center.

(ii) That the examinee showed a seriously aggressive attitude towards an invigilator or a member of the staff entrusted with the examination work.

(iii) If necessary, the Superintendent may get police assistance. Where a candidate is expelled, the Controller of the Examination shall be informed immediately.

(Iv) Unless otherwise directed, only teachers of University Teaching Departments shall be appointed as Invigilators by the Superintendents. Invigilators can also be drawn from other educational institutions if so required

(v) No Examinee shall leave the Examination Hall within half an hour of the start of the Examination for any purpose whatever and no late comer will be permitted in the Examination Hall after half an hour of its commencement.

(vi) Examinee desirous of leaving the Examination Hall temporarily shall be permitted to do so for a maximum period of 5 minutes.

11.10 The Vice Chancellor may cancel an examination at all centers if he is satisfied that there has been leakage of question papers or any other irregularity which in his Opinion warrants such a step and reports the action taken at the next meeting of Board of Management.

11.11 The Board of Management in consultation with the Academic council may issue such general notices for the conduct of examination as they may feel required for its smooth conduct.

11.12 If a candidate has any communication to make on any discrepancy in the papers, he /she shall address it to the Controller of Examinations or Registrar but he / she shall not be allowed to not take the examination or leave it in between in any kind of anticipation of a favorable outcome of his/her communication.

11.13 For programmers being run in the university Departments recommendations for names or examiners shall be obtained from the concerned Boards of Studies. Where there is an exigency and the Board of Studies cannot meet the Chairman Board of Studies may recommend the names stating clearly why the meeting of Board of Studies could not be convened.

11.14 For programs being run in affiliated institutions, recommendations for names of examiners shall be obtained from the respective Program coordinator/Head of the Academic institute/Principals.

11.15 In emergent situations where for some reason the recommendations cannot be obtained from the Board of Studies/ Program coordinator / Head of the Academic institute/Principals is stipulated above, recommendations may be obtained from one of the Academician from the university nominated by the Vice-Chancellor.

11.16 The Controller of Examinations/Registrar shall be authorized to add one or more names in the panel of examiners received by him from Boards of Studied Program Coordinator/Head of the Academic institute / Principals/ authorized Academician before the list is submitted to the Vice Chancellor for approval.

11.17 After the receipt of the question paper(s) from the paper setter, the same shall be moderated by the moderator (s) who are to be appointed subject wise by the Registrar/Controller of Examination with the approval of Vice Chancellor. Controller of Examination shall ensure that minimum of three

question papers duly moderated in each subject are available in the question paper bank.

11.18 The Examiner appointed by the Controller of Examination, out of the approved panel for setting the Question paper shall set the Question paper, using the last year question papers wherever applicable, as a guide for the format of the question paper only if the pattern of the question/ paper is not changed by the Academic Council. The question paper shall be set out of the entire syllabus of a course.

11.19 Any attempt made by or on behalf of a candidate to secure preferential treatment in the matter of his / her examination, the matter shall be reported to the Controller of Examination 'who shall place the matter before the Vice-Chancellor for further necessary action.

11.20 Except as otherwise decided by the Examination committee, the examination answer books and the foil and counter foil of the marks obtained by the examinees except the tabulated results shall be destroyed or otherwise disposed off after 6 month from the date of declaration of the results of the examination provided that the evaluated answer books of revaluation shall be destroyed/disposed off only after 3 months of the declaration of the revaluation result.

11.21 The Controller of Examination shall publish the combined results of the University examination on the notice board of the office of the University in addition to the Internet. The result when published shall simultaneously be communicated to the institutions concerned.

11.22 The remuneration of the question paper setters, answer scripts, evaluators, examiners, Superintendents, Assistant Superintendents, Invigilators, Tabulators and Collators and the deductions to be made in the remuneration for errors noticed shall be such as prescribed from time to time by the Examination committee.

11.23 Where a student applies for revaluation, the answer books of the subjects in which the revaluation is sought will be sent to an examiner other than the one who evaluated it initially. The examiner so appointed will check and evaluate only those questions, which have been unmarked. He will also check the total. The answer book will not be re-evaluated for already evaluated questions. The marks of the student will be changed only if the difference in the marks of previous evaluation and the marks of re-evaluation is more than 10% or the student is passing the examination even when the aforesaid difference is not of more than 10%.

11.24 Provided that such an examiner will receive remuneration as prescribed by the Board of Management.

11.25 No candidate shall appear, in more than one-degree examination or in more than one .subject for the Master's degree in one and the same year.

11.26 No person who has been expelled or rusticated from any college Or University or has been, debarred from appearing at a University examination shall be admitted to any examination during the period for which the sentence is in operation.

11.27 Notwithstanding anything contained in the Ordinances relating to admission of candidates to an examination of the University, the Vice - Chancellor may, in special cases in which he is satisfied that the delay in submitting the application for admission to an examination is not due to lack of attentiveness or negligence on the part of the candidate and that it would be a great hardship to the candidate if his application is rejected, allow an application which is otherwise complete in all respects to be entertained with the late fee as prescribed by the Board of Management from time to time even though the same is received after the expiry of the period of fifteen days mentioned in the foregoing paragraph.

11.28 (1) A Candidate shall not be admitted into the Examination hall unless he/she produces a valid admission card duly issued to him / her by the Controller of Examination. The Controller of Examination shall issue an admission card in favor of a candidate if:-

(i) The application of the candidate is complete in all respects.

(ii) The fee as prescribed has been paid by the candidate.

(iii) The attendance shall normally be more than 75%.

11.29 Where the practical examination is held earlier than the examination in theory papers, a candidate shall not be deemed to have been admitted to the theory examination until he is issued an admission card for appearing in the examination.

11.30 The admission card issued in favor of a candidate to appear at an examination may be withdrawn if it is found that:

(i) The admission card was issued by mistake, or the candidate was not eligible to appear in the examination.

(ii) Any of the particulars given or documents submitted by the candidate in or with the application for enrolment, admission to the institute, college or school is false, fake or incorrect.

11.31 The Controller of Examination may, if he is satisfied that an admission card has been lost or destroyed, grant a duplicate admission card on the Payment of a fee prescribed. Such a card shall show in a prominent place the word "Duplicate".

11.32 Any candidate who has appeared at an Examination conducted by the University may apply to the Controller of the Examination for the scrutiny of his marks. In the answer scripts of theory papers in any subject and rechecking of his results. Such application must be made so as to reach the Controller of the Examination in the prescribed format within 15 working days of the publication of the result of the Examination.

11.33 The result of the scrutiny will be communicated to the candidate.

11.34 Duplicate copy of the following certificate shall be granted on payment of the fee as mentioned in the other ordinance of the ITM University.

11.35 Provided further, the duplicate copy of the Migration Certificate, Degree, Diploma shall not he granted except in cases in which the Vice-Chancellor is satisfied by the production of an affidavit on a stamped paper of proper value required by law for the time being in force that the applicant has not utilized the original documents for appearing at an examination and has lost the same or that the same has been destroyed and that the applicant really need a duplicate copy. Duplicate copy shall be issued only once.

11.36 The names of the first ten successful candidates in each final Degree Examination other than ATKT examination who obtain first division shall be declared In order of Merit.

11.37 Notwithstanding anything contained in the concerned ordinance an exam in who has appeared in all the theory papers, practical viva, internal assessment, field work project work at the end-semester examination as a regular candidate and fails by a total of not more than five marks in not more than three subjects in any of the Graduate examinations may be given a grace of us to five marks to enable him to pass he examination. These marks shall be counted towards the total. The grace consideration shall not be a matter of right of a candidate and is the prerogative of the vice chancellor.

11.38 Semester-end practical examinations shall be conducted by a Board of Examiners for each course. The Board shall consist of one or more examiners. Where practical examinations are to be conducted simultaneously in a number of institutions, more than one Board may be appointed. One of the examiners in that case may be designated as Head Examiner. The Head Examiner shall draw the guidelines for the conduct of examinations to be followed by various Boards to ensure uniformity of evaluation.

11.39 For any other type of examination, not covered by sub-clauses (e) and (f) above, the mode of conduct of examination shall be as specifically provided in the syllabus/scheme of examination and in the absence of such a provision shall be decided by the Controller of Examinations on the recommendation of the Board of Studies/Coordination Committee concerned, with the approval of the Vice-Chancellor.

11.40 The results of a semester (including both the semester-end examinations and teacher's continuous evaluation) shall be declared by the Controller of Examination. However, after scrutiny of the detailed result, if it is observed by Controller of Examination that there has been a distinct change of standard in the examination as a whole or in a particular course, he may refer the matter to the Moderation Committee, specially constituted for the purpose by the Vice Chancellor.

11.41 The award list containing the marks obtained by a student in various courses .shall be issued by the Controller of Examinations, at the end of each semester, after the declaration of the result.

CHAPTER-IV

12. CRITERIA FOR PASSING COURSES, MARKS AND DIVISIONS

12.1 For Under Graduate students, obtaining a minimum of 40% marks in aggregate in each paper that includes the marks of semester-end/term end/year end examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each subject/paper in Semester end/term end/year end examination, and 45% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a paper and less than 45% of marks in grand total in a semester shall be deemed to have failed in that course.

12.2 A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for rechecking of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Rechecking shall mean verifying whether all the questions and their parts have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the result as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

12.3 For Post graduate students, obtaining a minimum of 45% marks in aggregate in each paper that includes the marks of semester-end/term end/year end examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 45% marks separately in each subject/paper in Semester end/term end/year end examination, and 50% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 45% of aggregate marks in a paper and less than 50% of marks in grand total in a semester shall be deemed to have failed in that course.

12.4 For Under Graduate & Post graduate Diploma Courses students, obtaining a minimum of 35% marks in aggregate in each paper that includes the marks of semester-end/term end/year end examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 35% marks separately in each subject/paper in Semester end/term end/year end examination, and 40% marks in aggregate of all the papers shall be essential for passing the course and earning its assigned credits. A candidate who secures less than

35% of aggregate marks in a paper and less than 40% of marks in grand total in a semester shall be deemed to have failed in that course.

12.5 Further the successful candidates will be placed in Divisions as below:

Second Division: An undergraduate candidate obtaining at the end of the program 45% Marks and a post graduate candidate obtaining 50% marks and above but below 60% Marks shall be placed in Second Division.

First Division: A candidate obtaining at the end of the program 60% Marks and above but below 75 % Marks shall be placed in the First Division.

First Division with Distinction: A candidate obtaining at the end of the program 75% Marks in aggregate and above shall be placed in First Division with Distinction provided the candidate clears all the paper in the 1st attempt.

12.6 There shall be a provision for grace marks for the students failing a paper by a narrow margin. In case a student is failing in theory paper by such deficiency, maximum 5 marks may be awarded to him/her as grace marks to pass that paper. Grace marks shall not be more than 5. Grace marks shall be awarded in only one of all the theory papers of a Semester End/ Year End Examination. Such award of marks shall be separately mentioned in the Marks Sheet of the Student.

This facility shall be available only to those candidates who clear that particular Semester / Year End Examination in full (i.e. in all theory, practical and sessional in first attempt) by availing 5 Grace Marks.

12.7 In case the division of a student improves from II to I or from I to Distinction by awarding him / her maximum 1 grace mark then the Vice Chancellor may award such mark. Such award of marks shall be separately mentioned in the Marks Sheet of the Student. This benefit will not, however, be available to a candidate getting advantage under clause 12.6.

12.8 No grace marks shall be awarded in other than theory papers and to ATKT/Supplementary student.

12.9 While declaring result of the candidate, no marks shall be added to or subtracted from the aggregate for the deficiency condoned as in 12.6. However, he/she will pass the courses (subjects) cleared through clause

12.6 after condoning the deficiency, the candidate's result shall be declared in the division, for which the aggregate obtained by him/her entitles.

13. A. **Declaration of Result**

The Examination Committee shall be responsible for the declaration of the result. In this regard the functions of the Examination Committee shall be as follows:

To scrutinize and pass the results of the examinations conducted by the University after satisfying itself that the results on the whole and in various subjects are in conformity with the usual standards and to recommend to the Vice Chancellor the action to be taken in any case where the result is unbalanced.

To scrutinize the complaints against the question papers and to take necessary action.

To decide cases of candidates whose answer books were lost in transit.

To exercise such other powers as the Academic Council may delegate to it from time to time.

(i) A candidate whose result has been declared may apply to the Controller of Examination in the prescribed format within fifteen days & 30 days with late fees of Rs. 500 or as decided by the Examination Committee from the time of the declaration of his / her result for the revaluation of any answer books/ rechecking of marks or results.

Provided that in case of revaluation no candidate shall be allowed to have more than two papers revalued.

Provided also that, no revaluation shall be allowed in case of scripts of practical, field work, sessional works, tests. thesis & Project Work submitted in lieu of a paper at the Examination.

(ii) The candidates applying for revaluation of their answer scripts will have to deposit the prescribed fees which will be decided by the Examination Committee from time to time.

NOTE: If any action is to be taken against any Examiner, center Superintendent or Invigilator the matter shall be referred to the Executive Council with the recommendation of the Examination Committee.

14. Use of Unfair Means & Misbehavior:

14.1 No candidate shall bring with him/her in the Examination Hall any book, paper, notes electronic gadgets or other Materials which may be used by him/her in connection with the Examination, nor shall he/She communicate to or receive from-any other candidate or person any information in the Examination Hall.

14.2 No candidate shall note or write anything on the blotting paper or Question Paper or on any other object/Material, except the answer book supplied to him/her.

14.3 No candidate shall assist or receive assistance from any other candidate or person at an Examination or make use of any dishonest or unfair means in connection with the Examination.

14.4 Any candidate detected cheating or making use of any dishonest or unfair means in connection with an Examination shall be reported to the Controller of Examinations by the Superintendent of Examinations or through him by an invigilator or an Official of the University, as the case may be. The Controller of Examinations shall place the aforesaid matter before the Examination Committee for consideration which may, if satisfied that the facts alleged are true and disclose premeditation on the part of the candidate, disqualify the candidate from passing that Examination and debar him/her from appearing at any University Examination for a period not exceeding three years.

14.5 Any candidate detected using unfair means in an Examination Hall shall be reported to the Controller of Examinations by the Superintendent of Examinations or through him by an Invigilator or by an Official of the University, as the case may be. The Controller of Examinations shall place the aforesaid matter before the Examination Committee for consideration which may if satisfied that the facts alleged are true, but do not disclose any premeditation, disqualify the candidate from passing that Examination and debar him/her from appearing at any University Examination for a period not exceeding two years.

14.6. Any candidate bringing any book, paper, notes or other Material to the Examination Hall shall be reported to the Examination Committee for consideration by the Controller of Examinations, as reported by, the

Superintendent of Examinations or through him by all invigilator or by an Official of the University, as the case may be, and the Examination Committee may, if satisfied that the facts alleged are true but that the candidate has made and use thereof, disqualify the candidate from passing that Examination.

14.7 Any candidate, who in the opinion of the Superintendent of Examinations is guilty of misconduct in the Examination Hall, other than the misconduct within the meaning of the aforesaid Sub-Paras 1, 2, 3, 4, 5 and 6 of this Ordinance, may be expelled by the Superintendent of Examinations for that Paper and shall be reported to the Examination Committee by the Controller of Examination. The said Committee may, if satisfied that the fact alleged are true, disqualify him/her from passing the Examination for the year.

14.8 In case any Examinee attempts to influence the Examiner or Officials related to Examination then it would be treated as an offence and shall attract punishment. Such a case shall be reported to the Examination Committee by the person concerned through the Controller of Examinations. The Examination Committee may, if satisfied that the facts alleged are true, disqualify the candidate from passing that Examination and debar him/her from appearing at any Examination for a period not less than one year.

14.9 Any candidate found guilty of seeking ways and means or harassing or pressurizing or using or threatening to use force to make any Superintendent of Examinations or Invigilator Or any Official of the University desist from his duties relating to the conduct of Examination shall be deemed to have used unfair, means and indulged in gross misconduct. Such a case shall be reported to the Examination Committee by the person concerned through the Controller of Examinations. The Examination Committee may, if satisfied that the facts alleged are true, disqualify the candidate from passing that Examination and/or expel her from the University and declare him /her to be not a fit and proper person to be admitted to any future Examination of the University.

14.10 Any candidate who has been punished under Sub-Paras 4, 5, 6, 7, 8 and 9 above, shall not be admitted to any Course as a Regular Student. Such a student may be allowed to appear at the next year's Examination only, in which he/she is entitled to appear as an Ex-Student after the expiry of the period punishment.

14.11 If a candidate acts in a violent manner or uses force or makes a display of force towards the superintendent or any invigilator at the center or in its precincts endangering the personal safety of either of them or acts in a manner likely to prevent the authorities in the proper discharge of their duties, the superintendent may expel the candidate from the center and he may take police help.

14.12 If a candidate brings any dangerous weapon within the precincts of the examination center, he may be expelled from the center and or handed over to the police by the superintendent.

14.13 A candidate expelled on any of the grounds mentioned in 14.10 & 14.12 above will not be allowed to appear in the subsequent papers.

14.14 In every case where action is by the superintendent under 14.10, 14.12, 14.14 above a full report shall be sent to the University and the Executive Council may according to the gravity of the offence further punish a candidate by canceling his examination and/or debarring him appearing at any of the Examination of the university for one or more years after giving the candidate an opportunity to show the cause and considering any explanation submitted by the candidate.

14.15 In case, a person, who is not a bona-fide candidate, is found to be taking an Examination on behalf of a bona-fide candidate, it will be assumed that this impersonation is being done at the instance and with the connivance of the bona-fide candidate and action against such person and such bona-fide candidate would be taken as under:

(i) The bona-fide candidate, who did not take the Examination himself/herself shall be debarred from pursuing any course of studies or from appearing at any Examination of the University in future and he/she may be handed over to the Police for appropriate action.

(ii) In case, the person, who has impersonated the bona-fide candidate, is a student of the university, he/she shall be debarred from taking any Examination of the University in future and he/she may be handed over to the Police for appropriate action.

(iii) If the person, who has impersonated the bona-fide candidate, is not a student of the University, he/she may be handed over to the Police for appropriate action.

14.16 In case, a candidate is appearing at the Examination for improvement of Divisional Percentage of Marks and is found to be using unfair means, the result of his/her Examination in the Paper(s) in which he/she has already appeared, would also be cancelled in addition to the action that might be taken against him/her for using unfair means, while reappearing for improvement of his/her Division/ Percentage of Marks.

14.17 Any punishment imparted on the erring student shall be following due consideration of the defense presented by him/her.

14.18. The Superintendent of an examination center shall take action against an examinee who is found using or attempting to use unfair means in the examination hall or within the premises of the examination center during the hour of examination in the following manner:

i) The examinee shall be called upon to surrender all the objectionable materials found in his or her possession including the answer book and a memorandum shall be prepared with date and time.

ii) The Statement of the examinee and the Invigilator shall be recorded.

iii) The examinee shall be issued a fresh answer book marked 'Duplicate Using Unfair means' to attempt answer within the remaining time prescribed for the examination.

iv) All the Materials so collected and the entire evidence along with a statement of the examinee and the answer book duly signed shall be forwarded to the Registrar by name in a separate confidential sealed registered packet marked Unfair means along with the observation of the Superintendent.

v) The Material so collected from the examinee together with both the answer books, viz. the answer book collected while using unfair means and the other supplied afterward will be sent to the Examiner by the Registrar for assessing both the answer books separately and to report if the examinee has actually used unfair means in view of the Material collected.

vi) The cases of the use of unfair means at the examination as reported by the center Superintendent along with the report of the Examiner shall be examined by the Examination Committee. The committee shall after examining the cases, decide the action to be taken in each case and report it to the Board of Management through competent authority.

vii) A candidate found talking during the examination hours shall be warned not to do so. If the candidate continues to do so in spite of the warning by the invigilator, the answer book of such examinee shall be withdrawn and a second answer book shall be supplied. Only the second answer book shall be sent for valuation. The first book shall be cancelled and sent to the Controller of the Examination. In case the student is required to be warned again no second copy shall be given and the examinee may be expelled by the Superintendent from that particular paper.

14.19 If a candidate is found guilty of using or attempting to use or having used unfair means at an examination such as copying from some book or notes or from the answer of some other candidate or helping or receiving help from any other candidate or keeping with him in the Examination hall Material connected with the examination or in any other manner whatsoever, the Examination Committee or the Committee appointed for the proposed by the Examination Committee may cancel his examination and also debar him from appearing at any of the examination of the University for one year or more years according to the nature of the offence.

14.20 The Examination Committee may cancel the examination of a candidate and/or debar him from appearing at any examination of the university for one or more years. If it is discovered afterwards that the candidate was in any manner guilty of misconduct in connection with his examination and/or was instrumental and/or has abetted the tempering of university records including the answer book, mark sheet, rule charts, diplomas and the like.

14.21 The Examination Committee may cancel the examination of a candidate and / or debar him from appearing at any exam of the university for in or more years, if it is discovered afterwards that the candidate had obtained admission to the examination by misrepresenting the facts or by submitting forged certificates/documents.

14.22 All the records of Examination and results except the written answer books shall be retained by the University for a maximum period of three years from the date of declaration of results of the concerned examination.

15. Students' Grievances Committee

In the case of any written representation / complaints received from the students within seven days after the completion of the examination regarding setting up of question paper etc. along with specific recommendations of the Head of the Institute of the Faculty/ Director of the Institution, the same shall be considered by the Students' Grievances Committee to be constituted by the Vice Chancellor. The Vice Chancellor shall take appropriate decision on the recommendation of the Students' Grievances Committee before the declaration of result(s) of the said examination.

CHAPTER - V

16. Appointment of Examiners

16.1 The Office of the Controller of Examination shall prepare for every subject an institution wise list of names of persons qualified for appointment as examiners. The list shall be in two parts, the first part containing the names of persons working as teachers in the University Department and Colleges or in the Institution identified as centers of the University and the second part containing names of persons other than the teachers of the University qualified for appointment as examiners.

16.2 The list shall contain as far as possible information relating to the persons included therein on the following points namely:

(i) The academic qualifications and teaching experience at Undergraduate and post graduate levels.

(ii) The field of specialization.

(iii) The name of the examinations of the University and years in which they have acted as examiners in the past.

16.3 The list so prepared shall be made available to the Examination Committee, as constituted under Section 14 of the First Statutes.

16.4 The office of the Controller of Examinations shall also give the Examination Committee the approximate number of candidates expected to appear at each examination center and the list of centers of each practical / Viva - examination together with the estimated number of candidates thereat.

16.5 The examination committee shall in the light of the provisions of the following paragraphs recommend:

(i) A panel of three names for the appointment of the paper-setter of e ach written paper.

(ii) A list of names of persons for appointment as co-examiners where necessary in excess of the number to be appointed.

(iii) A list of names of persons for appointment as examiners in each practical / Viva- Voce examination. The names included in the list shall be sufficient for the conduct of practical / Viva- Voce examination at different centers.

16.6 The Vice-Chancellor shall appoint paper-setters, co-examiners, practical/vive-voce examiners ordinarily from amongst persons recommended by the examination committee. He may however, appoint a person whose name is not included in the list of names recommended by the examination committee if he is satisfied that the person in question possesses minimum qualification and his appointment will not be contrary to the provisions of the following paragraphs.

16.7 The qualification of the paper - setter and Co - Examiners shall be as follows namely.

A) Paper-setter:

Examination	Qualification
i) Post-Graduate examination in all the Faculties other than Law	(i) Experience of teaching the subject at post graduate level for the at least Five Years. OR Experience of teaching the subject at the post graduate level for at least five years, together with research experience/total teaching experience at the degree and/or post graduate level for at least seven years/ Industry experience of seven years.
ii) LLM	(ii) Master's degree or higher degree in law and teaching experience at LL.M. level for at least five years. OR Experience as High Court Judge. OR Standing of at least ten years at the Bar.
iii) Degree examination in all Faculties other than Engg. Technology, Law, Medicine	(iii) Teaching the subject at Undergraduate and/or Postgraduate Dentistry level for at least five years.
iv) Degree examinations in Faculties of Engineering and Technology	(iv) Teaching Experience at UG/Post graduate graduate level and/Professional experience of at least three years. OR Five years of professional experience.

v)	Degree examination in the Faculty of Medicine & Dentistry	(v)	Teaching experience in the subject at the degree and/post graduate level for at least three years.
vi)	LLB	(vi)	Teaching experience of LLB and/or LLM classes for at least three years. OR Judicial experience as District Judge for at least 5 Years. OR Standing of at least ten years at Bar.
vii)	Diploma examination in all Faculties other those in the Medicine, Dentistry and post Graduate Diploma examination in Business Administration.	(vii)	Teaching experience of at least three years of Degree and five years of Diploma classes.
viii)	Diploma examination in the Faculty of Medicine and Dentistry	(viii)	A Doctor's or Master's Degree or a post graduate, Diploma of a recognized University or equivalent qualification in the subject and at least five years teaching experience in the subject in any university or College recognized by the Medical Council of India.
ix)	Post-Graduate Diploma in Business Administration	(ix)	At least five years teaching experience at the degree level or Post-Graduate classes in the subject.
x)	Degree in Pharmacy	(x)	At least master Degree in Pharmacy with 3 years teaching experience
xi)	Degree in Nursing	(xi)	At least a Master's Degree in Nursing with 2 years practical/teaching experience.

16.8 Co-Examiners

The qualification shall be the same as for the paper-setters but the minimum teaching/professional experience required may be less by two years than that prescribed in the case of the paper-setters.

Provided that in case of degree examination where sufficient number of internal co-examiners, in a subject with the aforesaid qualification is not available, teacher in the University Colleges, Departments and Institutions of the university with at least three years teaching Experience at the degree/Post-graduate level in the subject shall be eligible for appointment as Co-examiners.

16.9 i. In case of practical and Viva-Voce examinations at the Post-Graduate level, external examiner shall be a person not below the rank of an Asst. Professor.

ii. In case of practical and viva-Voce examination at the degree level the external examiners shall be a teacher of the subject with not less than three years' experience of teaching the subject at the degree and/or post graduate level.

iii. The internal examiner in case of practical examination both at the degree and the post- graduate level shall be appointed from amongst the teachers of the Institution, whose regular candidates are to be examined at the center on the recommendation of the Head of such Institution.

iv. The external examiner at the post-graduate level in case of Practical/Viva-Voce examination shall not ordinarily be a teacher of the University Department/College.

v. Except in the Faculties of Medicine, Dentistry, Engineering Technology and Education, all external examiners in case of practical examination at the first degree level shall as far as possible be appointed from amongst the teachers of the institutions or centers of the University.

17. Ordinarily 50% of the paper setter at the post graduate and first degree examination in any subject shall be external.

18. Where in for any paper, if more than one examiner is appointed the paper setter shall be the Head Examiner. Examiners other than the paper setter shall be the Co-examiners.

19. All Co-examiners shall be internal, provided that if sufficient number of qualified teachers in a subject is not available for appointment as Co-examiners, external Co-examiners may be appointed.

20. For appointment as Paper-setter and Co-Examiners, the teachers in the University Department and Colleges and center of the University shall ordinarily be considered on the basis of seniority in subject to fulfillment of other conditions for such appointment.

21. Ordinarily at least two paper setters shall be appointed for every subject. They shall necessarily belong to different centers.

22. Ordinarily not more than one paper setter shall be appointed from anyone University Department or Institute or Center in the same subject at any one examination.

23. No one who is a Paper setter at any post graduate examination shall be appointed as an external Viva-Voce examiner at that examination.

24. No on one shall ordinarily be given more than two external practical examination-ships provided that in case of center where the total strength of candidates appearing at years I, II, and III of a first degree examination is less than 120, one external examiner may be appointed for all the three examinations.

25 In case of under graduate practical examinations one external examiner shall not ordinarily examine more than 120 candidates.

26. In case of written examination an examiner shall not ordinarily evaluate more than 250 scripts and a Co-examiner shall be appointed if the number of candidates appearing in the paper is more than 300.

27. While recommending name for examiner-ship in courses where English is not the sole medium of examination, the Examination - Committee shall ensure that the examiners recommended can evaluate the scripts written in Hindi.

28. The provision of sub-paragraphs (2) above shall not apply in case of Examination in the faculties of Engineering, Technology, Education, Medical, Dentistry, Pharmacy, Nursing, etc.

29. Examiner shall be appointed for the examination of duration of one year only but they shall be eligible for re-appointment.

30. Any person who has acted as an examiner, paper-setter Co-examiners or external Viva-Voce examiner for three consecutive years shall ordinarily not be eligible for re-appointment until a period of one year elapses between the year in which he/she last acted as an examiner and the year in which he is re-appointed.

Provided that such a gap will not be necessary in case of internal examiners if the number of available eligible examiners in the subject concerned is less than the number of internal examiners required.

Provided also that on the recommendation of the Examination Committee, a specialist or expert may be continued for two more years after the expiry of the three years period, without a gap.

31. An examiner may be discontinued any time before the expiry of the three year period if in the opinion of the Examination Committee, his work is found to be unsatisfactory.

32. An examiner's work shall be deemed to be unsatisfactory if

(i) Mistakes of such nature are found in his work in the course of checking and scrutiny which affect the result or

(ii) He / She is found by the Examination Committee to have delayed the work without good cause or

(iii) There is an adverse report from the Head Examiner, or

(iv) In the opinion of the Examination Committee, there are reasonable doubts about his/her integrity or suspicion that he/she is accessible to examinees or their relations and

(v) If there are serious complaints against his/her paper e.g. that this paper was much above or below the standard or contained questions outside the prescribed course or the branch or any such condition prescribed by the Examination Committee.

33. The paper-setter shall lay down a memorandum of instructions for the guidance of the co-examiners so that the latter may be in conformity with standard of the former in the evaluation of the answer-books.

34. If for any reason an examiner is unable to evaluate the answer-books or to perform the duties of the Head Examiner after setting the question paper, he shall be entitled to receive only one-half of the amount of fees for paper setting and the balance shall be payable to the examiner who performs, the duties of the Head Examiner subsequently.

Provided that if the paper-setter dies before he is able to take up or complete the evaluation of the answer books, full fee prescribed for paper setting shall be paid to his heirs.

35. **In any subject if a Viva-Voce Examination is prescribed a board of two examiners of whom one shall be an external examiner and the other the internal examiner shall conduct the same.**

36. In the case of Examinations like MBA, M.Com, M. Phil., MA etc. where a thesis is permissible in lieu of a paper or a project there shall be a Board of two examiners for evaluating the thesis. The maximum number of marks for the thesis shall be equally divided between the two examiners each of whom shall mark the thesis independently. If the evaluations of these two examiners differ by 20%, the thesis shall be referred to the third examiner, (other than a teacher of the University) who shall award mark out of half of the maximum marks for the thesis. The aggregate of two (of the three) awards nearest to each other and to the best advantage of the candidate shall be taken as the correct evaluation.

37. In case of an examination for a research degree, the Examination Committee shall recommend for each thesis to be examined by a panel of at least six persons out of which at least two persons shall belong to an outside University, whether in India or Abroad.

38. The panelists:

    (i) shall possess a Doctoral degree in the subject and have at least ten years teaching experience at the post graduate level or research experience.

    (ii) are scholars of repute in the subject.

39. No person shall act as a paper-setter or examiner either in theory, viva-voce or practical examination, if any of his relations is taking the examination provided that this provision shall not debar from acting as an examiner for practical at a center other that at which his relation is appearing.

40. No person shall act as moderator or tabulator for any examination if any of his relations is appearing or has appeared at that examination.

41. Notwithstanding the provisions contained in these ordinances, the Vice-Chancellor in consultation with the Academic Council and the Examination Committee may in so far as that particular examination is concerned modify all or some of the rules to meet the constraints.

ORDINANCE 52

Examination fees to be charged for various courses of the University

1. The Controller of Examination / Registrar of the University shall notify the fees payable by the students for various courses of examinations after the same is approved by the Vice-Chancellor. A student who has not paid the prescribed fees before the start of examination shall not ordinarily be eligible to appear in the examination. The Chancellor may at his discretion allow, in certain cases of genuine hardship, an extension in the last date of payment of fees. The result of such students shall however, be withheld till all the dues are cleared.
2. The Examination Fees shall be decided by the Academic Council and approved by the Board of Management from time to time.
3. The Candidate, who fails to present himself/herself for Examination, shall not be entitled to any refund of fees or to have it kept in deposit for a subsequent Examination. However, if a woman candidate is unable to appear at the Examination for maternity reasons her fees may be held over for the next Examination (provided that the application for crediting the Fee's for the next Examination must be made to the Controller of Examinations/Registrar of the University for the Examinations within three months of the completion of the Examination concerned and supported by a Medical Certificate.
4. Provided, however that a candidate shall not be entitled to the adjustment of examination fees if he/she changes the faculty or his subject in case of post graduate examination.
5. The fees paid by a regular candidate who is debarred from appearing at an examination due to shortage in attendance at lectures/practical, will not be refunded under any circumstances.
6. There shall be no refund of revaluation fees irrespective of change in the marks of a candidate.
7. A candidate who due to sickness or other cause is unable to present himself/ herself at an examination shall not receive a refund of fees, provided that the Vice-Chancellor on the recommendation of the Controller Examinations/Registrar of the University, made after feeling satisfied by considering the facts and making required investigation through documents submitted to him, about the genuineness or merit of it, order for adjustment of the following portion of the fees towards the immediately next Examination.
8. The Examination fees of a candidate who dies before appearing at the Examination may be refunded in full to his / her guardian or successor.
9. The entire fees paid by a candidate whose application for appearing at an Examination is cancelled on account of producing fraudulent documents or giving false particulars shall stand forfeited.

ORDINANCE 53

Norms For the Residence of the Students of the University

1. The hostel maintained by the University / College / Department shall provide the most stimulating and holistic living environment that contributes significantly to superior academic performance. It should complement the institution's mission at all levels.

2. Every hosteller at all times shall maintain higher standard of disciplines and conduct oneself befitting to the status of a student.

3. Each student desirous of taking admission in the hostel shall submit his application on the prescribed form to the Chief Warden after admission in the university / college along with proof of admission. He shall appear before hostel committee in person along with his/ her parents / local guardian and the original documents.

4. The admission to the hostel shall be granted at the discretion of the Warden in consultation with the Chief - Warden. Special care will have to be taken to accommodate students belonging to weaker economic section of the society.

5. On admission to the Hostel the parents shall fill up the requisite forms, nominate the local guardian and visitors allowed to the hostel.

6. The student shall occupy the room allotted to him/her. He/She shall not change the room or shift the furniture in/out of his/her room without the express permission of the hostel Warden.

7. The residents shall be responsible for the care and maintenance of tile furniture, furnishing, fixtures, etc. Any damage to hostel property shall be made good by the residents.

8. The residents are debarred from using any electrical appliances other than provided or specifically permitted by the Warden in writing.

9. The students are prohibited to possess firearms, weapons or potentially-dangerous instruments. Defaulters will be dealt with seriously including rustication.

10. Consumption of drugs / alcohol/intoxicants / smoking is strictly prohibited in the hostel premises. Defaulters will be severely dealt with including expulsion.

11. The residents indulging in vandalism/violence within the hostel premises will be severely dealt with including expulsion.

12. The students residing in the University Hostel shall pay such fees as may be prescribed by the Management from time to time.

13. Each Hostel shall have Warden(s), who shall be appointed by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Governing body for a period of three years, on such terms and conditions as may be prescribed by the Board of Management from time to time.

ORDINANCE 54

Provisions Regarding Disciplinary Actions against the Students

I. Every student in the University shall at all times be of good behavior, show diligence in studies, maintain decorum and dignity, take proper interest in co-curricular activities, shall observe a code of conduct both within and outside the campus in a manner befitting to the student of an institute of national stature and observe all rules of discipline of the Institution of which he/she is a student and of the University.

2. Each student shall show due respect and courtesy to the teachers, administrators and other employees in and outside of the institute and good neighborly behavior towards fellow students.

3. Any violation of the code of conduct or breach of any rule or regulation of the University by the student shall constitute an act of indiscipline and shall make him / her liable for disciplinary action.

4. The following acts shall constitute acts of gross indiscipline and students indulging in any of them of them shall be liable to disciplinary action against them:

   (i) Disobeying the teachers and displaying misdemeanor within and outside the University premises.

   (ii) Indulging in Vandalism / Violence and damaging University and/or Public property or property of a fellow student.

(iii) Quarrelling, fighting and passing derogatory remarks in the University premises against its teachers/employees/canteen and mess workers etc.

(iv) Possession and use of firearms, weapons and potentially dangerous instruments etc.

(v) Consumption and sale of drugs / alcohol/intoxicants / tobacco etc.

(vi) Indulging in ragging which is strictly-prohibited as Per Supreme Court Ruling.

(vii) Any other act which the Disciplinary Committee may determine to be undesirable.

5. When a student has been found guilty of breach of discipline within or outside the premises of the University or an institution, or persistent idleness or has been guilty of misconduct, the Head of the concerned department/institution at which such student is studying will report to the Discipline Committee and Vice Chancellor along with the Registrar. The Discipline Committee with the approval from the Vice Chancellor, according to the nature and gravity of the offence may —

i. Suspend such student from attending the classes for not more than three weeks,

ii. Expel such student from the institution,

iii. Disqualify such a student from appearing at the next ensuing Examination

iv. Rusticate such student.

6. Before inflicting such punishment as aforesaid, the Head of the concerned department / institution shall give the student concerned an opportunity of personal hearing and record the reasons of inflicting the punishment in Writing.

7. The Head of the Institution concerned shall have the power to temporarily suspend the student from the Institution for such a time as may be necessary to conduct inquiry into his / her conduct in connection with the alleged offence.

8. The period during which a student remains suspended for completion of an enquiry shall be reckoned in the calculation of his/her attendance for appearing at an Examination provided he/she is found innocent.

9. The rustication of a student from an institution shall entail the removal of his / her name from the register of the enrolled students.

10. The fees of the student rusticated from the University, will be confiscated.

11. A student so rusticated will not be readmitted to the University before the completion of a period of three years or prescribed duration (whichever is earlier) from the date of his / her rustication. A rusticated student seeking re- admission after the prescribed duration from the date of his/her rustication will submit an affidavit of maintaining good behavior during his / her stay in the university as a student.

12. The Proctor/Dean of Student's welfare (DSW) shall be appointed from amongst the teaching staff of the University/Departments and Institutes by the Vice-Chancellor for a period of two years to maintain the discipline. In view of competence, the teacher concern may continue with the approval of the Vice Chancellor.

13. The powers and duties of the Proctor/Dean of students' welfare (DSW) shall be determined by the Vice Chancellor from time to lime.

ORDINANCE 55

Creation of Other Bodies for Improvement of Academic Life of the University

1. The University shall have the following bodies for the improvement of the academic quality of the University:-
   - (i) Education Policy Committee
   - (ii) The Board of Quality Managers
   - (iii) Honorary degrees award committee

2. Education Policy Committee shall comprise the following:
   - (i) The Vice-Chancellor -Chairperson
   - (ii) The Dean, Academic Affairs
   - (iii) The Chairperson UG Studies
   - (iv) The Chairperson PG Studies
   - (v) Three Deans/Associate Deans/Faculties by rotation or nominated by the Vice-Chancellor.
   - (vi) Two students nominated by the Vice- Chancellor.

(vii) One of the nominated faculty members shall act as the convener. The representative of the Vice Chancellor shall preside over the meeting in the absence of the Vice-Chancellor.

2.1 The committee shall consider the following:-

(i). To consider innovative approach in all disciplines at national and international level.

(ii) To consider all fundamental matters of education policy referred to it by the Academic Council and any other committee / academic council of any Department / Institute.

(iii) To consider and initiate action on modification and up-gradation of syllabus

(iv) To examine reports on future research activities.

(v) To adopt the education policy framed by UGC/NKC/ State Government

3. Board of Quality Managers

3.1 The Board of Quality Managers will comprise of the following members:

(i) Two nominees appointed by the Sponsoring Body

(ii) Two nominees appointed by the Chancellor

(iii) Dean, Academic Affairs

(iv) Dean, Education Management

(v) Chief Finance & Audit Officer, Finance & Operations

(vi) Registrar of the University

3.2 The functions of the Board of Quality Managers will be as follows:

To analyze, conduct and report to the Chancellor/Sponsoring Body, findings on the following aspects of University Management:

(i) Issues related to finance, purchase; stock/inventory

(ii) Facilities for management and maintenance

(iii) Integrity of the University, moral issues and human resource management issues

(iv) Grievance handling of staff and students

(v) Management of IT systems

(vi) Education and procedure management as per ISO and NAAC guidelines and as per the guidelines of state and national regulatory bodies

4. Honorary Degree Award Committee:

The constitution of the committee shall be as under:

(i) The President / Chancellor -Chairman

(ii) The Vice-Chancellor

(iii) Dean, Academic Affairs

(iv) The Registrar

4.1 The committee shall consider names of those distinguished who have made an indelible impression on the minds of the people working in areas related to the goals of the institute or who have inspired various sections of the society or who have made significant outstanding contribution in their field.

4.2 The committee shall forward the names so considered to the Governing Body for final decision.

ORDINANCE 56

Manner of Co-operation and Collaboration with other Universities and Institutions of Higher Education

1. The University shall seek cooperation and collaboration with the existing Universities and Institutes of Higher Education in India and abroad and execute a Memorandum of Understanding (MOU) detailing the extent and area of cooperation and collaboration mutually agreed upon.
2. The University shall open its own distance education Study Centers, Distance Education Regional/Academic Centers; in the state of Chhattisgarh to promote Higher Education in emerging and traditional fields of studies.
3. The University may collaborate with Universities and Institutes of Excellence engaged in Higher Education in the country and abroad for the Research and consultancy work from time to time.
4. The University may collaborate with the Government Organizations Institutes for providing training, teaching and guidance to the students of economically weaker sections of the society and to the teachers of schools and colleges of the state.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

बलौदाबाजार-भाटापारा, दिनांक 2 जून 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्र. 7 अ/82/वर्ष 2010-11.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बलौदाबाजार-भाटापारा	बिलाईगढ़	नवापारा प. ह. नं. 31	2.251	कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग (भवन+सड़क), बलौदाबाजार.	ओटगन से जोरा, नवापारा, मार्ग निर्माण कार्य हेतु.

बलौदाबाजार-भाटापारा, दिनांक 2 जून 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्र. 8 अ/82/वर्ष 2010-11.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बलौदाबाजार-भाटापारा	बिलाईगढ़	ओटगन प. ह. नं. 28	0.518	कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग (भवन+सड़क), बलौदाबाजार.	ओटगन, जोरा, नवापारा निर्माण कार्य हेतु.

बलौदाबाजार-भाटापारा, दिनांक 2 जून 2012

क्रमांक/क/भू-अर्जन/प्र.क्र.-1 अ/82 वर्ष 2011-12.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायपुर	भाटापारा	बनसांकरा प. ह. नं. 12	0.279	कार्यपालन अभियंता, म.ज.प.डिसनेट संभाग क्र.-3, तिल्दा, जिला-रायपुर छ.ग.	सिमगा वितरक नहर निर्माण हेतु.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
राजेश सुकुमार टोप्पो, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

बिलासपुर, दिनांक 25 मई 2012

क्रमांक 07/अ-82/2011-12.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	बिल्हा	मोहतरा प. ह. नं. 22	21.16	कार्यपालन अभियंता, खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर.	बिलासपुर व्यपवर्तन योजना के मोहतरा वितरक नहर निर्माण हेतु.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), बिल्हा के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 25 मई 2012

क्रमांक 11/अ-82/2011-12.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	तखतपुर	कबराकापा प. ह. नं. 35	0.83	कार्यपालन अभियंता, खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर (छ.ग.)	बिरकोनी एनीकट तटबंध एवं पहुंच मार्ग निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) अ.वि.अ. (राजस्व), कोटा के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 25 मई 2012

रा.प्र.क्रमांक 12/अ-82/2011-12.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	तखतपुर	मेड़पार	0.418	कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग, बिलासपुर (छ.ग.)	अमेरा - पण्डरियाझाप-मेड़पार मार्ग के कि.मी. 1/10 पर मनियारी सेतु के पहुंच मार्ग निर्माण हेतु.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), कोटा के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 25 मई 2012

क्रमांक 18/अ-82/2011-12.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	मस्तूरी	भटचौरा प. ह. नं. 45	6.14	कार्यपालन अभियंता, खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर (छ.ग.)	हरदी जलाशय के बंडपार, डूबान एवं वेस्ट वियर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) अ.वि.अ. (राजस्व), बिलासपुर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 7 जून 2012

क्रमांक 19/अ-82/2011-12.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	बिलासपुर	नवगवां प. ह. नं. 15	3.60	कार्यपालन अभियंता, खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर.	सिलदहा व्यपवर्तन योजना का नहर कार्य.

भूमि का नक्शा (प्लान) अ.वि.अ. (राजस्व), बिलासपुर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 7 जून 2012

क्रमांक 20/अ-82/2011-12.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	बिलासपुर	चुमकवां प. ह. नं. 14	11.37	कार्यपालन अभियंता, खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर.	सिलदहा व्यपवर्तन योजना का नहर कार्य.

भूमि का नक्शा (प्लान) अ.वि.अ. (राजस्व), बिलासपुर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 13 जून 2012

क्रमांक 09/अ-82/2011-12.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	बिल्हा	कोहरौदा प. ह. नं. 10	5.70	कार्यपालन अभियंता, खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर.	बिलासपुर व्यपवर्तन योजना के मोहतरा लिंक नहर निर्माण हेतु.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), बिल्हा के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 13 जून 2012

क्रमांक 10/अ-82/2011-12.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	बिल्हा	घोघरा प. ह. नं. 10	5.40	कार्यपालन अभियंता, खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर.	बिलासपुर व्यपवर्तन योजना के मोहतरा वितरक नहर निर्माण हेतु.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), बिल्हा के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 13 जून 2012

क्रमांक 11/अ-82/2011-12.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	बिल्हा	खपरी प. ह. नं. 11	4.74	कार्यपालन अभियंता, खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर.	बिलासपुर व्यपवर्तन योजना के मोहतरा वितरक नहर निर्माण हेतु.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), बिल्हा के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 15 जून 2012

क्रमांक 08/अ-82/2011-12.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :-

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	बिल्हा	कोटिया प. ह. नं. 22	2.90	कार्यपालन अभियंता, खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर.	बिलासपुर व्यपवर्तन योजना के मोहतरा वितरक नहर निर्माण हेतु.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी, (राजस्व), बिल्हा के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
रामसिंह, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला सरगुजा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

सरगुजा, दिनांक 31 मई 2012

रा.प्र.क्र./10/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-सरगुजा
- (ख) तहसील-लुण्ड्रा
- (ग) नगर/ग्राम-सरईडीह
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.969 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	913	0.040
	75/5	0.121
	75/15	0.061
	2/2	0.202
	213	0.113
	6	0.121
	911	0.218
	75/2	0.093
योग		0.969

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-दुन्दु जलाशय योजना के अन्तर्गत ग्राम सरईडीह के मुख्य नहर हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, अम्बिकापुर के न्यायालय में किया जा सकता है.

सरगुजा, दिनांक 31 मई 2012

रा.प्र.क्र./11/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-सरगुजा
- (ख) तहसील-लुण्ड्रा
- (ग) नगर/ग्राम-दुन्दु
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-19.541 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
61	0.061
163/2	0.265
77	0.729
73	0.987
84	0.587
90	0.016
93/2	0.020
100	0.624
197/3	0.176
188	0.049
162/1	0.443
162/3	0.442
796/7	0.235
156	0.235
63	0.012
164	0.085
80	0.425
75	0.032
85	1.149
91	0.478
94/2	0.205
182	0.356
153/1	0.217
153/2	0.241
170/1	0.060
162/2	0.442
71	0.081
171	0.077
64	0.081
67/2	0.069
80/794	0.138
193	0.134
86	0.506
96	0.275
94/1	0.466
187	0.308
155/1	0.077
155/2	0.154
159	0.470
170/3	0.048
152/2	0.160
172	0.178
65	0.081
68/1	0.030
796/6	0.688
78	1.003
87	0.020
97	0.247
95	0.344
101	0.441
181/1	0.142
181/2	0.144
160	0.150
173	0.024
154	0.243
176	0.028
62	0.012
68/2	0.042
70	0.020
81	0.024
88	0.073
98	0.299
94/4	0.020
102	0.430
186/2	0.121
190	0.073
161	0.101
183	0.101
181/3	0.143
192	0.251
163/1	0.108
74	0.251
72	0.295
82	0.049

(1)	(2)
89	0.097
99	0.263
94/3	0.243
103	0.227
189	0.049
153/3	0.202
169	0.081
194	0.243
197/2	0.113
197/11	0.244
योग	19.541

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-दुन्दु जलाशय के अन्तर्गत दुन्दु जलाशय के बांध लाईन एवं डूब क्षेत्र हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, अम्बिकापुर के न्यायालय में किया जा सकता है.

सरगुजा, दिनांक 31 मई 2012

रा.प्र.क्र./12/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-सरगुजा
- (ख) तहसील-लुण्ड्रा
- (ग) नगर/ग्राम-दुन्दु
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-7.279 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
202	0.045
427	0.061
428	0.041
197/10	0.222
367	0.020
200	0.364
149	0.162
436	0.413
451	0.101
486/4	0.182
609/2	0.081
201/3	0.016
414	0.061
429	0.041
215	0.081
138	0.041
350	0.283
366	0.057
445	0.255
364	0.105
537/4	0.121
454	0.016
201/2	0.061
419	0.182
430	0.008
604/5	0.222
197/6	0.121
355	0.153
145/1	0.222
479	0.182
481	0.121
197/11	0.141
528	0.141
365/2	0.045
363/776	0.016
431	0.097
605/2	0.032
610	0.089
357	0.089
464/1	0.222
529/2	0.041
529/1	0.121
605/1	0.020
609/1	0.072
363/781	0.061
608	0.061
614/2	0.012
197/9	0.243
150	0.081
485/2	0.016

(1)	(2)
537/6	0.072
537/5	0.081
201/1	0.061
358	0.081
105/8	0.121
105/7	0.121
353	0.324
140	0.061
482	0.024
486/2	0.283
480	0.081
485/1	0.283
365/1	0.045
योग	7.279

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-दुन्दु जलाशय के अन्तर्गत ग्राम दुन्दु के मुख्य नहर एवं उप नहर हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, अम्बिकापुर के न्यायालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. प्रसन्ना, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन
राजस्व विभाग

रायगढ़, दिनांक 17 मई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 03/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-रायगढ़
- (ख) तहसील-बरमकेला
- (ग) नगर/ग्राम-करनपाली
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-2.018 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
371/5	0.078
371/4	0.048
371/3	0.045
371/2	0.033
371/1	0.037
367/1	0.272
367/3	0.200
368/1	0.058
363	0.009
351	0.112
367/2	0.073
368/2	0.020
318/2	0.020
316/5	0.006
297/1	0.020
318/1	0.020
249/2	0.033
248/2	0.048
68/2	0.022
248/1क	0.045
68/1क/2	0.026
68/1ग	0.022
248/1ग	0.037
68/1ख	0.026
66/1	0.026
66/2	0.026
67	0.045
68/3	0.030
320/2	0.019
305/7	0.007
298/1	0.020
320/1	0.020
72/1	0.022
37/3	0.004
37/5	0.003
37/1	0.004
37/6	0.004
37/2	0.004
37/4	0.003
73	0.030
74/1	0.045
319/2	0.128
305/8	0.015
315/8	0.015
305/5	0.007

	(1)	(2)
	315/7	0.006
	299/1	0.020
	316/8	0.010
	321	0.002
	305/6	0.015
	315/6	0.015
	316/6	0.010
	305/4	0.015
	315/4	0.010
	316/4	0.015
	297/2	0.020
	298/2	0.020
	299/2	0.020
	317/2	0.020
	315/5	0.007
	316/7	0.006
	317/1	0.020
योग	62	2.018

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-करनपाली व्यपवर्तन योजना के नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), सारंगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 17 मई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 04/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-रायगढ़
- (ख) तहसील-बरमकेला
- (ग) नगर/ग्राम-आमाकोनी छोटे
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.183 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	223/1	0.134
	181/4क	0.049
योग	2	0.183

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-आमाकोनी छोटे झोरझोरा जलाशय नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), सारंगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 17 मई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 05/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-रायगढ़
- (ख) तहसील-बरमकेला
- (ग) नगर/ग्राम-आमाकोनी बड़े
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.032 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	379/3, 380/3	0.032
योग	1	0.032

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-आमाकोनी बड़े झोरझोरा जलाशय नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), सारंगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 31 मई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 82/अ-82/2010-11.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-रायगढ़
- (ख) तहसील-पुसौर
- (ग) नगर/ग्राम-सूपा, प. ह. नं. 38
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-5.587 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
432/1	0.028
433/2	0.041
286/2	0.113
346/2	0.006
346/1	0.008
437	0.032
343/1	0.028
291/1	0.190
488/1	0.133
436/2	0.057
436/1	0.008
438/8	0.153
438/4	0.004
438/5	0.101
353/1	0.065
446/1	0.081
353/4	0.028
446/2	0.041
397	0.129
412	0.109
440	0.012
416/1	0.065
294/1	0.032
294/3	0.065
345	0.081

(1)	(2)
398/8	0.069
344/1	0.077
344/2	0.041
294/2	0.053
460/1	0.053
288/1	0.113
460/3	0.012
464/1	0.053
293	0.049
488/2	0.065
487/5	0.032
512/2	0.073
512/3	0.109
485/7	0.101
265/1	0.020
388/2घ	0.133
55/6	0.041
76/4	0.073
76/2	0.045
384/3	0.004
388/2क	0.053
388/2घ	0.210
388/2त	0.028
398/6	0.069
459/1	0.078
388/2न	0.077
388/2द	0.069
388/2व	0.077
265/2	0.049
398/1	0.004
388/2ढ़	0.045
267/1	0.081
388/2ञ	0.077
353/2	0.061
388/2ट	0.049
352/1	0.061
353/3	0.024
388/2ण	0.049
398/4	0.008
398/5	0.133
398/7	0.024
352/2	0.008
267/2	0.036
76/5	0.061
305	0.020
487/2	0.073

(1)		(2)
	304	0.024
	303	0.016
	301	0.004
	302	0.020
	268/2	0.077
	295/1	0.004
	292	0.004
	287	0.012
	285/2	0.012
	288/2	0.041
	443/1	0.088
	416/3	0.065
	459/2	0.057
	460/4	0.041
	464/2	0.049
	486/3	0.061
	461/3	0.016
	461/4	0.069
	414/9	0.053
	413/1	0.061
	434/2	0.028
	458/9	0.117
	444/5	0.041
	485/6	0.012
	485/15	0.073
	485/22	0.109
	343/2	0.028
	340/2	0.053
योग	99	5.587

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-केलो परियोजना की मुख्य नहर से कथली वितरक नहर के अंतर्गत बुनगा माइनर नहर 1 एवं बुनगा मानइर नहर 2 के निर्माण हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 11 जून 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 79/अ-82/2010-11.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-रायगढ़

(ख) तहसील-पुसौर

(ग) नगर/ग्राम-बड़े भंडार, प. ह. नं. 39

(घ) लगभग क्षेत्रफल-3.458 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
502	0.298
501	0.137
498	0.004
506	0.117
497	0.012
507/1	0.073
507/2	0.004
507/3	0.077
474	0.012
471	0.045
470/2	0.032
470/1	0.028
472	0.032
468	0.020
505/1	0.081
505/2	0.008
494/1	0.036
493/2	0.077
493/3	0.121
493/1	0.101
480	0.057
469	0.080
473	0.012
184/1	0.004
361/1	0.081
352/5	0.093
352/2	0.028
352/3	0.085
352/6	0.028
288	0.053
374/1	0.004
286/1	0.012
358/1	0.129
287	0.041
283	0.065
281	0.057

(1)	(2)
351/2	0.032
282/1	0.004
253/1	0.077
466	0.012
280/3	0.057
280/1	0.040
280/4	0.024
280/2	0.012
279/1	0.065
279/2	0.008
185/2	0.081
248/1	0.028
248/2	0.032
250	0.053
255/1	0.008
189/1, 190/1	0.129
188/1	0.036
188/2	0.012
189/2, 190/2	0.061
187/1	0.165
185/1	0.049
251/1	0.012
255/2	0.045
252	0.045
516/1	0.008
467/2	0.004
361/2	0.105
359/2	0.057
247	0.053
योग 65	3.458

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-केलो परियोजना की कठली मुख्य नहर के अंतर्गत अमलीभैना माइनर नहर के निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 11 जून 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 81/अ-82/2010-11.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-रायगढ़
- (ख) तहसील-पुसौर
- (ग) नगर/ग्राम-जेवरीडीह, प. ह. नं. 39
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.056 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
232/5	0.020
252/2	0.186
224/3	0.142
203/3	0.008
36/2	0.069
196	0.045
201/2	0.008
204	0.004
232/3	0.020
232/4	0.024
252/1	0.069
75/1	0.024
203/4	0.065
149/1	0.024
181/1	0.053
219/5	0.004
203/1	0.020
264	0.004
155/2	0.024
75/2	0.061
251	0.041
150	0.049
151	0.004
158/1	0.012
159/2	0.049

(1)	(2)
149/2	0.020
159/1	0.028
179	0.162
183	0.069
202	0.133
178	0.004
232/2	0.077
221	0.093
220	0.310
255	0.032
242/1ग	0.028
247/1	0.158
242/1ख	0.036
224/4	0.004
256	0.146
197	0.053
77/2	0.004
77/3	0.016
77/4	0.032
113/4	0.162
113/6	0.129
74/1	0.004
78	0.121
160	0.065
209	0.008
113/2	0.129
80	0.004
योग 52	3.056

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-केलो परियोजना की कठली मुख्य नहर के अंतर्गत बालपुर माइनर एवं बेलपाली माइनर नहर के निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अमित कटारिया, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बलौदाबाजार, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

बलौदाबाजार, दिनांक 21 मई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्र. 18 अ/82/वर्ष 2007-08.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-बलौदाबाजार
- (ख) तहसील-बिलाईगढ़
- (ग) नगर/ग्राम-खैरा
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-2.423 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
2/1	0.049
2/3	0.049
2/4	0.076
2/2	0.068
2/5	0.072
9/5	0.032
9/8	0.028
9/4	0.020
9/9	0.032
12/14	0.052
11/1	0.025
11/5	0.026
11/4	0.025
11/6	0.121
11/2	0.120
12/11	0.024
12/1	0.023
12/16	0.023
12/15	0.022
49/1	0.028

(1)	(2)
91/2	0.032
76/4	0.073
74/10, 91/2, 91/6	0.233
84/10, 85/11	0.020
84/1, 85/3	0.028
84/7, 85/8	0.021
84/4, 85/5	0.020
84/3	0.016
84/5, 85/6	0.020
84/9, 85/10	0.020
84/6, 85/7	0.028
84/12	0.016
84/8, 85/9	0.020
9/1	0.044
9/3	0.049
11/3	0.089
96/2	0.077
24/1	0.051
24/2	0.025
4/17	0.010
24/3	0.025
4/3	0.010
4/18	0.010
4/19	0.011
37/9, 91/13	0.028
37/25, 91/30	0.020
37/28, 91/33	0.028
84/1श, 83/2	0.049
37/24, 91/29	0.020
37/30, 91/35	0.020
37/29, 91/34	0.049
37/3, 91/36	0.024
91/4	0.185
85/1, 98/6	0.061
85/2	0.076
योग 54	2.423

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए भूमि की आवश्यकता है- सलिहा बिलारी मार्ग निर्माण कार्य हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानसार,
राजेश सुकुमार टोप्पो, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन
राजस्व विभाग

रायपुर, दिनांक 27 मार्च 2012

क्र./क/वा./भू.अ./अ.वि.अ./प्र.क्र./02/अ-82/वर्ष 2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-रायपुर
- (ख) तहसील-रायपुर
- (ग) नगर/ग्राम-मांढर, प. ह. नं. 22
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.484 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
817/2	0.546
818	0.380
766/15	0.433
766/10	0.454
766/14	0.336
814/2	0.615
820	0.267
819/2	0.105
766/16	0.097
812	0.251
योग 09	3.484

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए भूमि की आवश्यकता है- औद्योगिक प्रयोजन हेतु निजी भूमि का भू-अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण आयुक्त, उद्योग संचालनालय, रायपुर के कार्यालय में किया जा सकता है.

रायपुर, दिनांक 18 जुलाई 2012

क्र./क/वा./भू.अ./अ.वि.अ./प्र.क्र./19/अ-82/वर्ष 2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-रायपुर
- (ख) तहसील-तिल्दा
- (ग) नगर/ग्राम-गैतरा, प.ह.नं. 11
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-4.268 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	92/1	0.109
	92/2	0.032
	129	0.214
	375/5	0.304
	376/2	0.121
	375/1	0.348
	376/1	0.243
	183/3	0.202
	375/15	0.304
	376/5	0.121
	376/6	0.243
	183/4	0.263
	95/1	0.197
	102/1	0.344
	132	0.032
	130/2	0.226
	130/1	0.304
	53/1, 3, 4	0.052
	104/1	0.118
	52/1	0.350
	123/2	0.040
	376/8	0.101
योग	22	4.268

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए भूमि की आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र के एप्रोच रेल्वे लाईन निर्माण योजना हेतु निजी भूमि का अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण मुख्य महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, रायपुर (छ.ग.) के कार्यालय में किया जा सकता है.

रायपुर, दिनांक 19 जुलाई 2012

क्र./क/वा./भू.अ./अ.वि.अ./प्र.क्र./18/अ-82/वर्ष 2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-रायपुर
- (ख) तहसील-तिल्दा
- (ग) नगर/ग्राम-तिल्दा, प.ह.नं. 8
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-6.864 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
732/1	0.02
733/1	0.025
739	0.113
740	0.077
741	0.015
780	0.302
737/1	0.02
737/3	0.109
737/2	0.061
738	0.154
742	0.101
779	0.150

(1)	(2)
781	0.302
785/2	0.073
783	0.04
784	0.150
785/1	0.073
681	0.032
691	0.025
682/1	0.040
705/2	0.182
786/1	0.207
682/2	0.04
683/1	0.121
683/2	0.121
690/2	0.012
690/1	0.150
692/2	0.101
693	0.133
689	0.040
709	0.048
710/2	0.202
707	0.222
705/1	0.101
708	0.113
711/1	0.134
711/3	0.028
717/2	0.101
730/29	0.121
717/1	0.202
724/1	0.198
730/9	0.020
730/3	0.113
730/4	0.040
730/7	0.222
730/8	0.202
730/10	0.154
730/11	0.222
730/30	0.150
730/39	0.202
678	0.101
680	0.150
706	0.202
710/1	0.202
711/2	0.121
730/37	0.304
योग 58	6.864

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए भूमि की आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र के एप्रोच रेल्वे लाईन निर्माण योजना हेतु निजी भूमि का अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण मुख्य महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, रायपुर (छ.ग.) के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
रोहित यादव, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

विभाग प्रमुखों के आदेश

कार्यालय आयुक्त, स्थानीय निधि संपरीक्षा रायपुर (छ.ग.)

(बी-99, मेन रोड, समता कालोनी, डॉ. पांडे नर्सिंग होम के पास)

रायपुर, दिनांक 21 मई 2012

क्रमांक एल.एफ.ए./प्रशा./2012/166.—छत्तीसगढ़ स्थानीय निधि संपरीक्षा संचालनालय रायपुर द्वारा माह मई 2012 (दिनांक 14-05-12 से 18-05-12 तक) में आयोजित "छत्तीसगढ़ स्थानीय निधि संपरीक्षा अधीनस्थ लेखा सेवा परीक्षा, भाग-एक एवं भाग-दो" में सम्मिलित निम्नानुसार कर्मचारियों को उत्तीर्ण घोषित किया जाता है.

भाग-एक

उत्तीर्ण कर्मचारी

क्र. (1)	परीक्षा अनुक्रमांक (2)	कर्मचारी का नाम (3)	पदनाम (4)
1.	2012101	श्री राम कुमार विश्वकर्मा	सहायक ग्रेड-1

(1)	(2)	(3)	(4)
2.	2012102	श्री शंभुनाथ खरे	ज्येष्ठ सम्परीक्षक (परिवीक्षाधीन)
3.	2012104	श्री सचिन भुतड़ा	ज्येष्ठ सम्परीक्षक (परिवीक्षाधीन)
4.	2012105	श्री कांति लाल बंसोड़	सहायक सम्परीक्षक
5.	2012106	सुश्री गुपेश्वरी	ज्येष्ठ सम्परीक्षक (परिवीक्षाधीन)
6.	2012107	श्रीमति सविता सिदार	सहायक सम्परीक्षक
7.	2012108	श्री पी. एस. बघेल	सहायक सम्परीक्षक
8.	2012109	श्रीमति ए. मीनाक्षी राव	सहायक ग्रेड-2
9.	2012110	श्री जैनेन्द्र कुमार पटेल	डाटा एंट्री आपरेटर
10.	2012113	श्री कदम सिंह सिदार	ज्येष्ठ सम्परीक्षक (परिवीक्षाधीन)
11.	2012116	श्रीमति गंगा कोरी	सहायक सम्परीक्षक
12.	2012121	श्री दिनेश सिंह	सहायक सम्परीक्षक
13.	2012123	कु. पूनम कुर्रे	सहायक सम्परीक्षक
14.	2012125	श्री भागवत सिंह तोमर	सहायक सम्परीक्षक
15.	2012129	श्री अतीश कुमार मारकण्डेय	ज्येष्ठ सम्परीक्षक (परिवीक्षाधीन)
16.	2012132	कु. दिब्या अग्रवाल	ज्येष्ठ सम्परीक्षक (परिवीक्षाधीन)
17.	2012134	श्री नितिश शर्मा	सहायक सम्परीक्षक
18.	2012136	श्रीमति सीमा नायक	सहायक सम्परीक्षक
19.	2012138	श्री असीम चन्द्राकर	ज्येष्ठ सम्परीक्षक (परिवीक्षाधीन)
20.	2012139	श्री रामानुज ठाकुर	सहायक ग्रेड-2
21.	2012140	श्री अमरजीत भगत	ज्येष्ठ सम्परीक्षक (परिवीक्षाधीन)
22.	2012141	श्री ज्ञानेश्वर बांधे	सहायक सम्परीक्षक
23.	2012146	श्री छन्नू लाल देवांगन	सहायक सम्परीक्षक
24.	2012147	श्री अनुराग शर्मा।	सहायक सम्परीक्षक
25.	2012148	श्री बी. पी. एस. पटेल	सहायक सम्परीक्षक
26.	2012149	श्रीमति सरला साहू	सहायक सम्परीक्षक
27.	2012152	श्रीमति ऊषा चन्द्राकर	ज्येष्ठ सम्परीक्षक (परिवीक्षाधीन)
28.	2012153	श्रीमति रामेश्वरी जोशी	सहायक सम्परीक्षक
29.	2012156	श्रीमति सरस्वती कुजूर	सहायक ग्रेड-2
30.	2012158	श्री फूलसाय सूर्यवंशी	सहायक सम्परीक्षक

भाग-दो
उत्तीर्ण कर्मचारी

क्र. (1)	परीक्षा अनुक्रमांक (2)	कर्मचारी का नाम (3)	पदनाम (4)
1.	2012201	श्री एन. डी. नवरंगे	सहायक सम्परीक्षक
2.	2012202	श्री रामाशंकर भारद्वाज	सहायक सम्परीक्षक
3.	2012203	श्रीमति सुमित्रा भगत	सहायक सम्परीक्षक
4.	2012204	श्री सतीश चौधरी	सहायक सम्परीक्षक
5.	2012205	श्री मालिक राम ध्रुव	सहायक ग्रेड-3
6.	2012206	श्री कौशल किशोर सिंह	सहायक ग्रेड-2
7.	2012207	श्री गिरधारी राम पैकरा	लेखापाल

(1)	(2)	(3)	(4)
8.	2012208	श्री एम. के. शर्मा	सहायक सम्परीक्षक
9.	2012209	श्री एन. एम. लहरे	सहायक सम्परीक्षक
10.	2012210	श्री विजय कुमार सिंह	सहायक ग्रेड–2
11.	2012211	श्री अजय बघेल	सहायक सम्परीक्षक
12.	2012212	श्री अथनाश तिर्की	सहायक सम्परीक्षक

बी. एस. अनंत,
आयुक्त.

कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) तहसील- डभरा, जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.)

डभरा, दिनांक 25 मई 2012

प्ररूप–घ
(नियम 6 देखें)

क्रमांक 442.—राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ भूमिगत पाईपलाईन (भूमि के उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 2004 (क्रमांक 07 सन् 2004) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई सक्षम प्राधिकारी डभरा को अधिसूचना क्रमांक 772 दिनांक 20–1–12 द्वारा उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाईपलाईन परियोजना के लिए पानी के परिवहन द्वारा अर्जन करने के लिए अपने आशय की घोषणा की थी.

और उक्त अधिसूचना राजपत्र में दिनांक 20–1–12 को प्रकाशित की गई तथा कलेक्टर, सक्षम प्राधिकारी, तहसीलदार कार्यालय के नोटिस बोर्ड के साथ ग्राम पंचायत एवं संबंधित ग्राम के लोक समागम स्थल पर अधिसूचना प्रकाशित कर इसकी सूचना भूमि स्वामी/अधिभोगी को भी दी गई है और उन्हें अनुज्ञात करा दिया गया है.

और उक्त भूमिगत पाईपलाईन बिछाने के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार कर लिया गया है और उन्हें अनुज्ञात करा दिया गया है.

अतएव अब सक्षम प्राधिकारी एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में पाईपलाईन बिछाने के लिए भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाना है.

और एतद्द्वारा धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा, इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से पाईपलाईन बिछाने के लिए भूमि में उपयोग का अधिकार सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर राज्य सरकार में निहित होगी.

अनुसूची

जिला	तहसील	ग्राम/प. ह. नं.	खसरा नंबर	उपयोग के अधिकार के लिए अर्जित की जाने वाली भूमि (एकड़ में)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
जांजगीर–चांपा	डभरा	साराडीह/	560/1	0.02 एकड़
		प.ह.नं. 14	561/1	0.02 एकड़

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
			558/2	0.03 एकड़
			571	0.02 एकड़
			582/1	0.01 एकड़
			588	0.03 एकड़
			582/2	0.09 एकड़
			184	0.02 एकड़
			186	0.02 एकड़
			185/1	0.02 एकड़
			185/2	0.02 एकड़
			150/1	0.03 एकड़
			150/2	0.03 एकड़
			151/1	0.02 एकड़
			151/4	0.02 एकड़
			151/7	0.02 एकड़
			151/10	0.02 एकड़
			152/1	0.03 एकड़
			152/2	0.02 एकड़
			152/3	0.03 एकड़
			152/4	0.02 एकड़
			89	0.10 एकड़
			84	0.03 एकड़
			55	0.03 एकड़
			56/2	0.03 एकड़
			57/1	0.02 एकड़
			57/6	0.03 एकड़
			57/7	0.02 एकड़
		योग	**28**	**0.80 एकड़**

डभरा, दिनांक 25 मई 2012

प्ररूप-घ

(नियम 6 देखें)

क्रमांक 444.—राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ भूमिगत पाईपलाईन (भूमि के उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 2004 (क्रमांक 07 सन् 2004) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई सक्षम प्राधिकारी डभरा को अधिसूचना क्रमांक 770 दिनांक 20-1-12 द्वारा उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाईपलाईन परियोजना के लिए पानी के परिवहन द्वारा अर्जन करने के लिए अपने आशय की घोषणा की थी.

और उक्त अधिसूचना राजपत्र में दिनांक 20-1-12 को प्रकाशित की गई तथा कलेक्टर, सक्षम प्राधिकारी, तहसीलदार कार्यालय के नोटिस बोर्ड के साथ ग्राम पंचायत एवं संबंधित ग्राम के लोक समागम स्थल पर अधिसूचना प्रकाशित कर इसकी सूचना भूमि स्वामी/अधिभोगी को भी दी गई है और उन्हें अनुज्ञांत करा दिया गया है.

और उक्त भूमिगत पाईपलाईन बिछाने के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार कर लिया गया है और उन्हें अनुज्ञात करा दिया गया है.

अतएव अब सक्षम प्राधिकारी एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में पाईपलाईन बिछाने के लिए भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाना है.

और एतद्द्वारा धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा, इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से पाईपलाईन बिछाने के लिए भूमि में उपयोग का अधिकार सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर राज्य सरकार में निहित होगी.

अनुसूची

जिला (1)	तहसील (2)	ग्राम/प. ह. नं. (3)	खसरा नंबर (4)	उपयोग के अधिकार के लिए अर्जित की जाने वाली भूमि (एकड़ में) (5)
जांजगीर-चांपा	डभरा	जवाली/	1135/3	0.04 एकड़
		प.ह.नं. 22	1135/2	0.05 एकड़
			1135/1	0.05 एकड़
			1135/4	0.05 एकड़
			951/4	0.03 एकड़
			805/7	0.02 एकड़
			805/4	0.02 एकड़
			946/2	0.02 एकड़
			1089/2	0.02 एकड़
			080	0.01 एकड़
			1081/1	0.02 एकड़
			1082	0.02 एकड़
			1067/7	0.02 एकड़
			1067/6	0.02 एकड़
			1067/4	0.02 एकड़
			1067/2क	0.02 एकड़
			1067/2ख	0.02 एकड़
			950/1	0.02 एकड़
			949/1	0.03 एकड़
			1067/2ख	0.02 एकड़
			813	0.05 एकड़
			814	0.01 एकड़
			815	0.02 एकड़
			765/1	0.02 एकड़
			764/1	0.02 एकड़
			764/2	0.02 एकड़
			765/1	0.03 एकड़
			765/2	0.02 एकड़

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
			702/1	0.02 एकड़
			702/2	0.02 एकड़
			705	0.03 एकड़
			706/1	0.02 एकड़
			706/2	0.02 एकड़
			710	0.04 एकड़
			712/2	0.03 एकड़
			713	0.03 एकड़
			714	0.02 एकड़
		योग	37	0.72 एकड़

एस. सी. श्रीवास्तव,
सक्षम प्राधिकारी एवं
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)

कार्यालय, मुख्य निरीक्षक वाष्पयंत्र, छत्तीसगढ़ एवं अध्यक्ष, बायलर अटेन्डेन्ट्स परीक्षक मंडल

जी. ई. रोड, आमापारा, पो.-विवेकानंद आश्रम, रायपुर (छ.ग.)

रायपुर, दिनांक 2 अप्रैल 2012

क्रमांक मुनिवा/ए-13/976/2012.—बायलर परिचर नियम-2011 के प्रावधानों के अंतर्गत प्रथम श्रेणी बायलर परिचर (अटेन्डेन्ट्स) की प्रवीणता प्रमाणपत्र प्रदान करने हेतु रायपुर में दिनांक 13 फरवरी 2012 से 15 फरवरी 2012 को परीक्षा आयोजित की गई. परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित आवेदकों की सूची निम्नानुसार है :—

सरल क्रमांक	रोल नम्बर	परीक्षार्थी का नाम	पिता का नाम	स्थान
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	3	श्री डोमर सिंह ठाकुर	स्व. श्री अनंद राम	भिलाई
2.	4	श्री रेवाराम देवांगन	स्व. श्री जगदीश प्रसाद देवांगन	महासमुन्द
3.	5	श्री अजय कुमार दुबे	श्री रामशंकर दुबे	भिलाई
4.	8	श्री शेरपाल सिंह	स्व. श्री बाधा सिंह	जांजगीर/चांपा
5.	11	श्री जगजीवन राम सिन्हा	श्री के. एस. सिन्हा	भिलाई
6.	13	श्री मोहनलाल प्रधान	श्री दधिबल राम प्रधान	भिलाई
7.	19	श्री मधुप डयोढ़िया	श्री डी. के. डयोढ़िया	भिलाई
8.	22	श्री मनोज कुमार देवांगन	स्व. श्री ईश्वर प्रसाद देवांगन	जांजगीर/चांपा
9.	23	श्री कमलेश कुमार वर्मा	श्री हेतराम वर्मा	भिलाई
10.	24	श्री नशिने पंकजकुमार संतोष	श्री संतोष नशिने	जांजगीर/चांपा
11.	25	श्री घनश्याम साहू	स्व. श्री कलीराम साहू	महासमुन्द
12.	26	श्री सुजीत कुमार उपाध्याय	श्री सदानन्द उपाध्याय	जांजगीर/चांपा

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
13.	27	श्री किसनाथ प्रसाद	श्री तपिलाल प्रसाद	जांजगीर/चांपा
14.	28	श्री चन्द्रशेखर गौतम	श्री पुरंजन सिंह गौतम	भिलाई
15.	30	श्री हरप्रसाद जांगड़े	श्री सरजू प्रसाद जांगड़े	जांजगीर/चांपा
16.	31	श्री शिबोतपल डे	स्व. श्री राधिका रंजन डे	भिलाई
17.	32	श्री दीपक कुमार वर्मा	स्व. श्री ऋषिराम वर्मा	भिलाई
18.	33	श्री अखिल चन्द्र देहुरी	स्व. श्री सिरोपाणी देहुरी	भिलाई
19.	34	श्री राजकुमार	स्व. श्री रामाधीन	भिलाई
20.	38	श्री उमेश कुमार साहू	श्री श्याम लाल साहू	दुर्ग
21.	40	श्री हेमलाल नायक	श्री संतोष सिंह नायक	भिलाई
22.	45	श्री योगेन्द्र कुमार शर्मा	स्व. श्री राधेश्याम तिवारी	भिलाई
23.	46	श्री मुकेश गौरहा	श्री गणेश गौरहा	जांजगीर/चांपा
24.	47	श्री महेन्द्र कुमार देवांगन	श्री अमर लाल देवांगन	जांजगीर/चांपा
25.	48	श्री शिव चरण	स्व. श्री शिव राम बिलास	भिलाई
26.	49	श्री शैलेन्द्र कुमार बोपचे	श्री टेकचंद बोपचे	भिलाई
27.	50	श्री रामकृष्ण रावत	स्व. श्री चन्दूलाल रावत	दुर्ग
28.	51	श्री फिरतराम धीवर	स्व. श्री माधु राम धीवर	जांजगीर/चांपा
29.	52	श्री मल्सीमिलयन बड़ा	स्व. श्री जोसेफ बड़ा	कोरबा (पूर्व)
30.	54	श्री पीताम्बर लाल चन्द्रा	स्व. श्री रेशम लाल चन्द्रा	कोरबा (पूर्व)
31.	55	श्री देवेन्द्र नारायण सिंह	श्री आर. पी. सिंह	कोरबा
32.	57	श्री हर प्रसाद पटेल	स्व. श्री धनीराम पटेल	कोरबा
33.	58	श्री अजय कुमार त्रिपाठी	श्री हरि शंकर त्रिपाठी	कोरबा
34.	59	श्री विनोद कुमार कौशिक	श्री हनुमान प्रसाद कौशिक	कोरबा
35.	60	श्री रेड्डी रामा कृष्णा	श्री रामूलू	कोरबा
36.	61	श्री अभय प्रसाद पंडा	श्री बलराम पंडा	कोरबा
37.	62	श्री अजय कुमार चौधरी	श्री सियाराम चौधरी	कोरबा
38.	63	श्री राम खिलावन साहू	श्री रमई प्रसाद साहू	बिलासपुर
39.	65	श्री सेवन दास मानिकपुरी	श्री भोला दास मानिकपुरी	बिलासपुर
40.	69	श्री राम कुमार निषाद	श्री रामेश्वर प्रसाद निषाद	रायपुर
41.	75	श्री संतोष कुमार धुर्वे	श्री भरत लाल धुर्वे	राजनांदगांव
42.	76	श्री राजेश रामलाल अग्रवाल	श्री रामलाल अग्रवाल	राजनांदगांव
43.	77	श्री राजकुमार चौहान	श्री रिखीराम चौहान	राजनांदगांव
44.	79	श्री संतोष कुमार	श्री खोरबाहरा राम	कोरबा
45.	80	श्री मनोहर लाल	श्री तेज लाल मच्छिरके	राजनांदगांव
46.	81	श्री अख्तर हुसैन	श्री मोहम्मद इस्लाम	रायपुर
47.	82	श्री दीनेश कुमार शुक्ला	श्री बद्रीनाथ शुक्ला	रायपुर
48.	83	श्री अशोक कुमार पाण्डे	श्री रामनिवास पाण्डे	रायपुर
49.	84	श्री संतोष आदिले	स्व. श्री धरमू आदिले	रायपुर
50.	85	श्री विजय कुमार शुक्ला	श्री जगन्नाथ शुक्ला	रायपुर
51.	86	श्री भक्तराज मिश्रा	श्री रामप्रकाश मिश्रा	रायपुर
52.	87	श्री टाकेश्वर प्रसाद वर्मा	श्री सुंदर लाल वर्मा	रायपुर
53.	88	श्री आसाराम धामड़े	स्व. श्री जियालाल धामड़े	रायपुर

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
54.	90	श्री राकेश कुमार पवार	श्री देवाराम पवार	रायपुर
55.	91	श्री रविन्द्र कुमार वर्मा	स्व. श्री ईश्वरी प्रसाद वर्मा	रायपुर
56.	92	श्री केशवदास	श्री भुवन दास	रायपुर
57.	93	श्री रामगोपाल वर्मा	श्री नेमसिंह वर्मा	रायपुर
58.	94	श्री पी.एस. ठाकुर	स्व. श्री वीरेन्द्र सिंह ठाकुर	रायपुर
59.	96	श्री संजय कुमार सेन	श्री गजाधर लाल सेन	रायपुर
60.	97	श्री गजेन्द्र दमाहे	स्व. श्री गोपाल प्रसाद दमाहे	रायपुर
61.	99	श्री रवेन्द्र सिंह राजपूत	श्री शिशुपाल सिंह राजपूत	रायपुर
62.	100	श्री मनोज कुमार उपवंशी	स्व. श्री प्रभुलारा उपवंशी	रायपुर
63.	101	श्री धर्मेश कुमार दुबे	स्व. श्री मथुरा प्रसाद दुबे	रायपुर
64.	102	श्री राम प्रसाद कौशिक	श्री महेत्तर राम कौशिक	रायपुर
65.	103	श्री आशीष कुमार	स्व. श्री जयबीर सिंह	रायपुर
66.	104	श्री पुरुषोत्तम सिंह	श्री जगदीश सिंह	रायपुर
67.	108	श्री देवीदयाल आदिले	स्व. श्री धरम आदिले	रायपुर
68.	109	श्री नीरज कुमार शर्मा	श्री गोपेश्वर प्रसाद शर्मा	रायपुर
69.	110	श्री इरफान खान	श्री उस्मान खान	रायपुर
70.	111	श्री दयानन्द वर्मा	स्व. श्री रामनाथ वर्मा	रायपुर
71.	114	श्री केदारनाथ वर्मा	श्री भागीरथी वर्मा	रायपुर
72.	117	श्री देवेन्द्र कुमार वर्मा	श्री चन्द्रशेखर वर्मा	रायपुर
73.	118	श्री रमाशंकर खैरवार	श्री रामजनम खैरवार	रायपुर
74.	119	श्री छबिराम साहू	श्री धरमसिंह साहू	रायपुर
75.	120	श्री अशोक कुमार दुबे	श्री चतुर्भुज दुबे	रायपुर
76.	121	श्री अरविन्द कुमार सेन	श्री रंगलाल सेन	सरगुजा
77.	123	श्री अजय कुमार साहू	स्व. श्री गणेश राम साहू	रायपुर
78.	124	श्री विरेन्द्र कुमार वर्मा	श्री परदेशी राम वर्मा	रायपुर
79.	127	श्री शशीकान्त वर्मा	श्री नन्दकुमार वर्मा	रायपुर
80.	128	श्री शीतल राम पटेल	श्री बिसौहा राम पटेल	रायपुर
81.	129	श्री वीरेन्द्र कुमार सिंग पटेल	श्री दयानंद सिंग पटेल	रायपुर
82.	132	श्री देवप्रसाद वर्मा	स्व. श्री कुजलाल वर्मा	रायपुर
83.	133	श्री मानसिंह राजपुत	स्व. श्री मन्नु सिंह राजपुत	रायपुर
84.	134	श्री घनश्याम सिंह परस्ते	श्री चैन सिंह परस्ते	रायपुर
85.	135	श्री सुभाश चन्द्र राउत	श्री वृन्दावन राउत	रायपुर
86.	136	श्री हीरालाल कश्यप	श्री रामेश्वर प्रसाद कश्यप	रायपुर
87.	139	श्री मेघू राम साहू	श्री बिसेसर लाल साहू	रायपुर
88.	140	श्री महावीर प्रसाद साहू	श्री तुलसीराम साहू	रायपुर
89.	141	श्री रूपेन्द्र कुमार देशमुख	श्री अलखराम देशमुख	रायपुर
90.	142	श्री त्रिलोकी नाथ साहू	श्री मंगल राम साहू	रायपुर
91.	145	श्री हरीराम यादव	श्री भारत यादव	रायपुर
92.	146	श्री प्रेमनारायण वर्मा	श्री गैंदलाल वर्मा	रायपुर
93.	147	श्री दीपक कुमार साहू	श्री भागीरथी साहू	रायपुर
94.	149	श्री अक्ती लाल आयुर्वेदी	स्व. श्री धरमू आयुर्वेदी	रायपुर
95.	150	श्री ऋषि कुमार विश्वकर्मा	स्व. श्री मूलचन्द विश्वकर्मा	रायपुर

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
96.	151	श्री संतोष कुमार	श्री विश्वनाथ प्रसाद	रायपुर
97.	152	श्री भरत लाल	श्री केजूराम	रायपुर
98.	153	श्री अरूण कुमार	स्व. श्री लखन लाल	रायपुर
99.	155	श्री मुकेश कुमार चन्देल	श्री के. एल. चन्देल	रायपुर
100.	156	श्री लालजी वर्मा	स्व. श्री भरोसा वर्मा	रायपुर
101.	157	श्री राजेश कुमार मेहरा	श्री भगवान दास मेहरा	रायपुर
102.	160	श्री शंकर दयाल सिंह	श्री रणजीत सिंह	रायपुर
103.	162	श्री ओ. व्यामन्ना	स्व. श्री ओ. कामराजू	रायपुर
104.	163	श्री सुनील प्रसाद यादव	श्री लक्ष्मण प्रसाद यादव	रायपुर
105.	164	श्री मुकेश शर्मा	श्री गजानंद शर्मा	रायपुर
106.	170	श्री ओमप्रकाश साहू	श्री के. आर. साहू	रायपुर
107.	171	श्री मानकचंद रावते	श्री खुशीलाल रावते	रायपुर
108.	172	श्री ओम प्रकाश काछी	श्री श्याम बढ़न काछी	सरगुजा
109.	174	श्री शमी उल्लाह	श्री कलीमुल्लाह	धमतरी
110.	176	श्री रविकांत कुमार पटेल	श्री आनन्द दास पटेल	रायगढ़
111.	178	श्री जगेश्वर साहू	श्री रामभरोस साहू	रायगढ़
112.	179	श्री कैलाश चन्द्र आमेटा	श्री लक्ष्मीनारायण आमेटा	रायगढ़
113.	181	श्री राजेश कुमार सिदार	श्री मोहित राम सिदार	रायगढ़
114.	182	श्री राम लखन गुप्ता	श्री लालमनी	रायगढ़
115.	185	श्री संदीप कुमार चन्द्रम्	स्व. श्री गुहाराम चन्द्रम्	रायगढ़
116.	186	श्री अनिल कुमार बारीक	श्री किशोर कुमार बारीक	रायगढ़
117.	187	श्री रविकांत गोंड़	श्री छेदीलाल गोंड़	रायगढ़
118.	188	श्री मोहनलाल पटेल	श्री तेजराम पटेल	रायगढ़
119.	194	श्री राजन सिंग	श्री बिरेन्द्र सिंग	रायगढ़
120.	195	श्री शम्भू हलवाई	स्व. श्री कांशीराम हलवाई	रायगढ़
121.	196	श्री उत्तम कुमार साहू	श्री तेरस राम साहू	रायगढ़
122.	197	श्री अमित कुमार साहू	श्री बरतराम साहू	रायगढ़
123.	198	श्री निरंजन कुमार पटेल	श्री हृदय लाल पटेल	रायगढ़
124.	199	श्री विनोद कुमार विश्वकर्मा	श्री जीव लाल विश्वकर्मा	रायगढ़
125.	202	श्री शाहजाद	श्री मो. इकराम खान	रायगढ़
126.	203	श्री नरेश चन्द्र राठौर	श्री मेहत्तर राम राठौर	रायगढ़
127.	204	श्री निलाम्बर प्रसाद पटेल	श्री दानीराम पटेल	रायगढ़
128.	205	श्री पंकज कुमार	श्री तपेश्वर सिंह	रायगढ़
129.	206	श्री लोकनाथ मैत्री	श्री तेजराम मैत्री	रायगढ़
130.	208	श्री रामफल शर्मा	श्री बनवारी लाल शर्मा	रायगढ़
131.	213	श्री अशोक कुमार सिंह	श्री हरिचरण सिंह	रायगढ़
132.	218	श्री बिसीकेशन बेहरा	श्री अर्जुन बेहरा	रायगढ़
133.	219	श्री सुंदरमणी साहू	श्री सूरज प्रसाद साहू	रायगढ़
134.	223	श्री जटाकिशोर बेहरा	श्री निराकर बेहरा	रायगढ़
135.	224	श्री हलधर डनसेना	श्री रूपचंद डनसेना	रायगढ़
136.	226	श्री रमेश कुमार सक्सेना	श्री रामरतन सक्सेना	रायगढ़
137.	227	श्री कमल नारायण वर्मा	श्री इंदरमन लाल वर्मा	रायगढ़

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
138.	228	श्री मो. इजहार अहमद	श्री मो. फैयाज अहमद	रायगढ़
139.	235	श्री बाकेलाल प्रसाद	स्व. श्री भीखम प्रसाद	रायगढ़
140.	240	श्री सुनील कुमार चिंचलवार	श्री कारेलाल चिंचलवार	मध्यप्रदेश
141.	246	श्री बाबू राम प्रसाद	श्री चोकट प्रसाद	मध्यप्रदेश
142.	249	श्री प्रफुल्ल माटे	श्री पुरुषोत्तम माटे	मध्यप्रदेश
143.	250	श्री फिरोज खान	श्री शमीम खान	मध्यप्रदेश
144.	251	श्री ओमप्रकाश वर्मा	स्व. श्री हरि राम वर्मा	मध्यप्रदेश
145.	257	श्री शिवलाल जाट	श्री रतन लाल जाट	राजस्थान
146.	261	श्री ओम सिंह शेखावत	श्री अर्जुन सिंह शेखावत	राजस्थान
147.	262	श्री विवेकानन्द सुमन	स्व. श्री मदनलाल सुमन	राजस्थान
148.	263	श्री गोवर्धन दास वैष्णव	श्री शंकर दास वैष्णव	राजस्थान
149.	264	श्री आमोद कुमार	श्री मेघराज सिंह	राजस्थान
150.	266	श्री गोपाल सिंह	श्री हरी सिंह	उत्तराखण्ड
151.	267	श्री विवेक कुमार	श्री प्रहलाद सिंह	उत्तराखण्ड
152.	271	श्री उदय शंकर गिरी	श्री मोसाहेब्द गिरी	सरगुजा
153.	272	श्री पितमकुमार मच्छिरके	श्री तेजलाल मच्छिरके	धमतरी
154.	273	श्री शैलेष कुमार धुवारे	श्री रमेश गंगा धुवारे	नागपुर
155.	275	श्री दिनेश्वर धीवर	श्री पुनित राम धीवर	रायपुर
156.	279	श्री गोपी कुमार देशमुख	श्री हरदेव देशमुख	दुर्ग

गुंजन शुक्ला,
सचिव.